THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 35 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.5 2082 शुक्रवार, 2 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अटारी-वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच पूरी तरह से बंद

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार द्वारा पहलगाम आतंकी हमले के बाद सभी अल्पकालिक वीजा वाले पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया था। जिसके बाद पिछले एक सप्ताह से दोनों देशों के नागरिकों की भारी आवाजाही के बाद गुरुवार को अटारी-वाघा सीमा को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। सूत्रों ने पुष्टि की कि अटारी-वाघा सीमा पूरी तरह से बंद है और गुरुवार को किसी भी देश का कोई नागरिक सीमा पार नहीं कर सका। बुधवार को कुल 125 पाकिस्तानी नागरिक अटारी-वाघा बॉर्डर के माध्यम से भारत छोड़कर गए।

क्रिएटर्स का महाकुंभ

पीएम मोदी ने किया वेव्स का आगाज

> 90 देश और 10 हजार प्रतिनिधि

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुंबई में 'विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन' (वेव्स) का उद्घाटन किया। उन्होंने यहां जुटे एक हजार से अधिक क्रिएटर्स का उत्साह बढ़ाया। वेव्स 2025 चार दिवसीय कार्यक्रम में मीडिया और मनोरंजन जगत को साथ लाया जा रहा है। वेव्स 2025 की टैगलाइन है 'कनेक्टिंग क्रिएटर्स, कनेक्टिंग कंट्रीज'। इसमें 90 से अधिक देशों की भागीदारी होगी, जिसमें 10,000 से अधिक प्रतिनिधि, 1,000 क्रिएटर्स, 300 से अधिक कंपनियां और 350 से अधिक स्टार्टअप शामिल हो रहे हैं।

> दुनियाभर के युवा रचनाकारों से बात

प्रधानमंत्री ने 'क्रिएटोस्फियर' सत्र में दुनियाभर के युवा रचनाकारों से भी बातचीत की, जिन्होंने 31 अलग-अलग 'क्रिएट इन इंडिया' चुनौतियों में भाग लिया है। मोदी ने विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए। क्रिएटोस्फीयर में वीआर, एनीमेशन, फिल्म, गेम, वीएफएक्स, कॉमिक्स, संगीत, इमर्सिव प्रदर्शन और मास्टरक्लास से संबंधित क्यूरेटेड जोन होंगे।

> शुरूआत लीजेंड्स एंड लेगेसीज से

'द स्टोरीज दैट शेप्ड इंडियाज सोल' शीर्षक से एक हाई-प्रोफाइल पैनल चर्चा से हुई, जिसमें हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती, रजनीकांत, मोहनलाल और चिरंजीवी शामिल हुए।

इस सत्र का संचालन अभिनेता अक्षय कुमार ने किया। आयोजन का एक और खास आकर्षण-द न्यू मेनस्ट्रीम ब्रेकिंग बॉर्डर्स, बिल्डिंग लीजेंड्स रहा, जिसमें फिल्म निर्माता एसएस राजामौली, अभिनेता अनिल कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल व संगीतकार एआर रहमान के साथ एक पैनल चर्चा हुई। इसका संचालन निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने किया।

> दिग्गजों की प्रस्तुतियां बांधेंगी समा :

उद्घाटन दिवस की सांस्कृतिक संध्या में विश्व मोहन भट्ट, येल्ला वेंकटेश्वर राव और रोनू मजूमदार जैसे दिग्गजों के नेतृत्व में शास्त्रीय कलाकार प्रस्तुति देंगे। साथ ही टेटसेओ सिस्टर्स, झाला, श्रेया घोषाल, किंग एक्स एलन वॉकर की प्रस्तुतियां और अनुपम खेर का सिनेमाई अभिनय भी होगा।

शाहरुख खान, दीपिका के साथ रूबरू होने का मिलेगा मौका

बॉलीवुड दिग्गज शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और करण जौहर के बीच बहुप्रतीक्षित चर्चा भी रखी गई है। इस चर्चा का शीर्षक है 'द जर्नी: फ्रॉम आउटसाइडर टू रूलर'। इसके माध्यम से दोनों कलाकारों के प्रेरणादायक कॅरिअर का उल्लेख होगा।

'पूर्व सांसद की बेटी और सीबीआई अधिकारी के खिलाफ दर्ज मामला बंद'

आंध प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

नई दिल्ली, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस सांसद वाई एस विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में सीबीआई जांच के दौरान उनकी बेटी और सीबीआई अधिकारी के खिलाफ दर्ज मामले को राज्य सरकार ने बंद कर दिया है। आंध्र प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को यह जानकारी दी। पूर्व कांग्रेस सांसद रेड्डी की बेटी के सुनीता रेड्डी और सीबीआई अधिकारी राम सिंह पर आरोप था कि वाई एस विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में सीबीआई जांच के दौरान उन्होंने सांसद के पूर्व पीए को झूठी गवाही देने के लिए धमकाया था।

मामले में पूर्व पीए की शिकायत और न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर पूर्व कांग्रेस सांसद रेड्डी की बेटी के सुनीता रेड्डी और सीबीआई अधिकारी राम सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने भी दोनों के खिलाफ एफआईआर रद्द करने की याचिका को खारिज कर दिया था।

इसके बाद पूर्व कांग्रेस सांसद रेड्डी की बेटी के सुनीता रेड्डी और सीबीआई अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ को राज्य सरकार के वकील ने अवगत कराया कि पुलिस ने मामले को बंद करने की मांग करते हुए स्थानीय अदालत में एक रिपोर्ट दायर की है। पीठ ने कहा कि एफआईआर रद्द करने की मांग वाली अपीलों पर आगे सुनवाई की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि क्लोजर रिपोर्ट पहले ही दाखिल की जा चुकी है। विशेष अनुमति याचिका वापस ली गई मानते हुए खारिज की जाती है।

यह लगा था आरोप :

वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान आंध्र प्रदेश पुलिस ने कांग्रेस सांसद वाई एस विवेकानंद रेड्डी के पूर्व पीए एमवी कृष्णा रेड्डी की शिकायत पर विवेकानंद रेड्डी की बेटी सुनीता नारेड्डी और सीबीआई अधिकारी राम सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। हत्या की जांच के सिलसिले में एमवी कृष्णा रेड्डी से सीबीआई पूछताछ कर रही थी। एमवी कृष्णा रेड्डी ने आरोप लगाया था कि उन्हें कडप्पा में केंद्रीय जेल के एक गेस्ट हाउस में सीबीआई अधिकारी ने कैद किया गया था और सुनीता नारेड्डी के आदेश पर झूठे सबूत देने के लिए कहा गया था। दिसंबर 2023 में पुलिवेंदुला में एक मजिस्ट्रेट ने पुलिस को जबरदस्ती और यातना के आरोपों के आधार पर विवेकानंद रेड्डी की बेटी और अन्य के खिलाफ एक नई एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था।

आतंकियों को 'चुन-चुन कर जवाब मिलेगा': अमित शाह

भारत की इंच-इंच भूमि से आतंकवाद मिटाने का संकल्प

नई दिल्ली , 1 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निहत्थे पर्यटकों को श्रद्धांजलि देते हुए आज गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 1990 के दशक से कश्मीर में जो आतंकवाद चला रहे हैं, उनके खिलाफ पीएम मोदी ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। सरकार मजबूती से उनके खिलाफ लड़ाई लड़ रही है।

बकौल अमित शाह, 'हमारे 2% नागरिकों की जान लेकर आतंकवादी लड़ाई जीत गए हैं, उन्हें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए।' उन्होंने कहा, वे यह संकल्प दोहराना चाहते हैं कि जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं होगा, हमारी लड़ाई जारी रहेगी। जिन लोगों ने यह कृत्य किया है, उन्हें निश्चित रूप से उसका उचित दंड दिया जाएगा। शाह ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा, ये लड़ाई का अंत नहीं, ये केवल एक पड़ाव है। हर शख्स को चुन-चुन कर जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर, वामपंथी उग्रवाद का क्षेत्र हो या कश्मीर पर आतंकवाद की छाया हो, सरकार ने सबका मजबूती से जवाब दिया है। अगर कोई कायराना आतंकी हमला कर समझता है कि ये उनकी बड़ी जीत है। गृह मंत्री ने दहशतगर्दों को चेतावनी देते हुए कहा, '...किसी को बख्शा नहीं जाएगा। इस देश की इंच-इंच भूमि पर से आतंकवाद को मूल समेत उखाड़ने का हमारा संकल्प है। वह सिद्ध होकर रहेगा। >14

'पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को मिले शहीद का दर्जा'

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से देशभर में आक्रोश का माहौल है। इसी बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को शहीद का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि वे पीड़ित परिवारों के दुख में साथ हैं और उनकी इस मांग का पूरा समर्थन करते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि मैं पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के दुख और उन्हें शहीद का दर्जा दिए जाने की मांग के साथ खड़ा हूं। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से अनुरोध है कि इस त्रासदी में जान गंवाने वालों के परिवारों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें यह सम्मान दें।

बता दें कि इससे पहले बीते बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कानपुर में हमले के एक पीड़ित शुभम द्विवेदी के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि परिवार ने उनसे कहा कि उनके बेटे को शहीद का दर्जा मिलना चाहिए। इसके बाद राहुल गांधी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि मैं कानपुर में एक पीड़ित परिवार से मिला। राहुल गांधी ने कहा कि पीड़ित परिवार ने मुझसे कहा कि प्रधानमंत्री तक उनका संदेश पहुंचाएं, कि हमारे बच्चे शहीद हुए हैं और उन्हें सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष इस मामले को लेकर गंभीर है और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते मंगलवार 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। सेना की वर्दी में आए दहशतगर्दों ने पहलगाम की बायसरन घाटी में पर्यटकों से पहले उनका धर्म पूछा, परिचय पत्र देखे और फिर हिंदू हो कहकर गोली मार दी। तीन जुलाई से शुरू होने जा रही श्रीअमरनाथ यात्रा से पहले इस कायराना हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा से जुड़े गुट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। फरवरी, 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद से जम्मू-कश्मीर में यह सबसे बड़ा आतंकी हमला है।

राममंदिर के 6 दरवाजों पर 18 सोना मढ़ा जा रहा

अयोध्या, 1 मई (एजेंसियां)। राम मंदिर के दरवाजों पर फिर सोना लगाए जाने की शुरुआत हो गई है। अब फर्स्ट फ्लोर के 6 दरवाजों पर 18केजी सोना लगाया जा रहा है। हर दरवाजे पर 3 किलो सोना लगाया जाएगा। मुख्य कलश और राम दरबार के सिंहासन पर भी सोना लगाया जाएगा। इस पर 3 से 4kg सोना मढ़ा जाएगा।

करीब एक साल पहले राम मंदिर के ग्राउंड फ्लोर के 14 दरवाजों पर सोना लगाया गया था। हर दरवाजे पर करीब 3 किलो सोना लगा। जून में श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा होनी है, ट्रस्ट 3 दिन तक उत्सव मनाने की तैयारी कर रहा है। इसमें क्या होगा? इसका शेड्यूल ट्रस्ट ने जारी नहीं किया है। फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की प्रतिमाएं आ चुकी हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि राम और सीता सिंहासन पर विराजमान होंगे। लक्ष्मण और शत्रुघ्न पंखा डोलाते हुए दिखेंगे। हनुमानजी और भरत की प्रतिमाएं चरणों में बैठे हुए होंगी। इन मूर्तियों को जयपुर में शिल्पकार सत्यनारायण पांडे ने तैयार किया है। इनको बनाने में सफेद संगमरमर का इस्तेमाल हुआ है। जबकि परकोटे में 6 मंदिर बन रहे हैं।

कांग्रेस कार्यसमिति ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस कार्यसमिति की शुक्रवार को बैठक होने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बैठक में सरकार द्वारा जातीय जनगणना कराने के फैसले पर चर्चा होगी। बुधवार को ही केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना कराने का एलान किया है। जातीय जनगणना, जनसंख्या जनगणना के साथ ही होगी। देश की आजादी के बाद पहली बार देश में जातीय जनगणना होगी। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार शाम चार बजे पार्टी के 24 अकबर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय पर होगी। इस बैठक में सरकार के एलान के बाद आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इससे पहले 24 अप्रैल को भी कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई थी, जिसमें पहलगाम हमले के बाद सरकार के साथ एकजुटता दिखाने का फैसला किया गया था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सरकार द्वारा 'अचानक' लिए गए इस फैसले का स्वागत किया। राहुल गांधी ने भाजपा द्वारा 11 साल तक जातीय जनगणना का विरोध करने के बाद अचानक से इसे कराने का एलान करने पर हैरानी भी जताई और कहा कि अब उनका जोर इस बात पर है कि सरकार जातीय जनगणना कराने के लिए एक समयसीमा तय करे।

पहलगाम हमले की न्यायिक जांच से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

याचिकाकर्ता को फटकार, सुरक्षाबलों का मनोबल गिराना चाहते हैं क्या, ऐसी अर्जियां मत लाइए

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की न्यायिक जांच से इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और एनके सिंह की बेंच ने याचिकाकर्ता को फटकारा। कोर्ट ने कहा कि, यह संवेदनशील समय है। पूरा देश एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है। क्या आप सिक्योरिटी फोर्स का मनोबल गिराना चाहते हैं। ऐसी याचिकाएं कोर्ट में मत लाइए।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, ऐसी जनहित याचिकाएं दायर करने से पहले जिम्मेदारी से काम लें। देश के प्रति भी आपका कुछ कर्तव्य है। आप रिटायर्ड जज से जांच करने के लिए कह रहे हैं। हम जांच (आतंकी हमले) के एक्सपर्ट कब से बन गए। हमारा काम केवल फैसला सुनाना है। हालांकि कोर्ट ने कहा, स्टूडेंट की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर आज हाईकोर्ट जा सकते हैं। इसके बाद तीन याचिकाकर्ताओं में से एक ने याचिका वापस ले ली।

किसने दायर की थी पिटीशन :

जनहित याचिका कश्मीर के रहने वाले मोहम्मद जुनैद ने दायर की थी। याचिकाकर्ताओं में फतेश कुमार साहू और विकी कुमार का भी नाम है। याचिका में ये भी कहा गया है कि केंद्र और जम्मू-कश्मीर सरकार कश्मीर में पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पूछकर गोली मारी थी :

कश्मीर के पहलगाम स्थित बायसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। इसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। इसमें एक नेपाल का टूरिस्ट भी शामिल था। आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछकर गोली मारी थी। हमले की जिम्मेदारी पहले द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी, हालांकि बाद में इससे मुकर गया था। पहलगाम हमला मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है। एनआईए ने मामले में 27 अप्रैल को जम्मू में केस दर्ज किया था।

पहलगाम पहुंचे एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते : 26 पर्यटकों की हत्या की जांच जारी

जम्मू, 1 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आज एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते घटनस्थान पर पहुंचे हैं। 22 अप्रैल को पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की एनआईए जांच कर रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष टीम हाईटेक उपकरणों के साथ बुधवार को फिर से बायसरन में घटनास्थल पर पहुंची। एनआईए बायसरन घाटी में 3डी मैपिंग करेगी, ताकि आतंकियों के एंट्री-एग्जिट पॉइंट का सटीक पता लगाया जा सके। सूत्रों के अनुसार अब तक दर्ज चश्मदीदों के बयानों के आधार पर 3डी मैपिंग की जाएगी। इससे आतंकियों की एंट्री और एग्जिट पॉइंट की पुख्ता जानकारी मिल पाएगी। 3डी मैपिंग के जरिये आतंकियों के भागने के सही रास्तों की जानकारी भी मिलेगी। इससे पहले, बुधवार को एनआईए की टीम ने करीब सात घंटे तक बायसरन घाटी में जांच की। टीम के साथ जम्मू कश्मीर पुलिस की बोम डिस्पोजल स्क्वायड (बीडीएस) और फोरेंसिक की टीमें भी थीं। >14

मनी लॉड्रिंग मामलों में कोई कोताही नहीं बरत रही ईडी

निदेशक बोले-1700 से अधिक केसों पर हो रही सुनवाई

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। मनी लॉड्रिंग के मामलों में कार्रवाई करने में ईडी कोई कोताही नहीं बरत रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक राहुल नवीन ने कहा कि ईडी 1700 से अधिक मनी लॉड्रिंग मामलों की जांच कर रही है। ये सभी मामले मौजूदा समय में सुनवाई की प्रक्रिया में हैं। इनकी सुनवाई में हो रही न्यायिक प्रक्रिया के तहत सामान्य है।

प्रवर्तन निदेशालय के स्थापना दिवस कार्यक्रम में निदेशक राहुल नवीन ने कहा कि ईडी मामलों में दोषसिद्धि की दर 93.6 प्रतिशत है। अब तक अदालतों द्वारा तय किए गए 47 मामलों में से केवल तीन मामलों में ही आरोपियों को बरी किया गया है। मौजूदा समय में मनी लॉड्रिंग के कुल 1,739 मामले विचाराधीन हैं। धन शोधन मामलों में अभियोजन में देरी के लिए देश में न्याय प्रणाली में सामान्य देरी को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। नवीन ने कहा कि वह मनी लॉड्रिंग से जुड़े मामलों में लंबित जांच को स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं। एजेंसी का प्रयास होगा कि ऐसे मामलों में अदालतों के समक्ष आरोपपत्र दाखिल किया जाए। ईडी अपनी जांच में बेहतर तकनीक और फॉरेंसिक का उपयोग करेगी। संघीय जांच एजेंसी ने अपनी स्थापना के 69 वर्ष पूरे कर लिए हैं। प्रवर्तन निदेशालय की स्थापना 1 मई, 1956 को हुई थी। ईडी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के नागरिक प्रावधानों के अलावा दो आपराधिक कानून धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) और भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओए) मामलों की जांच भी करता है।

भारत-पाकिस्तान समुद्र में भी आमने-सामने

> 157 किमी दूर कर रहे बमबारी, यह युद्ध की तैयारी तो नहीं?

इस्लामाबाद, 1 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान सिर्फ कश्मीर में ही नहीं, बल्कि अरब सागर में भी आमने-सामने हैं। दोनों देशों की नौसेनाएं अरब सागर में एक दूसरे से मात्र 157 किमी दूर गोलीबारी कर रही हैं। यह गोलीबारी एक दूसरे पर नहीं, बल्कि युद्धाभ्यास के हिस्से के रूप में हो रही है। इसके लिए दोनों देशों की नौसेनाओं ने अरब सागर के एक बड़े क्षेत्र में नोटम (नोटिस टू एयर मिशन) जारी किया है। भारत और पाकिस्तान में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद तनाव चरम पर है। इस हमले को पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने अंजाम दिया था, जिसमें 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। इसके बावजूद पाकिस्तान लगातार युद्ध की धमकियां दे रहा है और सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिकों को भारी हथियारों के साथ

तैनात किया है। ओपन सोर्स इंटेलीजेंस की एक्स पर पोस्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने अरब सागर में नेवल शिप फायरिंग को लेकर नोटम जारी किया है। यह नोटम 30/अप्रैल/2025 को दोपहर 3 बजे से लेकर 02/मई/2025 को सुबह 3 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान अरब सागर के इस बड़े भूभाग में दूसरे देशों के विमानों और समुद्री जहाजों को न आने की सलाह दी गई है। वहीं, इस जगह से मात्र 157 किमी दूर भारत ने गुजरात से सटे चार अलग-अलग समुद्री इलाकों में नोटम जारी किया है। यह नोटम 30/अप्रैल/2025 को शाम 06.31 बजे से 03/मई/2025 को शाम 06.29 तक जारी रहेगा। नोटम किसी विशेष क्षेत्र में एयर मिशन के लिए जारी किया जाता है। इसके जरिए उस इलाके में उड़ान भरने वाले पायलटों को सतर्क किया जा सकता है। नोटम का फुल फॉर्म नोटिस टू एयर मिशन है। इसमें उस इलाके में उड़ान संचालित करने से संबंधित आवश्यक जानकारी होती है। यह किसी विशेष हवाई क्षेत्र को उड़ान को रोकने के काम में आता है। इसे हवाई क्षेत्र से संबंधित देश जारी कर सकता है। नोटम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी होता है।

पाकिस्तान की सरकार पहलगाम हमले के बाद से ही भारत को उकसाने में लगी है। पाकिस्तान का शीर्ष राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व लगातार भारत के खिलाफ बयानबाजियां कर रहा है। वहां के नेता और सैन्य अधिकारी लगभग हर दिन मीडिया के सामने भारत के हमले की आशंका जता रहे हैं।

'भारत को मिलेंगे 11.08 अरब के सैन्य हार्डवेयर रसद सहायता भी मिलेगी'

पेंटागन, 1 मई (एजेंसियां)। भारत को अमेरिका से 11.08 अरब के सैन्य हार्डवेयर मिलेंगे। अमेरिकी एजेंसी भारत को जरूरी रसद सहायता भी देगी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय-पेंटागन के तहत काम करने वाली एजेंसी- डीएससीए ने संभावित बिक्री के बारे में अमेरिकी कांग्रेस को भी सूचित किया है। सैन्य हार्डवेयर और रसद आपूर्ति को मंजूरी ऐसे समय में मिली है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली सरकार और अमेरिकी प्रशासन भारत को सैन्य खरीद के लिए अमेरिका से और रिश्ते बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहा है। डीएससीए का मिशन साझा चुनौतियों का जवाब देने के लिए दूसरे देशों के सुरक्षा बलों की क्षमता बढ़ाना और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के हितों को आगे बढ़ाना है।

'पहलगाम में चुनौती मिली, लेकिन हमारे पास मोदी हैं'

अपनों की चुनौती सबसे खतरनाक आनंदी जी आपसे गुरुमंत्र लूंगा : धनखड़

लखनऊ, 1 मई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गुरुवार को लखनऊ दौरे पर हैं। उन्होंने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की किताब 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन किया। इस दौरान आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा- पहलगाम में हमें चुनौती मिली है। लेकिन हमारे पास डायनामिक पीएम मोदी हैं। उन्होंने चुनौतियों को अवसर में बदला है।

उन्होंने कहा- राज्यपाल महोदया, मेरे लिए घर में एक बड़ी चुनौती है। उस चुनौती को पार करने के लिए मैं राजभवन में भोजन के दौरान आपसे गुरुमंत्र लूंगा। अगर आपने मुझे चुनौती से उबरने का कोई गुरुमंत्र नहीं दिया, तो फिर मजबूरन मुझे एकलव्य बनाना पड़ेगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आनंदीबेन नाम ही काफी है। किताब लॉन्च करने के लिए उन्होंने 1 मई यानी मजूदरों का दिन चुना। गुजरात इनके दिल में धड़कता है। वहीं, आनंदी बेन पटेल ने कहा- इस पुस्तक को लिखने में मेरे माता-पिता, बेटे-बेटी-बहू सभी का इनपुट है। इसकी कीमत 500 रुपये रखी है। किसी को फ्री में नहीं मिलेगी क्योंकि मैं अहमदाबादी हूं। एक ही कप में हम तीन लोग चाय पीते हैं। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा- ये किताब समुद्र मंथन के बाद निकली है, ये किताब नहीं ग्रंथ है। इसमें राज्यपाल की जिंदगी का सार समाहित है। राज्यपाल महोदया, मेरे लिए घर में एक बड़ी चुनौती है। उस चुनौती को पार करने के लिए मैं राजभवन में भोजन के दौरान आपसे गुरुमंत्र लेने आऊंगा। आपने मुझे चुनौती से उबरने का कोई गुरुमंत्र नहीं दिया, तो फिर मजबूरन मुझे एकलव्य बनाना पड़ेगा। आनंदी बेनजी मुझे मुफ्त में कोई चीज लेने की आदत नहीं। मैंने तो चुनौती से 7 फेरे लिए। उनके साथ जीवन का वादा किया है। चुनौती के साथ रहने की मेरी आदत है। योगीजी, दुनिया जेवर एयरपोर्ट का इंतजार कर रही है। जेवर जितना पहनो अच्छा लगता है।

दिल्ली के डियर पार्क से दूसरे राज्यों में नहीं भेजे जाएंगे हिरण

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के हौज खास स्थित डियर पार्क से हिरणों को अब दूसरे राज्यों के जंगलों में नहीं भेजा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने हिरणों के स्थानांतरण पर रोक लगाई है। साथ ही दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और अन्य प्राधिकारियों को आदेश दिया है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने हिरणों के स्थानांतरण का विरोध करने वाली याचिका पर डीडीए के बागवानी निदेशक और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पीठ ने कहा कि विशेष अनुमति याचिकाओं में शामिल मुद्दा हौज खास नई दिल्ली स्थित हिरण पार्क में हिरणों को स्थानांतरित करने से संबंधित है। इस पर नोटिस जारी किया जाता है, जिस पर 16 मई 2025 को जवाब देना होगा। पीठ ने 30 अप्रैल को पारित आदेश में कहा कि फिलहाल हम डीडीए अधिकारियों को हिरण पार्क से मौजूदा हिरणों को स्थानांतरित करने से रोकते हैं। हम यह भी स्पष्ट करते हैं कि हिरणों की उचित देखभाल की जाएगी। हिरणों के स्थानांतरण को लेकर गैर सरकारी संगठन न्यू दिल्ली नेचर सोसाइटी ने याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि हौज खास से लगभग 600 हिरणों को उचित आवास आकलन, पशु चिकित्सा जांच या गर्भवती हिरणों और उनके बच्चों जैसे कमजोर समूहों के लिए सुरक्षा उपायों के बिना स्थानांतरित किए जाने की संभावना है। याचिका में कहा गया कि वन्यजीव संरक्षण कानूनों का उल्लंघन करते हुए हिरणों के तीन समूहों को पहले ही जल्दबाजी में हिरण पार्क से राजस्थान के अभयारण्यों में स्थानांतरित कर दिया गया है।

हमने जो चाहा, वो मिल गया लेकिन नेहरू पर न हो राजनीति

जाति जनगणना पर बोले खरगे

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। मोदी सरकार ने सीसीपीए की बैठक में देश में जाति जनगणना कराने का फैसला लिया। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि दो साल पहले मैंने आम जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने के लिए केंद्र को पत्र लिखा था। उस समय वे सहमत नहीं हुए थे। अब कैबिनेट ने आम जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने का फैसला लिया है। खरगे ने कहा कि हम पूरा सहयोग करेंगे, लेकिन उन्हें जवाहरलाल नेहरू या इस-उस पर अनावश्यक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। जनसंघ और आरएसएस जन्म से ही आरक्षण के खिलाफ हैं। अगर आरक्षण के खिलाफ ऐसे लोग कहते हैं कि कांग्रेस इसके खिलाफ है, तो क्या मैं दो साल पहले पत्र लिखता? इसलिए, वे फिर से लोगों के मन में भ्रम पैदा कर रहे हैं। राजनीतिक उद्देश्यों के लिए वे हमेशा ऐसी बातें करते हैं, लेकिन उन्होंने जो भी फैसला लिया है, उसे पूरा किया जाना चाहिए।

बिहार चुनाव की वजह से नहीं किया ऐसा

जाति जनगणना पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि बिहार चुनाव नजदीक होने के कारण ऐसा किया गया है। आखिरकार, देश जरूरी है और लोग महत्वपूर्ण हैं। आरएसएस हमेशा जाति जनगणना के खिलाफ रहा है। इसलिए, उन्हें अपनी तरफ से दिए गए आरक्षण के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। सभी विपक्षी दलों ने जाति जनगणना की मांग की थी। राहुल गांधी ने जाति जनगणना की मांग का नेतृत्व किया और आज हमने इसे हासिल कर लिया है। हम खुश हैं।

बजट का प्रावधान कर पारदर्शिता से कराएं जाति जनगणना

उन्होंने कहा कि इस साल के बजट में जनगणना के लिए मात्र 1.575 करोड़ रुपए का आवंटन है, इसलिए यह वाजिब सवाल है कि सरकार इसे कैसे और कब पूरा करेगी? उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि मोदी सरकार जल्द से जल्द बजट का प्रावधान करे और पूरी पारदर्शिता के साथ जनगणना व जाति जनगणना का काम शुरू करे। पिछली राष्ट्रव्यापी जनगणना देश में 2011 में पूरी हुई थी और अगली दशकीय जनगणना अप्रैल 2020 में शुरू होनी थी, लेकिन कोविड महामारी के कारण इसमें देरी हो गई।

बीजद विधायक मल्लिक पर सरकारी अधिकारी को थप्पड़ जड़ने और अभद्रता करने का आरोप

जाजपुर, 1 मई (एजेंसियां)। ओडिशा में बीजद विधायक विश्व रंजन मल्लिक पर सरकारी अधिकारी से मारपीट करने का आरोप लगा है। आरोप है कि विधायक ने अधिकारी को थप्पड़ जड़ा और अभद्रता की। सरकारी अधिकारी ने पुलिस से शिकायत की है। हालांकि विधायक ने आरोपों को खारिज किया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जूनियर राजस्व सहायक अमर रंजन नायक ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा कि बारी के विधायक विश्व रंजन मल्लिक ने सोमवार दोपहर 12.45 बजे उन्हें बारी ब्लॉक कार्यालय में बुलाया। जब मैं वहां पहुंचा तो विधायक मल्लिक ब्लॉक के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन और अपने कुछ समर्थकों के साथ वहां बैठे थे। विधायक ने एक विशेष फाइल के बारे में पूछताछ की और फिर मुझे थप्पड़ मारा और जाति को लेकर गाली दी। नायक ने आरोप लगाया कि विधायक के समर्थकों ने उन पर लात-घूंसे भी मारे। बारी रामचंद्रपुर पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक ज्योतिर्मयी सेठी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सरकारी अधिकारी ने जाजपुर जिला कलेक्टर पी अन्वेषा रेड्डी से भी मुलाकात की और उन्हें घटना से अवगत कराया। वहीं आरोपों को खारिज करते हुए मल्लिक ने कहा कि वह एक समस्या के समाधान के लिए ब्लॉक कार्यालय गए थे। वहां ब्लॉक उपाध्यक्ष भी थीं। मैंने उपाध्यक्ष से संबंधित समस्या के बारे में विस्तृत जानकारी लेने के लिए जूनियर राजस्व सहायक को बुलाया था। मैंने न तो उसके साथ मारपीट की और न ही कोई जातिवादी टिप्पणी की। बल्कि, मैंने उनको लोगों के हित के लिए ब्लॉक अध्यक्ष के साथ समन्वय में काम करने का सुझाव दिया।

बीमा कंपनी ने कैंसर पीड़ित का इलाज रोका

हाई कोर्ट ने जताई नाराजगी, एमडी को पेश होने का आदेश

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। संतोष कुमार एक आम भारतीय नागरिक हैं, जिन्होंने उम्मीद की थी कि बुरे समय में उनकी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी उनका साथ देगी। हालांकि, जब ज़िंदगी ने सबसे कठिन मोड़ लिया और एडवांस स्टेज के कैंसर ने उनकी सांसों को गिनती में बदल दिया, उस वक्त बीमा कंपनी ने अपना असली चेहरा दिखाया। ऐसे में अब बीमा कंपनी के खिलाफ संतोष कुमार ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। याचिकाकर्ता जो दिल्ली के राजीव गांधी कैंसर संस्थान में एडवांस स्टेज ओरल कैंसर से जूझ रहे हैं। जैसे-तैसे अपनी पॉलिसी के तहत दावा किया, लेकिन केयर हेल्थ इंश्योरेंस लिमिटेड ने दावा खारिज कर दिया यह कहकर कि वह तंबाकू सेवन करते हैं। जबकि मेडिकल रिकॉर्ड साफ कहते हैं: फेफड़े साफ, कोई नशे की आदत नहीं। याचिकाकर्ता का आरोप है कि बीमा कंपनी ने जानबूझकर व्यक्तिगत आदत का झूठा हवाला देकर दावा खारिज किया। वे कहते हैं बीमा लिया था ताकि बेटी की पढ़ाई के बाद मैं अपना इलाज करा सकूं। आज इलाज रुक गया है, लेकिन बीमा कंपनी की असंवेदनशीलता नहीं।

बीमा कंपनी की टालमटोल पर हाई कोर्ट भड़का

दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान जब बीमा कंपनी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, तो जस्टिस सचिन दत्ता भड़क उठे। उन्होंने कहा एक व्यक्ति मर रहा है और आप जवाब दाखिल करने के लिए वक्त मांग रहे हैं। अगली सुनवाई पर कंपनी के एमडी को खुद पेश होना होगा। याचिकाकर्ता को डॉक्टरों ने 35 साइकल की कीमोथेरेपी और इम्यूनोथेरेपी की सलाह दी है। इलाज में अब तक 20 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं, और आगे की दवा की लागत प्रति डोज़ 3.18 लाख है वह अब केवल तरल भोजन ले सकते हैं, बात करने में दिक्कत है, और सांस लेने के लिए जल्द ही ट्रेकियोस्टॉमी की ज़रूरत पड़ेगी। याचिकाकर्ता ने बीमा नियामक संस्था आईआरडीएआई से भी गुहार लगाई थी, लेकिन उन्हें वहां से कोई राहत नहीं मिली। याचिका में कहा गया कि अगर आईआरडीएआई ने समय पर कार्रवाई की होती, तो उनकी जान बचाने की उम्मीद अब भी होती। याचिकाकर्ता ने अदालत से मांग की है कि 20.81 लाख की क्लेम राशि तुरंत मंज़ूर की जाए और 10 लाख मुआवज़ा दिया जाए, ताकि वे कम से कम सम्मानपूर्वक इलाज करवा सकें। साथ ही, उन्होंने पूरे देश के मरीजों के लिए कैशलेस बीमा प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की मांग की है।

कोलकाता के जिस होटल में आग लगने से 14 लोगों की जान गई उसका मालिक और मैनेजर गिरफ्तार

कोलकाता, 1 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सेंट्रल कोलकाता के जिस होटल में भीषण आग लगने से 14 लोगों की मौत हुई थी, उसके मालिक और मैनेजर को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि रितुराज होटल के मालिक आकाश चावला और मैनेजर गौरव कपूर को सुबह हिरासत में लिया गया। जोरासांको पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं 105 (गैर इरादतन हत्या) और पश्चिम बंगाल अग्निशमन सेवा अधिनियम के तहत स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि होटल से बरामद 14 शवों में से 12 की पहचान कर ली गई है।

पहलगाम हमले पर फारूक अब्दुल्ला का बड़ा बयान

'मुसलमानों को खत्म कर देना चाहिए, ये पहले से ही नैरेटिव चल रहा है'

जम्मू, 1 मई (एजेंसियां)। कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने पहलगाम आतंकी हमले पर फिर से बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 'पहलगाम की घटना बहुत दर्दनाक है। मेरा मानना है कि जो भी इंसानियत को जानता है, वो इस बात से सहमत होगा कि ऐसा होना चाहिए। सबसे ज्यादा नुकसान जम्मू-कश्मीर के लोगों को हो रहा है।' फारूक अब्दुल्ला ने आगे कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि ये सुरक्षा चूक है, खुफिया चूक है। उन्हें ये पसंद नहीं आया होगा कि हमारे लोग अच्छा कर रहे हैं, हमारे लोगों ने प्रोपेगैंडा फैलाया कि इतने लोग आ रहे हैं, ये हो रहा है, वो हो रहा है, उन्होंने इसे तोड़ने के लिए ऐसा किया, लेकिन ये सिर्फ इंसानियत पर हमला नहीं है बल्कि मुसलमानों पर इसका क्या असर होगा। अब्दुल्ला ने कहा, पहले से ही नैरेटिव चल रहा है कि मुसलमानों को खत्म कर देना चाहिए, ये उन राज्यों में था, जहां बीजेपी सत्ता में है, हम इसका मुकाबला कर रहे थे।

पाकिस्तान दुश्मनी चाहता है तो हम तैयार- फारूक अब्दुल्ला

इससे पहले जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि अगर पाकिस्तान दुश्मनी चाहता है तो हम तैयार हैं। हम लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूरा समर्थन देने की बात कही है, इसके बाद हमारे साथ कोई सवाल नहीं होना चाहिए। पीएम मोदी जो करना चाहें, वो करें। वहीं पाकिस्तान की तरफ से न्यूक्लियर हमले की धमकी देने के सवाल पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा, हमारे पास भी न्यूक्लियर पावर है, उनसे पहले है। जब मैं अटल बिहारी वाजपेयी के साथ पोखरण गया था, तो उन्होंने कहा था कि हम कभी भी इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे। जब तक कोई और हम पर पहला हमला नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान ने कभी भी पहले आक्रमण नहीं किया है। हमेशा वहीं से हुआ है और हमने उसका जवाब दिया है। आज भी हम इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे, लेकिन अगर वे इसका इस्तेमाल करते हैं, तो हमारे पास भी यह है। भगवान करे कि ऐसी बात न आए।

सांबा में 29 हज यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम 4 मई को दिल्ली से जेद्दाह होंगे रवाना

सांबा, 1 मई (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर के सांबा जिला के डिप्टी कमिश्नर राजेश शर्मा ने 29 हज यात्रियों के एक समूह को मक्का की यात्रा के लिए रवाना किया। ध्वजारोहण समारोह डीसी ऑफिस कॉम्प्लेक्स, सांबा में प्रार्थनाओं और शुभकामनाओं से भरे आध्यात्मिक रूप से उत्थानशील माहौल में हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला समाज कल्याण कार्यालय द्वारा किया गया था, जो तीर्थयात्रियों के लिए व्यवस्था और मार्गदर्शन में सक्रिय रूप से सहायता कर रहा है। तीर्थयात्री 4 मई, 2025 को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, नई दिल्ली से जेद्दा के लिए रवाना होंगे। यात्रियों से बातचीत करते हुए, डीसी राजेश शर्मा ने एक सुरक्षित, सुचारू और आध्यात्मिक रूप से पूर्ण तीर्थयात्रा के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं।उन्होंने विश्वास, भक्ति और एकता की यात्रा के रूप में हज के महत्व पर जोर दिया और निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने के लिए समाज कल्याण विभाग के प्रयासों की सराहना की। उपायुक्त ने तीर्थयात्रियों से क्षेत्र और पूरे देश में शांति, समृद्धि और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि तीर्थयात्रियों के लिए परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रशासनिक सहायता प्रदान की गई है। दिल्ली से हज उड़ानों की पहली फ्लाइट 30 अप्रैल की रात से शुरु हो चूकी है। इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी और तीर्थयात्रियों के परिवार के सदस्य शामिल हुए।

'हर आत्महत्या में परिवार दोषी नहीं होता'

पति के सुसाइड केस में दिल्ली हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में एक आत्महत्या के मामले में सुनवाई के दौरान जो कहा, वह केवल कानून नहीं, बल्कि समाज की सोच को भी दिशा देने वाला है। कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा हर आत्महत्या के लिए किसी को दोष देना न्याय नहीं होता। दिल्ली हाई कोर्ट ने आत्महत्या के एक मामले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि पारिवारिक झगड़े या मानसिक तनाव अपने आप में आत्महत्या के लिए उकसावे का आधार नहीं बनते। कोर्ट ने कहा कि जब तक किसी व्यक्ति को सक्रिय रूप से आत्महत्या के लिए उकसाया न गया हो, साजिश न रची गई हो या जान बूझकर मदद न की गई हो, तब तक उसे आत्महत्या के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह टिप्पणी जस्टिस रविंदर डूडेजा ने उस वक्त की जब उन्होंने एक व्यक्ति और उसकी पत्नी को अग्रिम जमानत दी। दोनों पर आरोप था कि उनके कारण महिला के पति ने ज़हर खाकर आत्महत्या कर ली थी।

पीड़ित पक्ष ने लगाया आरोप

मामले में मृतक की पत्नी ने पहले पति के खिलाफ अप्राकृतिक यौन संबंध का मामला दर्ज कराया था। इसके बाद पति ने आत्महत्या कर ली और आरोपियों के खिलाफ एक व्हाट्सएप संदेश और सुसाइड नोट छोड़ा, जिसमें उन्हें जिम्मेदार ठहराया गया। अभियोजन पक्ष ने इन्हीं तथ्यों के आधार पर दोनों की जमानत का विरोध किया। हालांकि याचिकाकर्ताओं ने अदालत के सामने मृतक की मानसिक स्थिति से जुड़े कई मेडिकल दस्तावेज रखे, जिनमें दिखाया गया कि वह डिप्रेशन, बायपोलर डिसऑर्डर और आत्मघाती प्रवृत्ति से पीड़ित था। साथ ही, कोर्ट में पेश किए गए ऑडियो रिकॉर्डिंग के ट्रांसक्रिप्ट में यह भी सामने आया कि मृतक आरोपियों को गालियां देता था और उन्हें फंसाने की धमकी देता था।

हर आत्महत्या का मामला, उकसावे का केस नहीं होता - हाई कोर्ट

दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हर आत्महत्या का मामला, उकसावे का मामला नहीं होता। ऐसे मामलों में यह देखा जाना जरूरी है कि क्या आरोपी का व्यवहार ऐसा था कि कोई सामान्य व्यक्ति आत्महत्या जैसा कदम उठाता। केवल सुसाइड नोट में किसी का नाम होना पर्याप्त नहीं है, जब तक कि उकसावे के ठोस और प्रत्यक्ष प्रमाण न हों। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने दोनों आरोपियों को अग्रिम जमानत प्रदान कर दी।

अजित पवार का पहलगाम हमले पर बड़ा बयान 'लोगों को लगता है जवाबी कार्रवाई होनी चाहिए

मुंबई, 1 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर एक बार फिर से बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि पहलगाम में हुआ हमला बेहद दुखद था और केंद्र और राज्य सरकारें लगातार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही हैं कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में महाराष्ट्र के छह लोगों की जान चली गई। अजित पवार ने आगे कहा, हमने पिछली कैबिनेट मीटिंग में कुछ फैसले लिए, जिसमें वित्तीय सहायता और रोजगार सहायता शामिल है। हम समझते हैं कि जो लोग चले गए हैं, वे वापस नहीं आएंगे, लेकिन महाराष्ट्र सरकार प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है, यही वजह है कि यह निर्णय लिया गया है। एनसीपी प्रमुख ने कहा, इस घटना को लेकर राष्ट्रीय स्तर और जम्मू-कश्मीर दोनों जगह कई कदम उठाए जा रहे हैं। देश भर के लोगों को लगता है कि जवाब में कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन हर पहलू पर शांतिपूर्ण तरीके से सावधानीपूर्वक विचार किया जा रहा है। दिल्ली में प्रधानमंत्री के स्तर पर ऐसे सभी प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 23 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीएस) की बैठक हुई थी, जिसमें आतंकी हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई पहली सीसीएस बैठक में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए। इनमें सिंधु जल समझौते को निलंबित करना, अटारी सीमा को बंद करना, पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करना, उनके कई यूट्यूब चैनल और एक्स हैंडल पर पाबंदी लगाना शामिल है।

जातीय जनगणना पर सियासत गरमाई

संजय राऊत बोले- 'सरकार मोदी की, सिस्टम राहुल का'

मुंबई, 1 मई (एजेंसियां)। जातिगत जनगणना को लेकर एक बार फिर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना पर लिए गए हालिया निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राऊत ने राहुल गांधी की भूमिका को निर्णायक बताते हुए कहा कि, "सरकार मोदी की हो सकती है, लेकिन इस समय सिस्टम राहुल का चल रहा है।" राऊत ने कहा कि राहुल गांधी ने बीते दस वर्षों से लगातार जातिगत जनगणना की मांग की है, जिसे उन्होंने संसद से लेकर सड़कों तक उठाया। उन्होंने याद दिलाया कि संसद में दिए गए राहुल गांधी के भाषणों में सामाजिक न्याय और प्रतिनिधित्व का विषय बार-बार प्रमुखता से उठता रहा है।

भाजपा पर निशाना, अनुराग ठाकुर के बयान का हवाला

संजय राऊत ने भाजपा नेताओं पर इस मुद्दे पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता अनुराग ठाकुर द्वारा राहुल गांधी को लेकर संसद में की गई अपमानजनक टिप्पणी इस बात का प्रमाण है कि भाजपा ने जातिगत जनगणना का खुला विरोध किया था। राऊत ने तंज कसते हुए पूछा, "जब यह मुद्दा इतने वर्षों से उठता रहा है, तब क्या सरकार के कान में रुई ठूंसी थी?" उन्होंने यह भी कहा कि यदि आज सरकार ने जनगणना को लेकर निर्णय लिया है, तो यह बहुजन, दलित, ओबीसी और शोषित वर्गों की जीत है- लेकिन इस जनजागरण का श्रेय देश की जनता और राहुल गांधी को दिया जाना चाहिए।

संजय राऊत क्या बोले?

संजय राऊत ने इस फैसले के समय पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह निर्णय ऐसे समय में आया जब देश पहलगाम हमले जैसी बड़ी त्रासदी से जूझ रहा है और यह मुमकिन है कि सरकार ने ध्यान भटकाने की रणनीति के तहत इस मुद्दे को आगे बढ़ाया हो। उन्होंने कहा कि सरकार को अगर सच में सामाजिक न्याय की चिंता होती, तो वह जातिगत गणना को अब तक पूरा कर चुकी होती। लेकिन चूंकि अब यह मुद्दा राजनीतिक दबाव में आया है, इसलिए उसे मूल्यांकन और श्रेय का दावा करने का अधिकार नहीं है।

11 साल के बच्चे को भगा ले गई 23 साल की महिला टीचर, 4 राज्यों में घूमे, पुलिस ने ऐसे किया ट्रेस

सूरत, 1 मई (एजेंसियां)। गुजरात में सूरत की 23 साल की एक महिला टीचर ने कथित तौर पर अपने 11 साल के स्टूडेंट का अपहरण कर लिया और दोनों चार राज्यों की लंबी यात्रा पर निकल पड़े। पुलिस ने तड़के राजस्थान सीमा के पास से उन्हें गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि स्टूडेंट और उसकी ट्यूशन टीचर को उनके परिजनों ने डांटा था, जिससे नाराज़ होकर वे साथ घर छोड़कर निकल पड़े। पुलिस उनके आपसी संबंधों की प्रकृति की जांच कर रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों एक ही इलाके में रहते थे और पिछले दो से तीन साल से एक-दूसरे को जानते थे। स्टूडेंट 25 अप्रैल को लापता हो गया था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में वह स्टूडेंट अपनी टीचर के साथ जाते हुए नजर आया। उन्होंने बताया कि दोनों वृंदावन और जयपुर जाने से पहले सूरत से दिल्ली आये थे। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) भागीरथ गढ़वी ने कहा, "वे दोनों एक नया स्थान तलाश रहे थे और गुजरात लौट रहे थे, तभी पुलिस ने राजस्थान सीमा के पास एक निजी बस में टीचर को ट्रेस किया, जो सूरत से करीब 390 किलोमीटर दूर था। उन्हें तड़के पकड़कर सूरत लाया गया।" लड़के ने पुलिस को बताया कि पढ़ाई को लेकर डांट खाने के बाद उसने अपने माता-पिता को छोड़ने का फैसला किया, जबकि टीचर ने दावा किया कि काम को लेकर उसे डांटा गया था। पुलिस स्टूडेंट की उम्र का सत्यापन कर रही है, क्योंकि उन्हें संदेह है कि वह 11 साल से बड़ा हो सकता है। पुलिस उनके बीच के संबंध की भी जांच कर रही है। गढ़वी ने बताया कि स्टूडेंट के पिता ने टीचर पर अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसके बाद पुलिस ने मानव और तकनीकी निगरानी की मदद से टीचर का पता लगाया।

क्या भाजपा का साथ छोड़ेंगे दिलीप घोष

अटकलों की वजह ममता से मुलाकात, सामने आई अंतर्कलह

कोलकाता, 1 मई (एजेंसियां)। क्या पश्चिम बंगाल भाजपा में कोई अंतर्कलह मची हुई है और क्या राज्य में पार्टी के सबसे बड़े चेहरों में से एक दिलीप घोष विधानसभा चुनाव के पहले पार्टी का साथ छोड़ देंगे? यदि ऐसा होता है तो मुकुल रॉय, बाबुल सुप्रियो, तापसी मंडल, सिरिया परवीन और सुनील सिंह के बाद वे बड़े नेता होंगे, जो भाजपा का साथ छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो जाएंगे। यह भाजपा के लिए बड़ा झटका होगा। दिलीप घोष के बारे में यह चर्चा तब शुरू हुई जब अक्षय तृतीया के दिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के द्वारा दीघा में जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह के अवसर पर वे अपनी नई नवेली पत्नी के साथ पहुंचे। उन्होंने ममता बनर्जी से व्यक्तिगत मुलाकात भी की। इसके बाद ही पश्चिम बंगाल का सियासी पारा गरम हो गया और इस बात की अटकलें लगाई जाने लगीं कि दिलीप घोष अपनी पत्नी के साथ भाजपा का साथ छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। स्वयं दिलीप घोष ने इन खबरों को पूरी तरह बेबुनियाद और अफवाह बताया है। उन्होंने कहा कि एक मंदिर के प्रांगण में प्रवेश से पहले निजी विचारों की भिन्नता को बाहर रख दिया जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और शुभेंदु अधिकारी ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। शुभेंदु अधिकारी ने इसे उनका निजी जीवन बताते हुए इस पर टिप्पणी करने से मना कर दिया। पश्चिम बंगाल भाजपा के सूत्र बताते हैं कि मामला इतना सीधा-साधा नहीं है। दरअसल, जब से भाजपा ने दिलीप घोष को पार्टी के अध्यक्ष पद से हटाया है, तभी से वे पार्टी से नाराज चल रहे हैं।

इसके बाद पिछले लोकसभा चुनाव में टिकट बंटवारे में भी उनकी उपेक्षा की गई। पिछले कुछ समय में भी जब-जब पार्टी ने कोई बड़ा कार्यक्रम रखा, घोष ने उससे दूरी बनाए रखी है। वे ममता पर हमला करने में आगे अवश्य रहे, लेकिन शुभेंदु अधिकारी और सुकांत मजूमदार के कार्यक्रमों से दूर रहे। संभवतः यही कारण है कि अब विधानसभा चुनाव से पहले वे पार्टी से अलग लाइन पकड़ते हुए नजर आ रहे हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र — परमात्मा गुणों के सागर हैं, यदि आप किसी विकार की अग्नि में जल रहे हैं तो उस सागर में डुबकी लगाइये

दुनिया का विकास श्रमिकों की कड़ी मेहनत और पसीने का परिणाम : मुख्यमंत्री

> तेलंगाना की उपलब्धि में सिंगरेणी, आरटीसी, बिजली कर्मचारियों व श्रमिकों की भूमिका उल्लेखनीय

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रवींद्र भारती में मई दिवस समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि दुनिया का विकास श्रमिकों की कड़ी मेहनत और पसीने का परिणाम है। श्रमिकों द्वारा शुरू किए गए क्रांतिकारी आंदोलन दुनिया में हमेशा महत्वपूर्ण रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना की उपलब्धि में सिंगरेणी, आरटीसी, बिजली कर्मचारियों और असंगठित श्रमिकों की भूमिका उल्लेखनीय है। राज्य में श्रमिकों को समर्थन देने के लिए योजनाओं की परिकल्पना करके जनता की सरकार आगे बढ़ रही है। सभी के समर्थन से बेरोजगारी की समस्या को हल करने में तेलंगाना देश में सबसे आगे है। सिंगरेनी के मुनाफे का हिस्सा और श्रमिकों को बोनस देने का श्रेय जनता की सरकार को जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में लापरवाही के कारण बिजली आपूर्ति प्रणाली ध्वस्त हो गई। हम योजनाबद्ध तरीके से घाटे को रोककर आगे बढ़ रहे हैं।

आरटीसी में अनुकंपा नियुक्तियां की गई हैं और सरकार लगातार श्रमिकों के कल्याण के लिए काम कर रही है। हमारी सरकार की नीति श्रमिकों का भला करना है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए गिग वर्कर नीति जल्द ही लागू की जाएगी। पिछली सरकार ने श्रमिकों के साथ भेदभाव किया। बीआरएस सरकार ने आरटीसी श्रमिकों की हड़ताल को दबाया और 50 श्रमिकों की मौत हो गई। सरकार जल्द ही आरटीसी श्रमिकों की हड़ताल पर बातचीत करेगी। आरटीसी श्रमिकों से हड़ताल वापस लेने की अपील की। अब टीजीआरटीसी मुनाफा कमा रही है। आरटीसी की सुरक्षा की जिम्मेदारी श्रमिकों की है। पिछले 10 वर्षों में तेलंगाना ने विनाश देखा है। पिछले शासकों ने ठेकेदारों को 50,000 करोड़ रुपये का बिल लंबित छोड़ दिया और अन्य विभागों में 1.20 लाख करोड़ रुपये लंबित हैं। सरपंचों के लंबे समय से लंबित बकाए के लिए भी पिछली सरकार जिम्मेदार है। पिछली सरकार ने कांग्रेस सरकार पर 8.29 लाख करोड़ रुपये का कर्ज का बोझ डाला। एक लाख करोड़ रुपये का कलेश्वरम सिर्फ तीन साल में ढह गया। पिछले दस वर्षों में राज्य में वित्तीय शोषण हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 15 महीनों से मंत्री और मैं रातों की नींद हराम कर रहे हैं।

आरटीसी कर्मचारियों से अपील है कि वे हड़ताल वापस लें और हड़ताल में शामिल हों तथा मंत्री से बातचीत करें। आरटीसी कर्मचारियों को सारी आय देने के लिए तैयार हैं और आप सुझाव दें कि इस पैसे को कैसे खर्च किया जाए। सरकार एक भी रुपया नहीं लेगी और आरटीसी कर्मचारियों के कल्याण के लिए सारा पैसा खर्च करने के लिए तैयार है। राज्य की वित्तीय स्थिति बहुत खराब है और कर्मचारियों से अपील है कि वे इस बारे में एक पल के लिए सोचें। भले ही मैं मुश्किलों का सामना कर रहा था, लेकिन लोगों को सारी जानकारी देने की जिम्मेदारी मेरी थी। हड़ताल का आह्वान राज्य को बर्बाद कर देगा। आरटीसी कर्मचारी हमारे परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति अच्छी है और अगले साल तक यह ठीक हो जाएगी। 10 साल में राज्य के लिए कुछ नहीं करने वाले नेताओं के जाल में न फंसें। उनके जहरीले जाल में न फंसें। केसीआर द्वारा दिए गए जख्मों को लोग आज भी नहीं भूले हैं। केसीआर द्वारा विधानसभा में भेजे गए नेता मजाक उड़ा रहे हैं। केसीआर ने दलित को सीएम बनाने का वादा किया था, लेकिन विफल रहे। विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में बीआरएस से दलित नेता को मौका दें। पाखंड का मास्टरमाइंड फिर से सामने आ गया है। लोगों को सावधान रहना चाहिए।

सीएम की आरटीसी कर्मचारियों से अपील

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि आरटीसी कर्मचारियों से अपील है कि वे सरकार पर भरोसा रखें और मैं आपके साथ खड़ा रहूंगा। गिग वर्कर्स पॉलिसी देश के लिए एक आदर्श होगी। तेलंगाना के उत्थान को कोई नहीं रोक सकता। आरटीसी हाल ही में मुनाफा कमा रहा है। आरटीसी की सुरक्षा की जिम्मेदारी आरटीसी कर्मचारियों की है। पिछले 10 सालों में विनाश हुआ है। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान राज्य में वित्तीय शोषण हुआ है। आरटीसी कर्मचारियों को बहस में नहीं पड़ना चाहिए। कर्मचारियों को अपनी समस्याओं पर मंत्री से चर्चा करनी चाहिए। हम सारी आय आपके हाथों में देंगे और आरटीसी कर्मचारी सुझाव दें कि इसे कैसे खर्च किया जाए।

मैं एक भी रुपया नहीं लूंगा और इसे केवल आरटीसी कर्मचारियों के कल्याण के लिए खर्च करूंगा। राज्य की वित्तीय स्थिति अच्छी नहीं है और आरटीसी कर्मचारियों को एक बार इस बारे में सोचना चाहिए। भले ही यह मुश्किल हो, लेकिन हर विवरण का खुलासा करना मेरी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हड़ताल का राज्य पर बुरा असर पड़ेगा। राज्य धीरे-धीरे वित्तीय संकट से उबर रहा है और अगले साल तक यह पटरी पर आ जाएगा। आरटीसी कर्मचारियों से अपील है कि वे बीआरएस नेताओं के जाल में न फंसें जिन्होंने 10 साल तक कुछ नहीं किया। मुझ पर भरोसा करें और मैं आरटीसी कर्मचारियों के साथ खड़ा रहूंगा।

सभी को स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाना चाहिए : सीपी सुधीर बाबू

> पुलिस आयुक्तालय कार्यालय में मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय और राचकोंडा सुरक्षा परिषद के सहयोग से मलकाजगिरी अंचल के नेरडमेट पुलिस आयुक्तालय कार्यालय में एक मेगा स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। राचकोंडा आयुक्त एवं आरकेएससी अध्यक्ष जी. सुधीर बाबू के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में 300 से अधिक लोगों ने चिकित्सा सेवाएं प्राप्त कीं।

इसके बाद राचकोंडा सीपी ने कहा, सभी को स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाना चाहिए। सभी को स्वास्थ्य पर ध्यान देने और स्वस्थ रहने की सलाह दी जाती है। इस स्वास्थ्य शिविर में मैमोग्राफी, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग और मौखिक कैंसर स्क्रीनिंग सहित विभिन्न कैंसर स्क्रीनिंग परीक्षण के साथ-साथ एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड स्कैनिंग की सुविधा भी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, सोलिस आई केयर हॉस्पिटल्स ने डिजिटल निःशुल्क नेत्र जांच की सुविधा प्रदान की, जबकि सौजन्या डेंटल केयर हॉस्पिटल्स ने दंत चिकित्सा देखभाल के लिए आवश्यक उपकरण और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया। डॉ.के. कल्पना रघुनाथ ने कैंसर का शीघ्र पता लगाने, इसकी रोकथाम, उपचार और जीवनशैली में बदलाव पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मलकाजगिरी डीसीपी पद्मजा, एलबी नगर डीसीपी प्रवीण कुमार, डीसीपी क्राइम अरविंद बाबू, महिला सुरक्षा डीसीपी उषा विश्वनाथ, डीसीपी एडमिन इंदिरा, डीसीपी साइबर क्राइम नागलक्ष्मी, महिला मंच की संयुक्त सचिव राधिका नाथ, आरकेएससी की मुख्य समन्वयक सावित्री और अन्य ने भाग लिया।

कुख्यात साइबर अपराधी शेख मुनवर बाशा गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के ताडेपल्लीगुडेम निवासी शेख मुनवर बाशा को पश्चिमी क्षेत्र के जोनल साइबर सेल की सहायता से बंजारा हिल्स पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। सिम प्रमोटर और फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करने वाले आरोपी को फर्जी पते पर पंजीकृत सिम कार्ड का दुरूपयोग करते हुए और उसे आवंटित डेमो सिम का उपयोग करते हुए पाया गया। मुनवर बाशा अन्य साइबर अपराधियों के साथ मिलीभगत करके साइबर अपराध गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था। ये व्यक्ति विभिन्न साइबर धोखाधड़ी करने के लिए खच्चर सिम कार्ड का उपयोग करते थे, विशेष रूप से ओएलएक्स उपयोगकर्ताओं को लक्षित करते थे। आरोपी आईफोन मोबाइल से संबंधित वास्तविक विज्ञापनों की खोज करता था, सामग्री की नकल करता था और उसे अपने रूप में फिर से पोस्ट करता था। जब संभावित खरीदार उसके धोखाधड़ी वाले विज्ञापन पर प्रतिक्रिया देते थे, तो मुनवर और उसके सहयोगी फोन पर समन्वय करते थे, खरीदार और वास्तविक विक्रेता दोनों को एक सामान्य स्थान पर निर्देशित करते थे। उन्हें धोखा देते हुए उनके रिश्तेदार भाई और चाचा बनकर उनसे मोबाइल फोन दिखाने/फोन खरीदने के लिए मिलते थे। ऑनलाइन भुगतान प्राप्त करने के बाद, वे मोबाइल फोन बंद कर देते थे और गायब हो जाते थे, जिससे पीड़ित ठगे जाते थे। आरोपी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के जुड़वां राज्यों में तीन अलग-अलग मोबाइल नंबरों का उपयोग करते हुए 14 ऐसे मामलों में शामिल है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हत्या के मामले में 3 लोगों को आजीवन कारावास की सजा

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने राजेंद्रनगर में एक हत्या के मामले में शामिल तीन लोगों को दोषी करार देते हुए सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई तथा उन पर जुर्माना भी लगाया। मोहम्मद गौस उर्फ खूनी गौस, जिनके खिलाफ 28 मामले दर्ज हैं, मोहम्मद शोएब और मोहम्मद नसीरुद्दीन नामक तीनों ने व्यक्तिगत मुद्दे पर चिंतलमेट के मोहम्मद सरवर नामक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। पुलिस ने गौस, शोएब और नसीरुद्दीन को गिरफ्तार किया था और सुनवाई के बाद अदालत ने तीनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

जीएचएमसी आयुक्त ने एलबी नगर जोन में विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे आगामी मानसून के मौसम में निचले इलाकों में बाढ़ आने से रोकने के लिए वर्षा जल निकासी कार्यों और सभी अधूरे नाली विकास कार्यों को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं। गुरुवार को आयुक्त एलबी नागर ने जोनल आयुक्त हेमंत केशव पाटिल के साथ कार्य का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आयुक्त नागोले ने साई नगर से आरटीओ कार्यालय तक लगभग 350 मीटर स्टॉर्म वाटर बॉक्स ड्रेन के काम, उप्पल एसआरडीपी राष्ट्रीय राजमार्ग फ्लाईओवर के काम और बैरमलगुडा फ्लाईओवर के नीचे ब्लॉक में विभिन्न खेलों को बढ़ावा देने के लिए किए गए कामों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने इंजीनियरिंग अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अगले मानसून सीजन से पहले एलबी नगर क्षेत्र में निचले इलाकों में बाढ़ को रोकने के लिए एसएनडीपी द्वारा किए गए तूफानी जल निकासी और नालियों के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं।

उन्हें सलाह दी गई कि इस संबंध में किसी भी समस्या के बारे में उन्हें सूचित करें। आयुक्त ने सुझाव दिया कि बैरमलगुडा फ्लाईओवर के अंतर्गत ब्लॉक में खेलों को बढ़ावा देने के लिए 6 ब्लॉकों में किए जाने वाले कार्यों की जांच की जानी चाहिए और काम को इस तरह से किया जाना चाहिए जो खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद हो। नागोले साईं नगर से आरटीओ कार्यालय तक 350 मीटर की दूरी के लिए किए गए तूफान जल निकासी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। जब आयुक्त ईई रमेश बाबू से पूछा गया कि स्टॉर्म वाटर के निर्माण से कितनी कॉलोनियों को लाभ होगा, तो उन्होंने आयुक्त को बताया कि लगभग 5 कॉलोनियों में बाढ़ को रोका जा सकेगा। जब आयुक्त ई.ई. से पूछा गया कि इसे पूरा होने में कितना समय लगेगा, तो उन्होंने बताया कि यह एक महीने के भीतर पूरा हो जाएगा। आयुक्त ने कार्यकारी अभियंता को अगले मानसून सत्र तक इसे पूरा करने का आदेश दिया है। जोनल कमिश्नर को निर्देश दिए गए कि वे बॉक्स ड्रेन और नाला जैसे सभी अधूरे विकास कार्यों को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं। इसके बाद, आयुक्त ने उप्पल चौराहे पर एसआरडीपी फ्लाईओवर और नरपल्ली सीपीआरआई तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर किए गए कार्यों का भी निरीक्षण किया।

जब जोनल कमिश्नर से एसआरडीपी कार्य पूरा न होने का कारण पूछा गया तो जोनल कमिश्नर ने कहा... उन्होंने कमिश्नर को बताया कि सरकार की मंजूरी मिलते ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा क्योंकि फ्लाईओवर के कार्य में भिन्नता के कारण सरकार को इसकी सूचना दी गई थी। कमिश्नर के साथ जोनल कमिश्नर हेमंत केशव पाटिल, हयातनगर और उप्पल के डिप्टी कमिश्नर टिपार्थी यादया, अंजनेयुलु, इंजीनियरिंग मेंटेनेंस इंजीनियर कार्तिक और रमेश बाबू और अन्य लोग थे।

केटीआर ऑक्सफोर्ड इंडिया फोरम 2025 में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटी रामाराव को 20 और 21 जून को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित कार्यक्रम ऑक्सफोर्ड इंडिया फोरम 2025 में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। यूरोप में भारत पर केन्द्रित सबसे बड़ा आयोजन, यह फोरम इस वर्ष भारत के विकास के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी विषय पर केन्द्रित होगा। यह आयोजन वैश्विक छात्रों, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किस प्रकार अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी भारत में सतत प्रगति को गति दे सकती है।

ऑक्सफोर्ड इंडिया फोरम के संस्थापक सिद्धार्थ सेठी ने कहा कि तेलंगाना में उनके प्रभावशाली नेतृत्व और अग्रणी नीतिगत कार्य के कारण रामा राव को अपनी अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा, शासन में केटी रामाराव के अनुभव और तकनीक-संचालित विकास के प्रति उनका दृष्टिकोण संवाद को समृद्ध करेगा। उनकी भागीदारी छात्रों और प्रतिनिधियों को भारत की विकास यात्रा में सक्रिय योगदानकर्ता बनने के लिए प्रेरित करेगी। पूर्व आईटी मंत्री से भारत के विकास की रूपरेखा बताने की उम्मीद है, जिसमें तेलंगाना के नवाचार-आधारित शासन मॉडल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उनके संबोधन में वैश्विक निवेश को आकर्षित करने, दूरदर्शी औद्योगिक नीतियों को लागू करने और सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के राज्य के प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत की क्षमता को प्रदर्शित करके तथा उसे वैश्विक नवाचार भागीदार के रूप में स्थापित करके प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और सार्वजनिक नीति में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। आयोजकों के अनुसार, रामा राव की उपस्थिति प्रौद्योगिकी के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की उभरती हुई नेतृत्वकारी भूमिका को उजागर करने में मदद करेगी।

कमिश्नर की टास्क फोर्स ने दोमलगुडा में क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का किया भंडाफोड़

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स (केंद्रीय) की टीम ने दोमलगुडा में एक घर से संचालित क्रिकेट सट्टा रैकेट का भंडाफोड़ किया और दो सट्टेबाजों सहित तीन लोगों को पकड़ा। पुलिस ने 1.20 लाख रुपये नकद और तीन मोबाइल फोन जब्त किए।

पकड़े गए लोगों में मुख्य सट्टेबाज ऑटोमोबाइल डीलर श्रीराज बूब (42), उप सट्टेबाज होंडमाने साईनाथ (32) और पंटर एवं कलेक्शन एजेंट रेगल्ला गोपीनाथ (29) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, श्रीराज अपने साथियों के साथ मिलकर आईपीएल मैचों पर क्रिकेट सट्टा लगा रहा था और प्रतिभागियों से पैसे इकट्ठा कर रहा था। सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर उन्हें पकड़ लिया।

आर्ट डेको शैली के 100 साल पूरे होने का मना जश्न

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजभवन, हैदराबाद ने आर्किटेक्चर एंड डिजाइन फाउंडेशन (इंडिया) के सहयोग से राजभवन के दरबार हॉल में आर्ट डेको शैली की वास्तुकला के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। राजभवन को पसंदीदा स्थल के रूप में चुना गया, क्योंकि राज्यपाल का निवास स्वयं आर्ट डेको शैली में वास्तुकार एरिक मैरेट द्वारा डिजाइन किया गया है और इसका निर्माण 1936 में हुआ था।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने साल भर चलने वाले समारोह के लिए एक विशेष लोगो प्रतीक जारी करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रतीक मुख्य भवन की भव्य सीढ़ी को दर्शाता है- जो राज्यपाल का आधिकारिक निवास है। इसके बाद वास्तुकार श्रीनिवास मूर्ति द्वारा दो प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें राजभवन और शहर की अन्य आर्ट डेको इमारतों की वास्तुकला को प्रदर्शित किया गया।

मुख्य भाषण मुम्बई स्थित वास्तुकार आभा नारायण लांबा ने दिया, जिसमें उन्होंने मुम्बई के आर्ट डेको परिसर का दस्तावेजीकरण करते हुए अपने कार्य को प्रस्तुत किया, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित विश्व धरोहर सूची में शामिल होने में मदद मिली। राज्यपाल ने ऐसी स्थापत्य शैलियों के विवरण और महत्व को दस्तावेजित करने में फाउंडेशन और आभा द्वारा किए गए कार्य की सराहना की तथा समृद्धि के लिए ऐसी इमारतों और परिसरों को संरक्षित और सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

ऐप के माध्यम से खाद्य उत्पाद लेबल पर भ्रामक दावों की करें रिपोर्ट

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को अपनी नाखुशी की रिपोर्ट करने का एक नया और सीधा तरीका है, जिस तरह से कुछ खाद्य उत्पादों को उनके लेबल पर भ्रामक दावे करके बेचा जाता है। खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने ऐसे उत्पादों की रिपोर्ट करने के लिए फूड सेफ्टी कनेक्ट मोबाइल एप्लिकेशन या फूड सेफ्टी कंप्लायंस सिस्टम (एफओएससीओएस) लॉन्च किया है। यह टूल भ्रामक दावे को उजागर करने वाले पैक के सामने के चित्र, निर्माता का एफएसएसएआई लाइसेंस या पंजीकरण संख्या, तथा यदि उत्पाद ऑनलाइन बेचा जा रहा है तो ई-कॉमर्स यूआरएल जैसे विवरण आसानी से प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान करता है। आम जनता से प्राप्त इस तरह की जानकारी से नियामक प्राधिकरणों को गैर-अनुपालन करने वाले खाद्य व्यापार संचालकों (एफबीओ) के खिलाफ त्वरित और साक्ष्य-आधारित कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। मोबाइल एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018 और लेबलिंग और प्रदर्शन विनियम, 2020 के तहत एफएसएसएआई के नियामक ढांचे का हिस्सा है।

केंद्रीय विद्यालय पिकेट में डॉ.डी. मधुसूदन का भावभीना विदाई समारोह आयोजित

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय विद्यालय पिकेट, सिकंदराबाद में आज डॉ.डी. मधुसूदन की सेवानिवृत्ति के अवसर पर एक भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों और डॉ. मधुसूदन के परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में, पीजीटी हिंदी अनुराग सिंह ने डॉ. मधुसूदन के गुणों और विद्यालय में उनके योगदान की प्रशंसा करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने डॉ. मधुसूदन को एक समर्पित और प्रेरणादायक शिक्षक बताया, जिन्होंने हमेशा छात्रों का मार्गदर्शन किया। इसके बाद, डॉ. मधुसूदन का अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य रूपिंदर सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह और उपहार भेंट किए। इस अवसर पर डॉ. मधुसूदन के साथ उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे, जिससे माहौल और भी भावुक हो गया। कार्यक्रम में एल.के. सूरा, अपर्णा, राजेंद्रन, सिरिशा, नागालक्ष्मी आदि ने विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री को बधाई देने वालों का तांता लगा रहा

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को बधाईयों देने वालों का तांता लगा रहा। मंत्री पोन्नम प्रभाकर और सलाहकार के. केशव राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स आवास पर मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर पूर्व सांसद वीएच, अंजन कुमार यादव, मधु याशकी, सांसद, कांग्रेस बीसी विधायक और निगम अध्यक्ष बीसी एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जजुला श्रीनिवास गौड़ और बीसी एसोसिएशन के नेताओं ने मुख्यमंत्री को बधाई दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा जाति जनगणना को मंजूरी दिए जाने के बाद पिछड़ा वर्ग नेताओं ने मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना की।

विदेश से लौटे पति को लेने जा रही पत्नी की मौत

बाराबंकी, 1 मई (एजेंसियां)। कुवैत से लौटे पति को लखनऊ एयरपोर्ट से रिसीव करने जा रही पत्नी की बाराबंकी में सड़क हादसे में मौत हो गई। 6 साल के बेटे, सास और ससुर की हालत गंभीर है। परिवार बहराइच से बोलेरो से लखनऊ आ रहा था, तभी बेकाबू डंपर ने टक्कर मार दी। डंपर दीवार तोड़ते हुए सड़क किनारे घर में घुस गया। हादसे के बाद चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। घायल कार में ही फंसे हुए थे। दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला। सभी को सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने महिला और ड्राइवर को मृत घोषित कर दिया। महिला के बेटे, ससुर, सास और ननद को प्राथमिक इलाज के बाद लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। हादसा बाराबंकी जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर दलसराय के पास लखनऊ-बहराइच नेशनल हाईवे पर मंगलवार सुबह 5:30 बजे हुआ।

गंगा एक्सप्रेसवे पर कल उतरेंगे लड़ाकू विमान

वायुसेना दिखाएगी ताकत, सीएम रहेंगे मौजूद

शाहजहांपुर, 1 मई (एजेंसियां)। शाहजहांपुर जिले में पहली बार दो मई को राफेल, मिराज और जगुआर लड़ाकू विमान उतरेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही सैकड़ों लोग इसके साक्षी बनेंगे। नाइट लैंडिंग शो के कारण कटरा-जलालाबाद मार्ग दो मई को शाम सात बजे से रात दस बजे तक पूरी तरह से बंद रहेगा। इससे पहले दो मई को प्रातः 8 बजे से वायुसेना की ओर से एफएलसी प्रारंभ होगी। सुबह 9:45 बजे से 10:30 बजे तक वायुसेना के लड़ाकू विमानों द्वारा एयर शो का आयोजन किया जाएगा। जलालाबाद के गांव पीरू के पास स्थित गंगा एक्सप्रेसवे की हवाई पट्टी पर दो और तीन मई को होने वाले भारतीय वायुसेना अभ्यास की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह और एसपी राजेश द्विवेदी ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। डीएम ने निराश्रित गोवंश प्रबंधन, सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था एवं स्कूली बच्चों के लिए बैठने की व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए। धूल-मिट्टी उड़ने से रोकने के लिए पानी का छिड़काव कराने सहित अन्य व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। डीएम ने बताया कि नाइट लैंडिंग शो के कारण कटरा-जलालाबाद मार्ग दो मई को शाम सात से रात 10 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगा। लोग वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करेंगे। करीब ढाई सौ कैमरों से निगरानी की जाएगी। नाइट लैंडिंग के लिए हवाई पट्टी पर लाइटिंग की व्यवस्था की गई है।

बैठने से लेकर पार्किंग व्यवस्था तक पूरे करने के निर्देश

डीएम ने कैंप कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर वायुसेना अभ्यास की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्कूली बच्चों, एनसीसी, स्काउट गाइड और जनप्रतिनिधियों के बैठने की व्यवस्था, वाहन पार्किंग, पानी टैंकर, मोबाइल टॉयलेट, सफाई व्यवस्था पर चर्चा की। अधिकारियों को समय से सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि मुख्यमंत्री के संभावित आगमन के दृष्टिगत सभी तैयारियां गंभीरता व जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित की जाएं।

पहलगाम हमले से सीमा हैदर का नाम जोड़ने पर भड़के एपी सिंह

कहा- 'वह भारत की बहू, मीणा समाज का सम्मान'

लखनऊ, 1 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर का नाम पहलगाम हमले से जोड़ने पर उनके वकील एपी सिंह ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि सीमा हैदर ने अपने पहले पति से तलाक लेने के बाद सचिन से शादी की। इसके बाद हिंदू धर्म स्वीकार किया और फिलहाल भारतीय नागरिकता हासिल करने के लिए उसकी याचिका राष्ट्रपति के पास लंबित है। वह भारत आने के बाद अपने ससुराल के अलावा सिर्फ अस्पताल गई है। ऐसे में पहलगाम आतंकी हमले से उसका नाम जोड़ना गलत है। एपी सिंह ने यह भी बताया कि भारत आने के बाद सीमा हैदर ने हिंदू धर्म स्वीकार किया है। इससे पहले उसने नेपाल में सनातन रीति रिवाजों के अनुसार सचिन से शादी की थी।एपी सिंह ने कहा, जब वह पाकिस्तान में थी, तब उसका तलाक हो गया था। पिता की मौत के बाद उसकी दोस्ती सचिन से हुई। नेपाल में दोनों ने सनातन धर्म के अनुसार विवाह किया। भारत आने के बाद उसने विधिवत सनातन धर्म अपनाया और फिर सभी रीति-रिवाजों के साथ विवाह किया। उनकी बेटी का नाम मीरा है। सीमा के दस्तावेज एटीएस के पास हैं। सीमा कभी भी अपने ससुराल और अस्पताल के अलावा कहीं नहीं गई। उसे पहलगाम की घटना से जोड़ना गलत है। सचिन से शादी के बाद सीमा ने एक बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम मीरा है। मीरा के पिता भारतीय हैं, उसका जन्म भारत में हुआ है और वह भी भारतीय नागरिक है। एपी सिंह ने कहा कि सीमा का नाम कायराना आतंरी हमले से जोड़ना गलत है। वह भारत की बहू है और मीणा समाज का सम्मान है। उसके प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए।

अलग-अलग आरोपों में 15 डॉक्टरों पर कार्रवाई, नशा करने में निलंबित तो कोई प्राइवेट प्रैक्टिस में फंसा

लखनऊ, 1 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में ड्यूटी के समय नशा करने व राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दिलचस्पी न दिखाने समेत अन्य आरोपों में मऊ स्थित सीएचसी रतनपुरा स्थानांतरणाधीन सीएचसी मझवारा के अधीक्षक डॉ। भैरव कुमार पांडेय को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें आजमगढ़ के अपर निदेशक मंडल कार्यालय से संबद्ध किया गया है। इसके अलावा 14 अन्य डॉक्टरों पर भी कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर की गई है। इसी तरह भदोही के ज्ञानपुर स्थित महाराजा चेत सिंह जिला चिकित्सालय में तैनात फिजीशियन डॉ। प्रदीप कुमार यादव के खिलाफ प्राइवेट प्रैक्टिस की शिकायत मिली थी। जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर उनकी दो वेतन वृद्धियां स्थायी रूप से रोक दी गई हैं। वहीं, स्वास्थ्य महानिदेशालय में संयुक्त निदेशक डॉ। सुनील वर्मा पर वित्तीय अनियमितत्ता के गंभीर आरोप लगे हैं। यह आरोप औरैया में चिकित्साधिकारी रहने के दौरान के हैं। इस संबंध में निदेशक (प्रशासन) को जांच के आदेश दिए गए हैं। साथ ही आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई के निर्देश प्रमुख सचिव को दिए गए हैं। इसके अलावा पांच अन्य चिकित्साधिकारियों के खिलाफ भी डिप्टी सीएम ने प्रमुख सचिव को विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इन डॉक्टरों पर रोगियों की चिकित्सा में लापरवाही, अनधिकृत रूप से अनुपस्थिति, अनुशासनहीनता शामिल है। इनमें कुशीनगर कप्तानगंज सीएचसी के डॉ। रितेश कुमार सिंह, कानपुर नगर स्थित केपीएम नगरीय पीएचसी में तैनात डॉ। दीप्ती गुप्ता, गोरखपुर गोला सीएचसी के डॉ। तनवीर असलम अंसारी, मैनपुरी बरनाहल सीएचसी की दंत शल्यक डॉ। अकांक्षा पनवार व हरदोई कछौना सीएचसी की डॉ। रखशिंदा नाहिद शामिल हैं। डिप्टी सीएम ने दो लापरवाह चिकित्साधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें ललितपुर के जखौरा सीएचसी के अधीक्षक डॉ। समीर प्रधान और बुलंदशहर सीएमओ के अधीन डॉ। पूनम सिंह शामिल हैं।

पहलगाम हमले के बीच जाति जनगणना कराने के ऐलान पर आया जेडीयू का बयान, 'पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है'

पटना, 1 मई (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश की नजर केंद्र सरकार की ओर है कि पाकिस्तान के खिलाफ क्या कुछ कार्रवाई की जाती है। क्या एक्शन लिया जाता है। इस बीच केंद्र सरकार के जाति जनगणना के फैसले से विपक्ष टाइमिंग को लेकर सवाल उठा रहा है। इन सब पर जेडीयू की प्रतिक्रिया आई है। गुरुवार को जेडीयू के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि टाइमिंग पर विपक्ष को सवाल नहीं उठाना चाहिए। राजीव रंजन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले

के बाद पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जातीय जनगणना कराने के निर्णय को बिहार चुनाव से भी जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। बिहार में नीतीश कुमार खुद से जातीय सर्वे करा चुके हैं।

'बिहार के फैसले को देश के स्तर पर अपनाया गया'

दूसरी ओर जेडीयू नेता राजीव रंजन ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार ने खुद से जातीय सर्वे कराया जिसके कारण देश भर में जाति जनगणना की जमीन तैयार हुई। बिहार के फैसले को देश के स्तर पर अपनाया गया है। जातीय जनगणना के मुद्दे पर नीतीश हमेशा सक्रिय रहे हैं। 1994 में संसद में अपने भाषण में नीतीश ने इसकी मांग की थी। बतौर सीएम नीतीश ने सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए काम किया।

पीएम मोदी ने विपक्ष को दिया करारा जवाबः राजीव

राजीव रंजन ने कहा कि पीएम मोदी ने देश भर में जातीय जनगणना कराने का निर्णय लेकर विपक्ष को करारा जवाब दिया है। जब जब विपक्ष सत्ता में रहा जातीय जनगणना नहीं कराई गई। सिर्फ उसके नाम पर सियासत हुई। बता दें जातीय गणना कराने के निर्णय को बिहार चुनाव के नजरिए से बहुत बड़ा दांव माना जा रहा है। बिहार चुनाव में महागठबंधन इसे ही सबसे बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी में था।

भीषण गर्मी के चलते कक्षा एक से आठ तक के बच्चों के स्कूल का समय बदला, बीएसए ने जारी किया आदेश

प्रयागराज, 1 मई (एजेंसियां)। भीषण गर्मी और तेज धूप के चलते विद्यालयों के समय में बदलाव के लिए आदेश जारी किया गया है। बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने आदेश जारी किया है। इसके तहत कक्षा एक से आठ तक का समय सुबह सात बजे से 11:30 बजे तक करने के लिए कहा गया है। ये आदेश बृहस्पतिवार एक मई से अगले आदेश तक प्रयागराज के सभी बोर्डों के विद्यालयों के लिए जारी किया गया है। विद्यालयों में 15 मई से ग्रीष्मवकाश रहेगा।

पति ने फोन पर दिया तीन तलाक, पत्नी की शिकायत को थाने ने अनसुना किया- दरोगा निलंबित; 8 पर केस दर्ज

गोरखपुर, 1 मई (एजेंसियां)। गोरखपुर के चौरीचौरा के वार्ड संख्या तीन रविदासनगर की सानिया (21) ने पति के तीन तलाक देने पर खुदकुशी कर ली थी। इससे पहले पति पर कार्रवाई के लिए थाने में तहरीर भी दी थी। मामले में लापरवाही बरतने वाले चौरीचौरा थाने के दरोगा जय प्रकाश सिंह को निलंबित कर दिया गया। साथ ही सानिया की मां आसिया की तहरीर पर पुलिस ने पति, सास, ननद, देवर सहित आठ लोगों पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस पर लगे आरोपों को एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने गंभीरता से लेते हुए एसपी नार्थ को जांच सौंपी थी। गांव पहुंचे एसपी नार्थ ने प्रकरण की जांच की तो पता चला कि तीन तलाक पीड़िता अपनी फरियाद लेकर थाने पर गई थी। लेकिन जनसुनवाई अधिकारी दरोगा जय प्रकाश सिंह ने फरियाद नहीं सुनी थी। एसपी की जांच रिपोर्ट पर एसएसपी ने आरोपी दरोगा को निलंबित करते हुए विभागीय जांच के निर्देश दिए।

रॉबर्ट वाड्रा को भारी पड़ा पहलगाम आतंकी हमले पर विवादित बयान, हाई कोर्ट करेगा सुनवाई

लखनऊ, 1 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले और पर्यटकों को बेरहमी से मारे जाने के मामले को लेकर भारत में गुस्सा भरा हुआ है। पूरे देश आतंकियों और उसके पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग कर रहा है। हालांकि, कांग्रेस नेता रॉबर्ट वाड्रा ने इस हमले को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने आतंकी हमले का कारण भारत में मुसलमानों के साथ दुर्व्यवहार को बता दिया था। वाड्रा के इस बयान को लेकर उनके खिलाफ जांच के लिए याचिका दायर कर दी गई है जिसपर अब इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ शुक्रवार सुनवाई करने वाली है।

क्या बोले थे रॉबर्ट वाड्रा?

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा था- मुझे बहुत बुरा लग रहा है और मेरी गहरी संवेदनाएँ इस आतंकवादी कृत्य में मारे गए लोगों के प्रति हैं। हमारे देश में, हम देखते हैं कि यह सरकार हिंदुत्व की बात करती है, और अल्पसंख्यक असहज और परेशान महसूस करते हैं। यदि आप इस आतंकवादी कृत्य का विश्लेषण करते हैं, यदि वे (आतंकवादी) लोगों की पहचान देख रहे हैं, तो वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? क्योंकि हमारे देश में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच एक विभाजन पैदा हो गया है। इससे इस तरह के संगठनों को लगेगा कि हिंदू सभी मुसलमानों के लिए समस्या पैदा कर रहे हैं। पहचान को देखना और फिर किसी की हत्या करना, यह प्रधानमंत्री के लिए एक संदेश है, क्योंकि मुसलमान कमजोर महसूस कर रहे हैं। अल्पसंख्यक कमजोर महसूस कर रहे हैं। यह बात ऊपर से आनी चाहिए कि हम अपने देश में सुरक्षित और धर्मनिरपेक्ष महसूस करते हैं और हम इस तरह के कृत्य होते नहीं देखेंगे।

याचिका में क्या कहा गया?

पहलगाम आतंकी हमले पर रॉबर्ट वाड्रा के विवादित बयान के खिलाफ ये याचिका हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस और अन्य संगठनों ने दायर की है। याचिका में मांग की गई है कि केंद्र सरकार को इस मामले में एसआईटी गठित करने और रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ जांच करने का निर्देश दिया जाए। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से वाड्रा के खिलाफ बीएनएस के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने का आदेश देने की भी मांग की है।

पहलगाम में 26 लोगों की हुई थी मौत

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते 22 अप्रैल को बड़ा आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने बैसरन घाटी में घूमने आए पर्यटकों से उनका पूछकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया था। लोगों से कलमा पढ़ने को कहा गया था और उनकी पैंट उतारकर चेक किया गया था कि वे किस धर्म के लोग हैं। इस आतंकी घटना में कुल 26 लोगों की मौत हुई थी और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे।

जाति जनगणना पर बिहार में पोस्टर वार

आरजेडी ने केंद्र सरकार को किया चैलेंज, 'नीयत साफ है तो आरक्षण सीमा को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करें'

पटना, 1 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने देश में जाति जनगणना कराने का निर्णय लिया है। विपक्ष इसका क्रेडिट ले रहा है। इस बीच बिहार की राजधानी पटना में पोस्टर वार शुरू हो गया है। यह पोस्टर आरजेडी के प्रदेश कार्यालय, राबड़ी आवास और कई अन्य जगहों पर लगाया गया है। इसके जरिए यह बताने की कोशिश की गई है कि केंद्र का यह फैसला लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और महागठबंधन के नेताओं की जीत है। पोस्टर में सबसे ऊपर लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती सहित कई आरजेडी नेताओं की तस्वीर लगाई गई है। उसके नीचे लिखा गया है, केंद्र सरकार के द्वारा जातीय जनगणना कराए जाने का निर्णय राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहित महागठबंधन के तमाम नेताओं के संघर्षों की जीत है। लालू जी एवं तेजस्वी जी को इसके लिए हार्दिक बधाई। दूसरी ओर पोस्टर के जरिए केंद्र सरकार को चैलेंज भी किया गया है। पोस्टर पर लिखा गया है, केंद्र सरकार की अगर नीयत साफ है तो बिहार में बढ़ी हुई आरक्षण सीमा को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करे। इस पोस्टर को लगाने वाले आरजेडी नेता भाई अरुण ने कहा कि निश्चित तौर पर हम लोग की जो पुरानी मांग थी उसकी जीत हुई है। इस बात को जनता समझ रही है। दूसरी ओर केंद्र सरकार के जातीय गणना कराने के निर्णय से बिहार विधानसभा चुनाव में किसका पलड़ा भारी होगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन निश्चित तौर पर चुनाव में यह बड़ा मुद्दा बनेगा। इस मुद्दे पर जहां महागठबंधन के नेता क्रेडिट लेने में जुटे हैं तो वहीं एनडीए के नेता भी इसे भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। नीतीश कुमार के सपनों को साकार करने का काम केंद्र सरकार ने किया है इस बात से राजनीति हो सकती है।

2025 में अनंत सिंह किस पार्टी से लड़ेंगे विधानसभा चुनाव? दिया चौंकाने वाला जवाब

पटना, 1 मई (एजेंसियां)। बिहार में इस साल (2025) के अंत तक विधानसभा का चुनाव होना है। राजनीतिक दलों के नेता एक तरफ जहां तैयारी कर रहे हैं तो दूसरी ओर मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह निश्चिंत हैं। एक दिन की पैरोल पर वे बेऊर जेल से बाहर आए थे। रिश्ते में लगने वाली उनकी पोती की शादी थी। इस मौके पर उन्होंने आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी प्रतिक्रिया दी है। इस सवाल पर कि उम्मीद है कि चुनाव के पहले आप जेल से बाहर आ जाएंगे? इस पर अनंत सिंह ने जवाब देते हुए कहा कि 10-20 दिन में ही आ जाएंगे। हाईकोर्ट में मामला है। एक और सवाल पर कि विधानसभा चुनाव होने वाला है तो टिकट क्या जेडीयू से लेंगे? इस पर बाहुबली अनंत सिंह ने कहा कि टिकट के लिए हमको क्या पूछना है? इस दौरान उनसे कुछ और भी सवाल पूछे गए लेकिन उन्होंने जवाब देने से मना कर दिया। कहा कि शादी का माहौल है तो शादी की बात की जाए।

अनंत सिंह ने क्यों दिया इस तरह का बयान?

बता दें कि अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी अभी मोकामा से विधायक हैं। उनसे पहले अनंत सिंह ही विधायक थे। जब वे जेल गए और उनकी सदस्यता रद्द हुई तो उपचुनाव में उनकी पत्नी नीलम देवी को जीत मिल गई। बाहुबली अनंत सिंह का उनके इलाके में इतना दबदबा है कि वह बिना किसी पार्टी के समर्थन के भी जीत की ताकत रखते हैं। यही वजह है कि उन्होंने इस तरह का बयान दिया कि किसी पार्टी से टिकट की जरूरत नहीं है।

किस मामले मे जेल में बंद हैं बाहुबली अनंत सिंह?

गौरतलब हो कि इसी साल जनवरी के महीने में अनंत सिंह जेल गए थे। मोकामा के नौरंगा जलालपुर गांव में दो पक्ष सोनू-मोनू गैंग और अनंत सिंह के समर्थकों में गोलीबारी हुई थी। इस मामले में उन पर पचमहला थाने में केस हुआ था। दावा किया गया था कि 100 राउंड से अधिक गोलीबारी की गई है। सोनू को गिरफ्तार किया गया था। बाद में अनंत सिंह ने भी सरेंडर कर दिया था। अनंत सिंह के सरेंडर करने के बाद जमानत के लिए याचिका दाखिल की गई थी लेकिन उसे खारिज कर दिया गया था। अब उन्होंने दावा किया है कि 10-20 दिन में बाहर आ जाएंगे।

बरेली की बहू का टूटा नाता, बेटा-बेटी को रोता छोड़ पाकिस्तान गईं इरम, मोबाइल फोन बंद

बरेली, 1 मई (एजेंसियां)। बरेली के बिहारीपुर मोहल्ले की बहू इरम का हिंदुस्तान से नाता टूट गया। सूत्रों के मुताबिक, वह अटारी बॉर्डर पार कर पाकिस्तान में दाखिल हो गईं। उनका मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ हो गया है। स्थानीय पुलिस-प्रशासन को इसकी रिपोर्ट एक-दो दिन में मिल जाएगी। बिहारीपुर में ब्याही बुआ के संपर्क की वजह से पाकिस्तान के लाहौर की निस्तार कॉलोनी निवासी इरम 17 साल पहले बिहारीपुर निवासी मोहम्मद अथर के घर बहू बनकर आई थीं। उनके पिता मजाहिल हुसैन लाहौर में डॉक्टर हैं। इरम ने स्थानीय स्तर पर कागजी औपचारिकताएं पूरी कराई थी। फिर वह अपने 15 साल के बेटे शाहेनूर और सात साल की बेटी आयजा को रोते हुए छोड़ गईं। अब ये दोनों अपने पिता के साथ ही रहेंगे। इरम चाहती थीं कि वह बेटी को साथ ले जाएं, पर बच्चों की नागरिकता भारतीय होने के कारण कानूनी तौर पर यह संभव नहीं हो सका। इरम के पास लॉन्ग टर्म वीजा था। सरकार के नए फरमान के हिसाब से वह चाहती तो भी कुछ और समय यहां रह सकती थी पर वह काफी समय से अपने वतन वापसी की तैयारी कर रही थी। दोपहर बाद इरम शहर से निकल गई थीं। सूत्रों के मुताबिक वह अटारी बॉर्डर से होकर पाकिस्तान में दाखिल हो गईं। आठ अप्रैल 2008 को इरम का निकाह बरेली के मोहम्मद अथर से हुआ था। इरम की शादी के करीब 15 साल तक सब ठीक चला। इरम के मुताबिक 11 जून 2024 को शौहर ने उसे रातभर पीटा और तलाक देकर घर से बाहर निकाल दिया। चूंकि भारत में तब तीन तलाक पर नया कानून आ गया था तो इरम ने 18 जून 2024 को कोतवाली में पति मोहम्मद अथर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

अफजाल अंसारी बोले- पहलगाम हमले के बाद मुसलमानों को निशाना बनाने वालों और आतंकवादियों की मानसिकता एक जैसी

गाजीपुर, 1 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अफजाल अंसारी ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद देश में कई स्थानों पर मुसलमानों और कश्मीरी छात्रों को निशाना बनाए जाने की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि नफरत फैला रहे 'सरकार समर्थित' लोगों और आतंकवादियों की मानसिकता एक ही जैसी है। अंसारी ने बलिया से सपा सांसद सनातन पांडेय के आवास पर एक मांगलिक कार्यक्रम से इतर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, पहलगाम की घटना केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की विफलता है। उन्होंने कहा कि जहां पर घटना हुई, वह स्थान पाकिस्तान की सीमा से डेढ़ सौ किलोमीटर दूर है। उन्होंने कहा आतंकवादियों में इतना साहस कहां से आ गया कि वह इतनी दूर से चलकर पहलगाम पहुंच गए? यह समय है उन्हें जवाब देने का। अगर मिलीभगत नहीं है तो भारत को चढ़ाई करनी चाहिए। पाकिस्तान के कब्जे के कश्मीर को भारत का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद देश के विभिन्न हिस्सों में मुस्लिम समाज और कश्मीरी छात्रों को निशाना बनाने की निंदा की है। सपा सांसद ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पंजाब के पटियाला में कश्मीरी छात्रों पर कुछ दक्षिणपंथी समूहों के कार्यकर्ताओं ने हमला किया था। उनके अनुसार, हरियाणा में भी मुसलमान की दुकानों में तोड़फोड़ किए जाने की घटना सामने आई। देश में कई अन्य जगहों पर भी इसी तरह की वारदात हुई हैं। अंसारी ने कहा, पाकिस्तान से आकर निरीह लोगों की हत्या करने वाले आतंकवादियों और देश में धर्म और जाति के नाम पर नफरत फैलाने का प्रयास कर रहे लोगों की मानसिकता एक ही है। देश की जनता इन्हें पहचान चुकी है। उन्होंने दावा किया कि एक तरफ विदेशी आक्रमणकारी हैं तो दूसरी तरफ सरकार द्वारा प्रायोजित और प्रशिक्षित नफरती और शरारती तत्व हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ऐसे तत्वों को संरक्षण प्रदान कर रही है, जिसके कारण ये देश के विभिन्न हिस्सों में धर्म और जाति के नाम पर गुंडागर्दी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कहीं कश्मीरी छात्रों और मुस्लिमों को उत्पीड़ित किया जा रहा है तो कहीं दलित सांसद राम जी लाल सुमन को धमकाया जा रहा है। अंसारी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लेने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, पूरा भारत एक मत है। जो पाक अधिकृत कश्मीर है उसको भारत में मिला लेने का यह अच्छा अवसर है। उनके गुनाहों की सजा भी उनको दी जाएगी और जो भारत का ही है, उसे भारत में मिला लिया जाए।

10 हजार की शर्त और बिना पानी मिलाए 5 बोतल शराब पी गया युवक, इलाज के दौरान मौत

बेंगलुरू, 1 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरू में 21 साल के एक युवक ने 10 हजार रुपये की शर्त के लिए अपनी जान गंवा दी। एनडीटीवी की खबर के अनुसार मृतक कार्तिक ने अपने दोस्तों के सामने दावा किया था कि वह पांच बोतल शराब बिना पानी मिलाए पी सकता है। ऐसे में उसके दोस्तों ने कहा था कि ऐसा करने पर उसे 10 हजार रुपये मिलेंगे। कार्तिक ने शर्त के अनुसार बिना पानी मिलाए पांच बोतल शराब पी ली और शर्त जीत गया, लेकिन शराब पीने के थोड़ी देर बाद ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी।

कार्तिक को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। कार्तिक की शादी लगभग एक साल पहले हुई थी और वह आठ दिन पहले ही पिता बना था। कार्तिक ने अपने दोस्त वेंकट रेड्डी, सुब्रमणि और तीन अन्य दोस्तों से कहा था कि वह पानी मिलाए बिना शराब की पांच पूरी बोतलें पी सकता है। इस पर वेंकट रेड्डी ने कार्तिक से कहा था कि अगर वह ऐसा कर सकता है तो वह उसे 10,000 रुपये देगा। कार्तिक ने पांच बोतलें पी लीं, लेकिन कुछ ही देर बाद उसकी हालत गंभीर हो गई। उसे कोलार जिले के मुलबागल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वेंकट रेड्डी और सुब्रमणि समेत छह लोगों के खिलाफ नांगली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल शराब पीने से लगभग 2.6 मिलियन लोग मरते हैं, जो वैश्विक मृत्यु का 4.7 प्रतिशत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, शराब के सेवन का कोई सुरक्षित स्तर नहीं है।

'रामदेव पर किसी का काबू नहीं, अपनी ही दुनिया में रहते हैं'

शरबत जिहाद केस में हाईकोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक बार फिर बाबा रामदेव के हमदर्द कंपनी के शरबत पर 'शरबत जिहाद' वाली विवादित टिप्पणी मामले पर नाराजगी जताई है। साथ ही कोर्ट अवमानना नोटिस जारी करने की तैयारी में है। कोर्ट ने पहले ही रामदेव को हमदर्द के उत्पादों के बारे में कोई भी बयान जारी करने से मना किया था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को टिप्पणी करते हुए कहा कि रामदेव किसी के नियंत्रण में नहीं हैं और अपनी ही दुनिया में रहते हैं। रामदेव को शरबत जिहाद बयान पर प्रथम दृष्टया कोर्ट के आदेश की अवमानना का दोषी पाया। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने रामदेव को हमदर्द के उत्पादों के बारे में भविष्य में कोई बयान जारी न करने या वीडियो साझा न करने का आदेश दिया था। जस्टिस अमित बंसल ने गुरुवार को कहा कि कोर्ट के 22 अप्रैल के निर्देशों के बावजूद रामदेव ने आपत्तिजनक बयान देते हुए एक वीडियो जारी किया। वह किसी के नियंत्रण में नहीं हैं। वह अपनी ही दुनिया में रहते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया ने विवादित टिप्पणी को लेकर रामदेव और उनकी पतंजलि फूड्स लिमिटेड के खिलाफ कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

पिछली सुनवाई पर ही दी थी कड़ी चेतावनी

इससे पहले बीती 22 अप्रैल को हुई हुई सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने बाबा रामदेव के शरबत जिहाद वाले बयान पर नाराजगी जताई थी।

न्यायमूर्ति अमित बंसल ने आदेश जारी करने की चेतावनी दी थी। कोर्ट ने कहा था कि इससे न्यायालय की अंतरात्मा को आघात पहुंचा है, इसका कोई औचित्य नहीं था। अदालत ने रामदेव का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील से निर्देश प्राप्त कर अगली सुनवाई में मौजूद रहने का आदेश दिया है। योग गुरु बाबा रामदेव ने तीन अप्रैल को अपने शरबत ब्रांड का प्रचार करते हुए हमदर्द कंपनी के शरबत पर विवादित टिप्पणी की थी।

हमदर्द के वकील ने अदालत को बताया था कि हाल ही में पतंजलि के गुलाब शरबत का प्रचार करते हुए रामदेव ने दावा किया था कि हमदर्द के रूह आफजा से अर्जित धन का उपयोग मदरसे और मस्जिद बनाने में किया गया। बाद में, रामदेव ने अपनी टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने किसी ब्रांड या समुदाय का नाम नहीं लिया।

हमदर्द का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह मामला अपमान से परे है और यह 'सांप्रदायिक विभाजन' पैदा करने का मामला है। वरिष्ठ वकील ने कहा, 'यह नफरत फैलाने वाला भाषण है।

उनका कहना है कि यह शरबत जिहाद है। उन्हें अपना काम जारी रखना चाहिए। वह हमें क्यों परेशान कर रहे हैं?' चूंकि रामदेव के लिए मामले पर बहस करने वाले वकील उपलब्ध नहीं थे।

नैनीताल में लड़की से रेप पर बवाल

मस्जिद-घरों में पथराव, दुकानों में तोड़फोड़, लोगों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

नैनीताल, 1 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के नैनीताल में रेप की घटना के बाद सांप्रदायिक तनाव फैल गया गया। 60 साल के मुस्लिम ठेकेदार पर 12 साल की लड़की के साथ रेप किए जाने के आरोप से गुस्साए लोग सड़क पर उतर आए। उन्होंने घटना के विरोध में प्रदर्शन के साथ मुस्लिम समाज के प्रतिष्ठानों पर जमकर तोड़फोड़ की। गुस्साई भीड़ ने मल्लीताल इलाके की एक मस्जिद पर भी पथराव किया और लोगों के साथ मारपीट की गई। स्थिति को काबू करने के लिए पुलिस को लाठी चलानी पड़ी। पुलिस ने आरोपी ठेकेदार को गिरफ्तार किया है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आरोपी की पहचान उस्मान के रूप में की गई है, जो पेशे से ठेकेदार है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़ित लड़की की मेडिकल जांच कराई गई है। गुरुवार को नैनीताल का बाजार बंद रखा गया है। पुलिस का कहना है कि कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किए जाने के बाद सांप्रदायिक तनाव फैल गया, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन और तोड़फोड़ की गई। मामला रात का है, जब बुजुर्ग ठेकेदार उस्मान पर हिंदू नाबालिग लड़की से रेप का आरोप लगा। पुलिस ने पीड़ित लड़की को मेडिकल जांच के लिए भेजा। जैसे ही इस बात की खबर लोगों को हुई तो वह इसके विरोध में इकट्ठा हो गए। हिंदू वादी संगठनों के लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। अचानक इकट्ठा हुई भीड़ उग्र हो गई और मुस्लिम समाज के प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। भीड़ के द्वारा पास की एक मस्जिद पर पथराव किया गया। पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगा रही भीड़ ने वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया और गाड़ी पड़ाव इलाके के घरों पर पथराव किया,

पाकिस्तानी सीमा पर बीएसएफ ने नाकाम की आतंकी साजिश 5 हैंड ग्रेनेड और 3 पिस्तौल सहित कई हथियार बरामद

अमृतसर, 1 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान से सटी सीमा पर बड़ी आतंकी साजिश नाकाम की है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पंजाब पुलिस ने मिलकर अमृतसर जिले के भरोपाल गांव के पास हथियारों, गोला-बारूद और ग्रेनेड का जखीरा बरामद किया है। सीमा पार आतंकी नेटवर्क के खिलाफ यह कार्रवाई एक महत्वपूर्ण सफलता है। बीएसएफ की खुफिया शाखा से मिली पुख्ता जानकारी के आधार पर भरोपाल गांव के आसपास एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस दौरान भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए। तलासी अभियान में सुरक्षाबलों ने 2 हैंड ग्रेनेड, 3 पिस्तौल, 6 मैगजीन और 50 जिंदा कारतूस बरामद किए। बरामद हथियारों और गोला-बारूद को पंजाब पुलिस को सौंप दिया गया है। इस संयुक्त ऑपरेशन से बीएसएफ की उच्च स्तर की सतर्कता और तत्परता एक बार फिर साबित होती है। यह कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए बीएसएफ और पंजाब पुलिस के बीच मजबूत समन्वय को भी दर्शाती है। इस सफलता ने न केवल आतंकी मंसूबों को विफल किया है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बांग्लादेश बॉर्डर पर तीन नागरिक पकड़ाए

पहलगाम हमले के बाद बीएसएफ के जवान सक्रिय हैं और गुरुवार को बांग्लादेश सीमा पर भी तीन लोगों को पकड़ा। खुफिया जानकारी के आधार पर पश्चिम त्रिपुरा के नरसिंहगढ़ गांव में एक संयुक्त अभियान के दौरान, एक भारतीय नागरिक को ईसीओ मारुति वैन के साथ पकड़ा गया। तलाशी लेने पर वाहन से एस्कुफ कफ सिरप की 805 बोतलें बरामद की गईं।एक अन्य ऑपरेशन में बीओपी कैयाधेपा के बीएसएफ जवानों ने कैयाधेपा बाजार क्षेत्र से एक भारतीय दलाल को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दलाल मानव तस्करी और बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों की भारत में अवैध घुसपैठ में सक्रिय रूप से शामिल है, साथ ही उन्हें आश्रय और रसद सहायता प्रदान करता है। इसके अलावा, सीमा चौकी पुटिया के बीएसएफ जवानों ने सीमा सुरक्षा बाड़ को पार करके बांग्लादेश से भारत में घुसने की कोशिश कर रहे भारतीय नागरिक को पकड़ा, उसके कब्जे से यूएई और बीडी मुद्रा बरामद की गई। इसके अलावा, लगभग 13 लाख रुपये मूल्य की बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ और अन्य प्रतिबंधित सामान जब्त किए गए।

पूजा हत्याकांड: शातिर पर भरोसा जान पर पड़ा भारी, पहले अपनी जरूरतों के लिए किया इस्तेमाल; फिर रास्ते से हटाया

ऊधम सिंह नगर, 1 मई (एजेंसियां)। पूजा का एक शातिर पर भरोसा करना उसकी जिंदगी पर भारी पड़ गया। दो साल तक अपनी आर्थिक व अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए टैक्सी चालक मुश्ताक ने पूजा का इस्तेमाल किया। बाद में चुपके से घर आकर दूसरी युवती से निकाह कर लिया। जब पूजा ने इसका विरोध किया तो शातिर मुश्तार्क ने उसका गला रेतकर हत्या कर दी। ऐसा जघन्य अपराध करने में उसके हाथ कांपे तक नहीं। प्रेम प्रसंग के बाद मुश्ताक ने पूजा का काफी फायदा उठाया। सूत्रों के मुताबिक पूजा ने उसे सितारगंज में एक प्लॉट खरीदकर दिया। इसके अलावा, वह समय-समय पर उसकी आर्थिक मदद भी करती थी। कुछ साल प्रेम प्रसंग में रहने के बाद वह शादी से मुकर गया।

बच्चों ने खाने में देखा मरा हुआ सांप, फिर भी रसोइए ने परोसा खाना, 100 बीमार; अब बिहार सरकार को नोटिस

पटना, 1 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने गुरुवार को बिहार सरकार और पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई पटना जिले के मोकामा इलाके में एक सरकारी स्कूल में मिड-डे मील खाने के बाद 100 से ज्यादा बच्चों के बीमार होने की खबरों के बाद की गई है। इस मामले को लेकर आयोग ने कहा कि खबरों के मुताबिक खाने में से एक मरे हुए सांप को हटाकर रसोइया ने बच्चों को भोजन परोस दिया। मानवाधिकार आयोग ने इस घटना पर खुद से संज्ञान लिया है। आयोग ने इसे बच्चों के मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना है। आयोग ने बिहार सरकार के मुख्य सचिव और पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को नोटिस भेजकर दो हफ्तों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस रिपोर्ट में बीमार बच्चों की तबीयत की जानकारी भी शामिल होनी चाहिए। दरअसल स्कूल में मिड डे मील के दौरान करीब 500 बच्चों में से लगभग 400 बच्चों ने भोजन किया। बच्चों ने बताया कि सब्जी में कुछ अजीब लगा और गौर करने पर उन्होंने देखा कि उसमें एक सांप गिरा हुआ था। बच्चों ने यह बात स्कूल के शिक्षकों और रसोइयों को बताई, लेकिन उनकी शिकायत को नजरअंदाज कर दिया गया। रसोइए ने सांप को निकालकर बोरे में डालकर फेंक दिया, लेकिन फिर भी वही खाना बच्चों को परोस दिया गया। इस पर कुछ बच्चों ने खाना खाने से मना कर दिया, जबकि अधिकांश बच्चों ने मजबूरी में खाना खा लिया। दोपहर का खाना खाने के कुछ समय बाद बच्चों को तबीयत खराब लगने लगी। घर पहुंचने पर कई बच्चों को उल्टियां हुईं, चक्कर आने लगे और पेट में मरोड़ की शिकायत हुई। बच्चों ने अपने माता-पिता को बताया कि खाने में सांप था। परिजनों ने जब यह सुना तो वे गुस्से में आकर स्कूल के सामने सड़क पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दी और हंगामा करने लगे।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में नशे की लत में फंसे युवक ने खुद को गोली से उड़ाया

मंडी, 1 मई (एजेंसियां)। नशे की लत ने एक और युवक की जान ले ली है। हालांकि इस बार युवक नशे की ओवरडोज से नहीं बल्कि खुद को गोली मारने से मरा है। मामला मंडी सदर पुलिस थाना के तहत आने वाले दुदर गांव का है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दुदर गांव का 38 वर्षीय मुकेश पटियाल पुत्र कमलकांत ने पिछले कल घर पर मौजूद गन से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर दी। मृतक के पिता द्वारा पुलिस को दिए बयान में बताया गया है कि उनका बेटा पिछले कुछ समय से नशे की लत से जूझ रहा था और मानसिक रूप से परेशान भी रह रहा था। उसका उपचार भी चल रहा था। मानसिक अवसाद के चलते उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर दी।

शिवपुरी नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा के बेटे पर दुष्कर्म का आरोप, युवती की शिकायत पर केस दर्ज

शिवपुरी, 1 मई (एजेंसियां)। शिवपुरी की भाजपा नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा के बेटे रजत शर्मा के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। शिवपुरी के वार्ड क्रमांक 7 शिव कॉलोनी में रहने वाली एक युवती ने नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा के बेटे रजत शर्मा के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने युवती की शिकायत पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है।

सोशल साइट से मुलाकात के बाद हुई दोस्ती

कोतवाली थाने में पीड़िता ने पुलिस को दर्ज कराई शिकायत में उल्लेख किया है कि रजत शर्मा से उसकी जान-पहचान सोशल मीडिया के माध्यम से हुई। फिर हमारी दोस्ती आगे बढ़ी। फिर हमारी फोन से बात होने लगी। इसी क्रम में वह 20 अगस्त 2023 को रजत से पहली बार आमने-सामने मुलाकात हुई। तभी रजत ने मुझे शादी के लिए प्रपोज किया था। इसके बाद रजत शादी का झांसा देकर कई बार मेरा शारीरिक शोषण करता रहा।

शादी की बात पर की बहानेबाजी

युवती का कहना है कि हम दोनों की सहमति से रजत ने हमारे शारीरिक संबंध की वीडियो बनाई थी। वह वीडियो मेरे पास मौजूद है। मेरे और रजत के संबंधों के बारे में मैंने अपने घर पर बताया था। मेरे माता जी और बहनें शादी के लिए तैयार थे। रजत के घर पर भी सबको पता था। युवती का आरोप है कि उसके बाद मेरे भाई मयंक को कैंसर हो गया था फिर रजत ने बोला भैया ठीक हो जाएं उसके बाद शादी कर लेंगे। 10 मार्च 2025 को उसका देहांत हो गया। फिर मैंने रजत को बोला अब मेरा कोई नहीं है और तुम शादी कर लो, लेकिन वो बहानेबाजी करने लगा। शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहीं और पूर्व खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया जब शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक थीं तब उनकी ही पसंद के आधार पर नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा को अध्यक्ष के रूप में पार्षदों द्वारा चयनित किया गया था। इस चयन के दौरान भाजपा की अंदरूनी राजनीति और गुटबाजी के कारण नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव विवादों में भी रहा था, लेकिन तत्कालीन खेल मंत्री की जिद के कारण भाजपा नेत्री गायत्री शर्मा को नगर पालिका अध्यक्ष के लिए प्रत्याशी बनाया गया था। इसके बाद पार्षदों ने इनका चुनाव किया था। शिवपुरी की कोतवाली पुलिस में अपनी शिकायत दर्ज कराने पहुंची पीड़ित युवती ने आरोप लगाया कि शिवपुरी के कई नेताओं ने उनसे संपर्क किया और इस मामले में कार्रवाई न करने को लेकर राजीनामा करने का दबाव बनाया, लेकिन उन्होंने इन नेताओं की एक नहीं सुनी। युवती का आरोप है कि नपाध्यक्ष के पुत्र ने उनसे शादी का झांसा देखा शारीरिक संबंध बनाए।

कोतवाली टीआई ने क्या कहा

इस मामले में कोतवाली टीआई कृपाल सिंह राठौड़ का कहना है कि युवती की शिकायत के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है और पूरे मामले को जांच में लिया गया है।

आतंकी तहव्वुर राणा के वॉइस सैंपल का लिया जाएगा नमूना, कोर्ट ने दी इजाजत

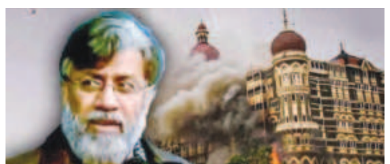

मुंबई, 1 मई (एजेंसियां)। पटियाला हाउस कोर्ट ने 26/11 आतंकवादी हमले के आतंकी तहव्वुर राणा की वॉइस सैंपल और लिखावट के नमूने लेने की इजाजत दे दी है। एनआईए ने कोर्ट में अर्जी इसे लेकर अर्जी दाखिल की थी, जिसमें एनआईए ने तहव्वुर राणा की वॉइस सैंपल और लिखावट के नमूने लेने की इजाजत मांगी थी। बता दें कि आतंकी तहव्वुर राणा फिलहाल 12 दिन की एनआईए की हिरासत में है। बता दें कि इससे पहले एनआईए कोर्ट ने 26/11 आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की हिरासत 12 दिन के लिए बढ़ा दी थी। बता दें कि तहव्वुर राणा को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से ले जाया गया था। यहां राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कोर्ट ने उसकी हिरासत अवधि 12 दिन के लिए बढ़ा दी। 26/11 मुंबई हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में तहव्वुर हुसैन राणा अहम नाम है। उसे मुंबई हमले के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली का करीबी माना जाता है। हेडली और राणा स्कूल के समय से दोस्त थे। हेडली ने बाद में स्वीकार किया था कि वह लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम कर रहा था।

इस आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। पाकिस्तान में ट्रेनिंग लेकर आए 10 आतंकियों ने आधुनिक हथियारों से लैस होकर मुंबई में भीड़भाड़ वाली जगहों को निशाना बनाया था। इस दौरान 160 से अधिक लोग मारे गए थे और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 13 फरवरी 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्हाइट हाउस में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की घोषणा की। ट्रंप ने कहा, हम एक बहुत खतरनाक व्यक्ति को भारत को सौंप रहे हैं, जो मुंबई हमले का आरोपी है। यह फैसला अमेरिकी विदेश विभाग के सचिव द्वारा 11 फरवरी 2025 को औपचारिक रूप से अधिकृत किया गया था। तहव्वुर हुसैन राणा का भारत में प्रत्यर्पण 9 अप्रैल 2025 को हुआ। वह 10 अप्रैल 2025 को दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर पहुंचा और उसे तुरंत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में लिया गया।

'कांग्रेस ने पीएम को दिए सारे अधिकार

देशहित में लें फैसला', पहलगाम हमले पर बोले दिग्विजय सिंह

सीहोर, 1 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सीहोर में एक बड़ा बयान दिया है। दिग्विजय सिंह ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कि पहलगाम हमले के बाद कश्मीर के लोगों ने एकजुट होकर आतंकवाद का विरोध किया है। उन्होंने कांग्रेस की भूमिका पर प्रकाश डाला। पूर्व सीएम सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी आतंकवाद से समझौता नहीं किया। पार्टी ने इस लड़ाई में अपने दो प्रधानमंत्री खोए हैं। दिग्विजय सिंह भोपाल-इंदौर मार्ग पर स्थित टोल टैक्स के पास एक विवाह समारोह में शामिल हुए थे। इस दौरान वैवाहिक कार्यक्रम में पूर्व सीएम के साथ में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश राय, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओम दीप, पवन राठौर आदि शामिल हुए। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूरे अधिकार दे दिए हैं। वो देश हित में जो भी निर्णय लेना चाहें, ले सकते हैं। बता दें 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने टूरिस्टों पर हमला किया था, जिसमें 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी, जबकि कई टूरिस्ट घायल हुए थे। इस तरह से हिन्दुओं का दमन कर आंतक फैलाने को लेकर भारत ने पाक सरकार को जिम्मेदार ठहराया था।

रोजाना हो रहा आतंकवाद का विरोध

पहलगाम हमले के बाद से समूचा भारत आतंकवाद को लेकर आग की तरह तप रहा है। भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य दल के नेता भी आतंकवाद को लेकर पुरजोर विरोध कर रहे हैं। कोई आंतकवाद का पुतला जला रहा है, कोई शांति मार्च निकाल रहा है। आतंकवाद को लेकर जिले के मुस्लिम भी पीछे नहीं है। मुस्लिम समाज के लोग भी आंतकवाद का पुतला दहन कर अपना विरोध जता रहे हैं। गांव-गांव, शहर-शहर आंतकवाद को खत्म करने लोग अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। सभी का कहना है आतंकवाद खत्म होना चाहिए।

'तो सिंधु का पानी दिल्ली को दे दो', प्रवेश वर्मा के बयान पर सौरभ भारद्वाज का तंज

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। पंजाब की भगवंत मान सरकार और हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार के बीच पानी को लेकर अनबन चल रही है। पंजाब की आप सरकार ने हरियाणा को दिए जाने वाले भाखरा कनाल के पानी को रोक दिया है। पहले जहां हरियाणा को 8.50 से 9 हजार क्यूसेक पानी भेजा जाता था, इस बार केवल 4 हजार क्यूसेक ही भेजा गया है। सीएम भगवंत मान का दावा है कि हरियाणा अपने हिस्से के पानी से ज्यादा का इस्तेमाल कर चुका है। ऐसे में हरियाणा और पंजाब सरकारों के बीच तनाव बढ़ रहा है। वहीं, पंजाब से आने वाला यह पानी हरियाणा से होकर दिल्ली आता है। ऐसे में अगर पंजाब सरकार पानी रोके रखती है तो दिल्ली में भी जल संकट आ सकता है। इसको लेकर अब दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा है। प्रवेश वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट लिखा है, पंजाब सरकार हरियाणा और दिल्ली का पानी रोककर गंदी राजनीति पर उतर आई है। दिल्ली में हारने के बाद अब दिल्ली में जल संकट पैदा करना चाहते हैं। हम दिल्ली में साफ और हर घर में पानी देने के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं और अब पंजाब सरकार दिल्ली की जनता से ऐसे बदला लेना चाहती है।

बंद करो ये गंदी राजनीति वरना पंजाब से भी जाओगे। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा के बयान पर आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, जब केंद्र सरकार ने सिंधु जल संधि को रोक कर पूरे पाकिस्तान का पानी रोक दिया है तो भारत के पास पानी ही पानी है।

इसमें से एक फीसदी पानी भी अगर भारत सरकार दिल्ली को दे देती है तो दिल्ली की पानी की समस्या दूर हो जाएगी। इतना ही नहीं, सौरभ भारद्वाज ने कहा, जब हम कहते थे कि हरियाणा से पानी नहीं आ रहा है तो बीजेपी और एलजी कहते थे कि पानी बहुत है लेकिन प्रशासन को पानी का बंटवारा करना नहीं आता। अब आप सरकार चलाइए।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर इस बात की जानकारी दी थी कि उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री से भाखरा कनाल के पानी को लेकर बात की।

'मजबूत महाराष्ट्र की ओर बढ़ते कदम', राज्यपाल राधाकृष्णन ने प्रगतिशील राज्य बनाने पर दिया जोर

मुंबई, 1 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने 65वें महाराष्ट्र दिवस के मौके पर प्रगतिशील महाराष्ट्र बनाने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एक समावेशी, प्रगतिशील और विकसित महाराष्ट्र बनाने के लिए सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। बता दें कि राज्यपाल राधाकृष्णन मुंबई में महाराष्ट्र दिवस पर आयोजित एक समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर इस समारोह की शुरुआत की और परेड की सलामी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर भी मौजूद थे। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि महाराष्ट्र सरकार राज्य के सभी वर्गों को लेकर एक आधुनिक, मजबूत और आगे बढ़ता हुआ महाराष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं सभी से अपील करता हूं कि हम सब मिलकर इस लक्ष्य को हासिल करें। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार मुंबई में 'महाराष्ट्र राज्य सांस्कृतिक भवन' और एक म्यूजियम बनाने जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार,2 मई- 2025

किस जाति के हो ?

जाति जनगणना की घोषणा तो हो गई लेकिन इसके बाद अब आगे क्या होने वाला है, इसे लेकर सवाल सबके मन में है। खबरों के अनुसार सरकार एक आयोग बनाने जा रही है। जिसका काम होगा कि जनगणना में किन-किन जातियों और उप-जातियों को शामिल किया जाए। केंद्रीय मंत्रिमंडल जल्द ही इस आयोग के बारे में फैसला लेने की तैयारी कर रहा है। दूसरा तरीका है कि 2011-12 की सामाजिक, आर्थिक और जाति जनगणना का इस्तेमाल किया जाए। सरकार पहले से ही एसईसीसी के डेटा का इस्तेमाल कई योजनाओं के लिए कर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और बिग डेटा एनालिटिक्स की मदद से इसे और भी बेहतर बनाया जा सकता है। इससे उपलब्ध संसाधनों को और अच्छे से इस्तेमाल किया जा सकेगा। एसईसीसी में हजारों जातियों और उप-जातियों की पहचान की गई थी। लेकिन, पहले इसे जाति की गिनती के मामले में 'खराब' बताया गया था। यह सर्वे तब हुआ था जब तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने लोकसभा में भरोसा दिलाया था कि जाति जनगणना पर विचार करेंगे। इसके बाद, इस मुद्दे पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया गया था। ज्यादातर राजनीतिक पार्टियों ने जाति जनगणना का समर्थन किया था। 2018 में मोदी सरकार ने घोषणा की थी कि 2021 की जनगणना में पहली बार अन्य पिछड़ा वर्ग का डेटा भी शामिल किया जाएगा। हालांकि, बाद में बिना किसी औपचारिक कैबिनेट फैसले के इस योजना को वापस ले लिया गया। जनगणना फॉर्म में हर जाति और उप-जाति के लिए एक कॉलम जोड़ना होगा। इसका मतलब है कि जनगणना फॉर्म में हर जाति का नाम लिखने की जगह होगी। एनडीए सरकार के कई सहयोगी दल, जैसे जनता दल (यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पार्टी, अपना दल और तेलुगु देशम पार्टी, लगातार जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे थे। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि धर्मों के अंदर के संप्रदायों को भी शामिल किया जाए। साथ ही, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के साथ-साथ ओबीसी के लिए एक अलग कॉलम जोड़ा जाए। एक और सुझाव है कि जातियों की आबादी की गणना करते समय उन्हें उप-श्रेणियों में बांटा जाए। 2021 की जनगणना कोविड-19 महामारी और 2024 के आम चुनावों के कारण स्थगित हो गई थी, अब इन नए बदलावों के साथ जनगणना होने की उम्मीद बढ़ी है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो, सरकार जाति जनगणना को लेकर गंभीर है। वो चाहती है कि जनगणना में सभी जातियों और उप-जातियों को शामिल किया जाए। इसके लिए, वो एक आयोग बनाने जा रही है और पुराने डेटा का भी इस्तेमाल करने की सोच रही है। इससे पता चलेगा कि देश में किस जाति के कितने लोग हैं और उनके लिए क्या योजनाएं बनाई जा सकती हैं। यदि यह फलीभूत हो जाता है तो इसके सुफल परिणाम आना तय है।

जातिगत जनगणना की वजह क्या बिहार चुनाव है ?

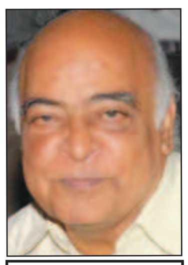

अशोक भाटिया

पहलगाम तनाव के बीच मोदी सरकार जातिगत जनगणना करवाने जा रही है, मोदी सरकार ने यह बड़ा फैसला ले लिया है। अब जब भारत और पाकिस्तान के बीच में जबरदस्त तनाव है, जब इस समय हर किसी की नजर सैन्य कार्रवाई पर है, उस बीच जातिगत जनगणना पर फैसला लेकर सरकार ने सभी को हैरान कर दिया है।केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने बुधवार को फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए। अब इस एक फैसले के मायने बड़े हैं, इसे जानकार भी गेमचेंजर मानते हैं।जनगणना के आंकड़ें संवेदनशील माने जाते हैं और इनका व्यापक असर होता है। खाद्य सुरक्षा, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम और निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन जैसी कई योजनाएं इनपर निर्भर होती हैं। आंकड़ों का उपयोग सरकारों के साथ उद्योग जगत और शोध संस्थाएं भी करती हैं। जून, 2024 तक भारत दुनिया भर में उन 44 देशों में से एक था जिन्होंने इस दशक में जनगणना नहीं कराई। इसके पहले केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने 20 जुलाई 2021 को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में कहा था कि फिलहाल केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति और जनजाति के अलावा किसी और जाति की गिनती का कोई आदेश नहीं दिया है। बताना जरूरी होगा कि भारत में जनगणना के उपलब्ध आंकड़ों से यह पता नहीं चलता कि देश में किस जाति के कितने लोग हैं। जनगणना से यह तो पता चलता है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कितने लोग हैं लेकिन ओबीसी वर्ग में कितनी जातियां हैं, इसका पता नहीं चल पाता। वैसे देश की राजनीति ऐसी रही है कि यहां पर एक जमाना ऐसा था जब कई क्षेत्रीय पार्टियों का जन्म ही जातिगत राजनीति के आधार पर हुआ। यह 1980 का दशक था जब निचली जातियों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने की बात हुई। यह अलग बात है कि मंडल कमीशन 1990 में जाकर लागू हुआ और उसने देश की राजनीति हमेशा के लिए बदल दी। अब विपक्षी पार्टियों को लगता है कि जातिगत जनगणना बीजेपी के हिंदुत्व का काट है। अगर हिंदू को ही बांट दिया गया तो बीजेपी के लिए अपनी सियासत करना मुश्किल हो जाएगा।

कुछ लोग सोच सकते हैं कि 'एक हैं तो सेफ हैं' की बात करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जातीय जनगणना के लिए तैयार कैसे हो गए? सुप्रीम कोर्ट में कास्ट सेंसस से बचने के लिए कई तरह की दलीलें केंद्र सरकार की ओर से दी गई थी। बिहार की जातीय सर्वे की खुले मंच से आलोचना की गई थी। मगर, अब हालात बदल गए हैं। महागठबंधन के साथ रहकर बिहार में कास्ट सर्वे कराने के बाद नीतीश कुमार अब नरेंद्र मोदी के पाले में हैं। वैसे, बिहार की कई योजनाओं को केंद्र सरकार ने बड़े स्तर पर स्वीकार किया है। उसमें अब बिहार का जातीय सर्वे भी शुमार हो गया।यही कारण है कि सरकार की ओर से फैसले की घोषणा के साथ फिर से राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल जहां इसे अपनी जीत बता रहे हैं वहीं भाजपा की ओर इतिहास स्पष्ट किया गया और कहा गया कि जाति जनगणना पहली बार होने जा रही है। इस फैसले के बाद एकबारगी जहां देश का ध्यान पाकिस्तान से हटकर घरेलू राजनीति पर आया वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक झटके में विपक्षी का बड़ा चुनावी मुद्दा भी छीन लिया।

दरअसल अक्टूबर-नवंबर में बिहार चुनाव है जहां विपक्षी महागठबंधन इसे ही सबसे बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी में था। अब चुनाव में श्रेय की होड़ छिड़ेगी जहां राजग की ओर से यह बताया जाएगा कि आजादी के बाद पहली बार जाति जनगणना होने जा रही है। फैसले की जानकारी देते हुए सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विभिन्न राज्यों में जाति जनगणना के नाम पर जाति सर्वे पर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने साफ किया कि संविधान के अनुच्छेद 246 की केंद्रीय सूची में जनगणना को रखा गया है, इसीलिए राज्यों ने जाति जनगणना कराने का अधिकार नहीं है।

भाजपा ने जाति जनगणना को प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बनाने वाली कांग्रेस को आड़े हाथ लिया हैं । उनके अनुसार हकीकत यही है कि कांग्रेस की सरकारों ने आज तक जाति जनगणना का विरोध किया है। इसका प्रमाण है कि आजादी के बाद सभी जनगणनाओं में जाति की गणना की ही नहीं गई। जाति जनगणना के मुद्दे को कांग्रेस व आइएनडीआइए गठबंधन दलों पर सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि मनमोहन सिंह सरकार ने 2010 में संसद में आश्वासन देने के बावजूद मनमोहन सिंह सरकार ने इसे नहीं कराया गया। जाति जनगणना पर मंत्रीमंडल समूह की संस्तुति के बावजूद मनमोहन सिंह सरकार ने सामाजिक, आर्थिक, जातीय जनगणना के नाम सिर्फ सर्वे कराया। ध्यान देने की बात है कि जातीय जनगणना 1931 में जनगणना के साथ हुई थी। इसी जातीय जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ओबीसी आरक्षण के लिए मंडल कमीशन ने 1980 में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी और तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने 1991 में इसे लागू किया था। लेकिन पिछड़ी जातियों की मौजूदा जनसंख्या जानने और उसके अनुरूप में उनके उत्थान की नीतियां बनाने के लिए जातीय जनगणना कराने की मांग जोर पकड़ रही थी।

बताया जाता है कि 2011 के सामाजिक आर्थिक और जातीय जनगणना (एसईसीसी) से सीख लेते हुए सरकार इसका स्वरूप तय करने के लिये सर्वदलीय समिति का गठन कर सकती है। 2011 की एसईसीसी में 1931 के 4147 जातियों की तुलना में 46 ।80 लाख जातियां दर्ज की गई थी।इस बार सरकार जनगणना के साथ-साथ जातीय जनगणना कराने का फुलप्रूफ माडल तैयार करना चाहती है। मुद्दे की संवेदनशीलता को देखते हुए सरकार इस पर आम राय बनाने की कोशिश कर सकती है और उसका सबसे अच्छा तरीका सर्वदलीय समिति का गठन है। जिसकी अनुसंशाओं के अनुरूप जातीय जनगणना कराई जाएगी।यहां पर कुछ जानकार तो कहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक मास्टर स्ट्रोक कदम उठा लिया है क्योंकि उन्होंने सिर्फ जाति जनगणना लागू करने की बात नहीं की है बल्कि उनकी तरफ से इस एक दांव के जरिए विपक्ष के मुद्दे को भी उनके हाथ से छीन लिया गया है। जो राहुल गांधी, जो तेजस्वी यादव लगातार अपनी हर रैली में जाति जनगणना की बात कर रहे थे, यहां तक कह रहे थे कि सरकार बनने पर सबसे पहले इसी का ऐलान किया जाएगा, अब मोदी सरकार ने समय से पहले या कहना चाहिए चुनाव से ठीक पहले विपक्ष के उस मुद्दे की धार को खत्म कर दिया है।इसके ऊपर भाजपा को एक और बड़ा फायदा होने वाला है। अभी तक तो बिहार में विपक्ष द्वारा लगातार ऐसा आरोप लगाया जा रहा था कि बीजेपी आरक्षण विरोधी है, वो आरक्षण खत्म करना चाहती है। बीजेपी के तमाम बड़े नेता रैली में इस बात का खंडन करते थे, लेकिन साथ में कोई ऐसा साक्ष्य नहीं था जो इस बात को साबित भी कर सके। इसी वजह से राहुल से लेकर तेजस्वी तक कई बार काफी तीखे वार कर चुके थे। लेकिन अब आरक्षण विरोधी वाली छवि को भी बदलने का मौका मिल चुका है, जाति जनगणना के एक ऐलान ने बीजेपी को नई संजीवनी दे दी है, पार्टी बिहार चुनाव में अब नेरेटिव अपने मुताबिक तय करेगी। यहां पर एक और समझने वाली बात यह भी है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी बिहार में अपने स्तर पर जाति जनगणना करवा रखी है। बिहार की जैसी राजनीति रही है, इतने सालों बाद भी बीजेपी जेडीयू की छोटा भाई बनकर रह चुकी है। पिछली विधानसभा चुनाव में ज्यादा सीटें मिलने के बाद भी सीएम की कुर्सी नीतीश कुमार के पास ही गई। जानकार इसका एक बड़ा कारण यह मानते हैं कि पिछड़े, अति पिछड़े और दलितों में नीतीश कुमार का दबदबा आज भी कायम है और बीजेपी वैश्य और सर्वण वोट बैंक के आधार पर ही राजनीति करने की कोशिश कर रही है। यहाँ यह भी बात ध्यान देने योग्य है कि देश का युवा आज नौकरी मांग रहा है, ग्रेजुएशन करने के बाद, तमाम डिग्री लेने के बाद भी जब वो बेरोजगार रह जाता है, उसके मन में भी कई सवाल कौंधते हैं।

पाकिस्तानी सेना में मची भगदड़

रामस्वरूप रावतसरे

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान बौखला गया है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार के मंत्री एक तरफ ऊल-जलूल बयान देने में लगे हुए हैं। वहीं, दूसरी ओर पाकिस्तानी फौज के प्रमुख असीम मुनीर से इस्तीफा मांगा जा रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में अटकलें थीं कि मुनीर देश छोड़कर भाग गए हैं। इसके अलावा बिलावल भुट्टो का परिवार भी देश छोड़कर जा चुका है। माना जा रहा है कि भारत पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई कर सकता है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकियों को ऐसी सजा देने की बात की है जो आतंकियों की कल्पना से परे होगा। जानते हैं- क्या भारत की संभावित कार्रवाई के डर से पाकिस्तानी फौज की हालत खराब हो रही है। मीडिया रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि जनरल मुनीर रावलपिंडी में एक बंकर में छिप गए हैं। इन अटकलों के बीच पाकिस्तान सरकार ने एक फोटो शेयर कर बताया कि ''सब ठीक ठाक है।'' पाकिस्तानी प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल से रविवार को एबटाबाद से एक ग्रुप फोटो पोस्ट की जिसमें प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और जनरल मुनीर आगे की लाइन में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। फोटो के साथ तारीख भी स्पष्ट रूप से कैप्शन देते हुए पाक पीएमओ ने कहा-26 अप्रैल, 2025 को प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर (एनआईएम) और पीएमए काकुल के अधिकारी एबटाबाद के पीएमए काकुल में 151वें लॉन्ग कोर्स के ग्रेजुएट अधिकारियों के साथ एक ग्रुप फोटो में शामिल हुए।

जनरल मुनीर ने एक कार्यक्रम में जहर उगलते हुए कहा था कि मुसलमान और हिंदू दो अलग-अलग मुल्क हैं। मुनीर ने इस बात पर जोर दिया था कि उनके पूर्वजों का मानना था कि हिंदू और मुसलमान जीवन के हर पहलू में भिन्न हैं। मुनीर शनिवार को खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के काकुल इलाके में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में कैडेट की पासिंग आउट परेड को संबोधित कर रहे थे। मुनीर ने कहा-द्वि-राष्ट्र सिद्धांत इस बुनियादी मान्यता पर आधारित था कि मुसलमान और हिंदू दो अलग-अलग राष्ट्र हैं, एक नहीं। मुसलमान जीवन के सभी पहलुओं- धर्म, रीति-रिवाज, परंपरा और सोच में हिंदुओं से अलग हैं।

इस बीच, पाकिस्तान की सेना के जूनियर अफसरों और रिटायर्ड जनरलों ने असीम मुनीर को इस्तीफा देने के लिए कहा है। खबरों के अनुसार अफसरों का आरोप है कि जनरल मुनीर ने सेना को राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया है। वे बदले की भावना से काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाक फौज के अफसरों की इस चिट्ठी में कहा गया है कि जनरल मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तान 1971 जैसे हालात में पहुंच गया है। 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था जिसके बाद बांग्लादेश बना था।

चिट्ठी में लिखा है-यह पाकिस्तान की सेना की आवाज है- कर्नल, मेजर, कैप्टन और जवान- जिन्होंने आपको हमारी संस्था, हमारे देश और हमारी इज्जत को मिट्टी में मिलाते हुए देखा है.... आपका समय खत्म हो गया है। जल्द से जल्द इस्तीफा दें वर्ना हम आपसे वह छीन लेंगे जो आपने हासिल किया है भले ही आपसे जबरदस्ती ही क्यों न करनी पड़े। पाकिस्तान की सेना पर लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि वह राजनीतिक फायदे के लिए काम करती है। ऐसे में यह देखने वाली बात है कि क्या मुनीर के खिलाफ ही फौज खड़ी हो चुकी है? या पाकिस्तानी फौज में विद्रोह होने वाला है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद अब हर कोई ये कह रहा है कि मुनीर का हाल भी वही होना है जो जनरल मुशर्रफ और याह्या खान का हुआ था। याह्या खान ने पाकिस्तान की सत्ता पूर्व तानाशाह अयूब खान का तख्तापलट करके हथियाई थी। हुकूमत में आने के बाद याह्या खान ने पूरे पाकिस्तान में मार्शल ला लगा दिया था। 1971 में भारत से करारी हार और बांग्लादेश बनने के बाद याह्या खान को नजरबंद कर दिया गया था। याह्या खान की तरह ही जनरल परवेज मुशर्रफ ने भी नवाज शरीफ का तख्तापलट करके सत्ता हथियाई थी। जनरल मुशर्रफ का भी पतन ऐसा हुआ कि पाकिस्तान के खलनायकों में एक और बदनाम शख्स का नाम जुड़ गया। भारत से दुश्मनी मोल लेकर अब जनरल मुनीर भी अपना नाम पाकिस्तान के उन्हीं बदनाम जनरलों के काले रजिस्टर में लिखवाने जा रहे हैं।पाकिस्तान के सिर पर मंडराते खतरे का एहसास आसिम मुनीर को भी हो चुका है। पाकिस्तानी सेना में भारत से जंग को लेकर ऐसा खौफ है कि रातों-रात मुनीर ने अपने परिवार के सभी सदस्यों को ब्रिटेन और अमेरिका के शहरों में भेज दिया। इसके अलावा पाकिस्तानी आर्मी के कई बड़े अधिकारी भी अपने परिवारों को विदेश भेज चुके हैं। ये डर बताता है कि लंबी-चौड़ी डींग हांकने वाले पाकिस्तानी जनरल से लेकर पूरे पाकिस्तान के लिए आने वाले दिन अच्छे नहीं हैं।

मुनीर और उनके लोग पाकिस्तान के चारों प्रांतों में निशाने पर हैं। बलूचिस्तान में बलोच विद्रोही उन पर भारी पड़ रहे हैं तो खैबर-पख्तूनख्वा में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) मनमाने ढंग से हमले कर रहा है। सिंध में एक नहर परियोजना ने लोगों को सड़कों पर ला दिया है और पंजाब में पूर्व पीएम इमरान खान को जेल भेजे जाने से लोग गुस्से में हैं। 2007 की तरह जब पाकिस्तान के सैन्य तानाशाह परवेज मुशर्रफ को बढ़ते प्रतिरोध और हत्या के प्रयासों का सामना करना पड़ा, आज पाकिस्तानी सेना घरेलू अशांति और जनता के घटते भरोसे से जूझ रही है।

मुनीर एक मुसलमान हैं और उन्हें धर्म के मामले में एक रूढ़िवादी व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने इस्लामी चरमपंथ के खिलाफ लड़ने और पाकिस्तान के धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए एक सुरक्षित राष्ट्र देने की आवश्यकता पर बल दिया है हालांकि, पेंटागन के अधिकारी माइकल रुबिन ने मुनीर की तुलना ओसामा बिन लादेन से की और आरोप लगाया कि मुनीर ने 2025 के पहलगाम हमले को मंजूरी दी थी। मुनीर के परिवार को स्थानीय रूप से हाफिज़ परिवार के रूप में जाना जाता है क्योंकि इसके कई सदस्यों को पूरे कुरान को कंठस्थ करने के लिए जाना जाता है जिसमें मुनीर भी शामिल हैं जिन्होंने सऊदी अरब में लेफ्टिनेंट-कर्नल के रूप में अपनी पोस्टिंग के दौरान ऐसा किया था।

आईना और अतीत की पहचान डीएनए से झाँकती है

प्रो. आरके जैन

कभी रात की गहरी ख़ामोशी में एक अनजानी धुन आपके दिल को थाम लेती है? कोई पुरानी गंध, कोई धुंधली सी छवि, या किसी पत्थर का ठंडा स्पर्श आपको अचानक ऐसी स्मृतियों में खींच ले जाता है, जो आपकी नहीं, फिर भी आपसे जुदा नहीं। जैसे कोई अनदेखा रिश्ता, कोई सदियों पुराना बंधन आपके जीन में साँस ले रहा हो। यह कोई ख़याल नहीं, कोई संयोग नहीं — यह आपके डीएनए का वह अमर गीत है, जो हज़ारों सालों से गूंज रहा है। आपके खून में, आपके हर कोशिका में, एक ऐसा इतिहास लिखा है, जो न सिर्फ़ आपके पूर्वजों का है, बल्कि आपके होने की वजह है। तो चलिए, एक ऐसी यात्रा पर, जो न सिर्फ़ रोमांच से भरी है, बल्कि हमें हमारे वजूद की गहराइयों में ले जाती है — वहाँ, जहाँ हम सिर्फ़ इंसान नहीं, बल्कि एक जीवंत महाकाव्य हैं।

हम इतिहास को किताबों की धूल भरी पन्नों में, टूटी-फूटी मूर्तियों में, या पुराने क़िलों की दीवारों पर खोजते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा कि सबसे सच्चा, सबसे ज़िंदा इतिहास आपके भीतर धड़क रहा है? आपके खून का हर कतरा सिर्फ़ ज़िंदगी नहीं ढोता — वह सदियों के प्रेम, संघर्ष, हँसी, और आँसुओं का ख़ज़ाना है। यह खून किसी राजा का हो सकता है, जो सोने के तख़्त पर बैठकर दुनिया जीतने के सपने देखता था। यह किसी जंगल के शिकारी का हो सकता है, जो चाँदनी रात में तीर साधता था। यह किसी रेशमी साड़ी में लिपटी रानी का हो सकता है, या किसी किसान का, जिसने सूरज की तपिश में खेतों को अपने पसीने से सींचा। विज्ञान इसे जीनोमिक इनहेरिटेंस का नाम देता है, लेकिन यह उससे कहीं ज़्यादा है — यह एक ऐसी कहानी है, जो आपके जीन में लिखी है, और हर पल आपके ज़रिए जी रही है।

आज की जेनेटिक्स ने एक चौंकाने वाला राज़ खोला है: हमारी भावनाएँ, हमारी आदतें, यहाँ तक कि हमारे डर भी, हमारे पूर्वजों की देन हैं। इसे एपीजेनेटिक मेमोरी कहते हैं — स्मृतियाँ, जो दिमाग में नहीं, बल्कि जीन में बसी होती हैं। शोध बताते हैं कि हमारे पुरखों ने जो दर्द, जो आघात झेले — युद्ध की त्रासदी, भुखमरी की पीड़ा, या उत्पीड़न का ज़ख़्म — वे जीन के ज़रिए हम तक पहुँचते हैं। 2018 में नेचर जर्नल में छपा एक अध्ययन कहता है कि तनाव झेलने वाले चूहों के बच्चों में बिना किसी कारण चिंता के लक्षण दिखे। इंसानों पर हुए शोध, जैसे हॉलैंड के हंगर विंटर (1944-45) के अध्ययन, बताते हैं कि भुखमरी से गुज़री माताओं के बच्चों में मधुमेह और हृदय रोगों का ख़तरा बढ़ा। लेकिन यह सिर्फ़ शरीर की बात नहीं — यह भावनाओं की विरासत है। अगर आपके परनाना ने किसी युद्ध में अपने प्रियजनों को खोया, तो उस दर्द की हल्की सी गूँज आज भी आपके भीतर कहीं ज़िंदा है। यह विचार दिल दहलाने वाला है या रोमांच से भरा? शायद दोनों। क्योंकि इसका मतलब है कि हम सिर्फ़ अपने नहीं—हम अपने भीतर अनगिनत अनजाने चेहरों की स्मृतियों का ख़ज़ाना लिए घूमते हैं। कभी बेवजह का डर, किसी रंग या सुगंध से अनजाना लगाव, किसी आवाज़ से बेचैनी—ये सब उस गुज़रे ज़माने के चिन्ह हो सकते हैं, जो हमारे जीन में अब भी साँस लेते हैं। जब आप किसी अनजानी ज़मीन पर खड़े होकर महसूस करते हैं, मैं यहाँ पहले आ चुका हूँ, तो शायद यह आपका डीएनए है, जो आपको आपके पूर्वजों की की ज़मीन से जोड़ रहा है। हम इतिहास को पुरानी किताबों और टूटी कब्रों में तलाशते हैं, मगर सबसे प्राचीन कथा तो हमारे जीन की कोशिकाओं में साँस लेती है। जब कोई बच्चा बिना सिखाए अनोखा हुनर दिखाता है, और माँ-बाप मुस्कुराते हुए कहते हैं, ये तो दादाजी पर गया है, वे अनजाने में उस वंशानुगत स्मृति को आवाज़ दे रहे होते हैं। यह स्मृति सिर्फ़ गुणों की नहीं, भावनाओं की भी गवाह है। विज्ञान खुलासा करता है कि जिनके पूर्वज भुखमरी, गुलामी, या युद्ध जैसे कष्टों से गुज़रे, उनके वंशजों में बिना कारण चिंता या भविष्य की आशंका ज़्यादा देखी जाती है। यह जीन का वह गुप्त कोड है, जो सदियों पुराने दर्द को आज भी जीवित रखता है। जब कोई कहता है, मैं अपनी जड़ों से जुड़ना चाहता हूँ, तो वह महज़ सांस्कृतिक यात्रा पर नहीं निकलता—वह अपने डीएनए की रहस्यमयी गहराइयों में गोता लगाता है। यही कारण है कि आज दुनिया भर में लोग डीएनए टेस्ट के ज़रिए अपनी उत्पत्ति का सच खोज रहे हैं। यह खोज सिर्फ़ जगहों की नहीं, हमारे वजूद की है। हम कौन हैं? यह सवाल अब केवल दार्शनिक नहीं, बल्कि विज्ञान की चौखट पर भी दस्तक देता है।

अगर एक दिन आपको पता चले कि आपके जीन में किसी अनजान मुल्क, संस्कृति, या समुदाय की रहस्यमयी छाप छिपी है, तो क्या होगा? क्या आप वही रहेंगे, जो आज हैं? या शायद हमारी पहचान कोई स्थिर चित्र नहीं, बल्कि एक जीवंत नदी है—सदियों से हमें गढ़ती, मिटाती, और नए रंगों में रंगती हुई। डीएनए चुपके से खुलासा करता है कि मानव इतिहास कोई खंडित कहानियों का पुलिंदा नहीं—न जातियों का, न रंगों का, न सरहदों का। यह एक विशाल समंदर है, जिसमें हम सब एक बूँद हैं।

नौजवानों से आएगी विकास की वैचारिक क्रांति

संजीव ठाकुर

स्वामी विवेकानंद सदैव युवा शक्ति के प्रेरणा स्रोत रहे हैं।उन्होंने कहा है की मुझे कुछ साहसी और ऊर्जावान युवा पुरुष मिल जाए, तो मैं देशभर में क्रांति ला सकता हूं।

स्वतंत्रता के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी और कर्तव्यों से युवा ऊर्जावान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने और उन पर सदैव भरोसा करने वाली नीतियां बनाते आए हैं। और हमेशा युवाओं पर भरोसा किया है। स्वतंत्रता संग्राम में भी मंगल पांडे ,लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, अशफाक उल्ला खान, राम प्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस आदि युवाओं ने अपना सब कुछ न्योछावर कर देश को आजादी दिलाई थी। स्वतंत्रता के बाद भी भारत पर पाकिस्तान और चीन ने अनावश्यक आक्रमण कर भारत पर मानसिक दबाव डालना चाहा,पर भारत के नौजवान सैनिकों ने जिस साहस और वीरता के साथ सामना कर विजय प्राप्त की थी वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं आदर्श का कार्य है। कारगिल युद्ध में भी भारत के नौजवान अधिकारी, सैनिकों ने पाकिस्तान को हराकर एक विजय गाथा लिखी थी। पेरिस ओलंपिक में भी नीरज चोपड़ा ने सिल्वर, मनु भाकर ने दो ब्रांज और विनेश फोगाट ने सेमीफाइनल में विश्व चैंपियन को हराकर भारत के युवा लोगों का दिशा दर्शन किया है। भारत के युवा गौरव की विजय गाथा किसी से छुपी नहीं है।

भारत के युवा लोगों ने बुजुर्ग विद्वानों, दार्शनिकों और वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में देश भक्ति के अलावा अध्यात्म, धर्म,साहित्य, विज्ञान,कृषि तथा उद्योगों में पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया है।

भारत के युवाओं ने यूरोप में अपने परिश्रम और लगन इमानदारी से अपना परचम फैलाया है। मैक्स मूलर ने ली भारत की युवा शक्ति की सराहना करते हैं भारत को एक युवा इस निरूपित कर भविष्य की असीम संभावनाओं की ओर इंगित किया है। भारत एक युवा राष्ट्र है ।और उसमें असीम संभावनाएं अंतर्निहित हैं ।वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा शक्ति को चिन्हित कर सभी युवाओं का आह्वान कर युवा शक्ति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। और यही कारण है की युवा शक्ति के साहस और संकल्प में जापान ओलंपिक 2020 में 7 मेडल लाकर एक इतिहास रचा है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने भी लिखा है कि भारत की महान उपलब्धियों में देश की युवा शक्ति का बहुत बड़ा योगदान है। आज आई, आई, एम, आई,आई,टी, ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट तथा देश के अन्य शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े छात्र छात्राओं के शोध और अविष्कार के चलते भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवा सोच और दृढ़ संकल्प लें भारत के युवाओं में एक ऊर्जा प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान किया है। यह अलग मुद्दा है कि स्वतंत्रता के बाद हमारी शिक्षा नीति ने लाखों बेरोजगार लोगों को जन्म दिया है । बेरोजगारी के दंश ने युवा शक्ति को काफी पीछे धकेल दिया है। पर नई शिक्षा नीति के आने से युवा अपने रोजगार तलाशने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। भारत की विशाल जनसंख्या एक बड़ा रुकावट का कारण भी है। और यदि युवा संकल्प लें तो अपना निजी उद्योग और निजी व्यवसाय कर के भारत राष्ट्र को एक नई दिशा तथा सन्मार्ग प्रदान कर सकते हैं। 1979 में जयप्रकाश नारायण ने युवा शक्ति को लेकर एक बड़ा आंदोलन चलाया था। और बिहार में सत्ता परिवर्तन की हुआ था। हरिवंश राय बच्चन ने भी अपनी कविताओं में युवाओं को समझाइश दी थी,

सामने तेरे खड़ा है युग का जुआ।

(यहां जुआ उस लकड़ी को कहते हैं जो हल चलाने के दौरान बैलों के कंधों पर रखी जाती है) सच में देश का युवा वर्ग जाग जाए और रचनात्मक कार्यों में जुड़ जाए तो देश को समृद्ध उन्नत होने से कोई नहीं रोक सकता। हमें और हमारे युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और विवेकानंद से सीख लेकर भारत को एक नए युग की ओर ले जाना चाहिए।

नए ज़माने की सोच

डॉ टी महादेव राव

छोटू! कुछ दिनों से दिखाई नहीं पड़ रहे थे क्या हुआ? दफ्तर के दौरे पर गया हुआ था। उसके बाद साले की शादी के लिए लड़की देखने रायपुर गए हुए थे, इसलिए आपसे नहीं मिल पाया।

क्या हुआ शादी तय हो गई?

अभी तय नहीं हुई है भैया! पहले के दिनों में लड़के वाले दहेज के लिए अड़ जाते थे। आजकल लड़कियों के मां बाप विपरीत सिद्ध कर रहे हैं कि उन्हें दहेज दिया जाए और वह भी सोने के रूप में। बात अटकी हुई है भैया!

हां लड़कियों की मांगें भी जायज है क्योंकि मांग और पूर्ति के नियम की बात करें तो जहां एक हजार लड़के हैं वहीं नौ सौ पैतालीस लड़कियां ही है जैसा आंकड़े बताते हैं। बचे पचपन या तो अब्दुल कलाम हो जाते हैं या अटल बिहारी वाजपेई या योगी इसी तरह कोई अविवाहित महान व्यक्तियों में शामिल हो जाते हैं। जो नौ सौ पैतालीस लोग हैं बच्चों और बीवियों की झिक झिक से हैरान परेशान अपने काम में लगे रहते हैं,ताकि परिवार का भरण पोषण हो सके।

लेकिन इससे महिलाओं को या लड़कियों को दहेज देने की बात का क्या तुक है? क्या संबंध है? संख्या कम है तो कम है ज्यादा है तो ज्यादा है। बस। इसमें क्या रीति रिवाज टूट जाएंगे?

छोटू! कभी-कभी शांत दिमाग से भी सोच लिया करो। हमारे नेताओं की तरह भड़कने से कुछ नहीं होगा। मांग और पूर्ति का नियम कहता है जब पूर्ति कम होती है तो मांग बढ़ती है। इसी तरह जब लड़कियां कम हैं तो स्वाभाविक है कि उनकी मांगें बढ़ेंगी और उसके अनुसार आपको अपना व्यवहार करना होगा।

मतलब आपकी नजर में दहेज लेना पाप नहीं है? दहेज लेने की बात सही गलत और पाप पुण्य...?तुमने शादी की तब रूपा के मां-बाप से लंबा चौड़ा दहेज लिया था तब तुम्हें यह गलत और सही का एहसास नहीं था। जब दहेज के नाम पर दुल्हनों को जलाया जाता था या उन्हें मार दिया जाता था या यातनायें दी जाती थीं, तब तुम्हारा यह पाप और पुण्य का सिद्धांत सही गलत का, की व्याख्या कहां चली गई थी छोटू?

भैया! आप ना कभी-कभी दुश्मनों जैसी बातें करने लगते हैं! अब देखिए मेरा साला भी इस लड़की की तरह सॉफ्टवेयर इंजीनियर है तो दोनों के वेतन से घर चलेगा यहां तक तो ठीक है लेकिन उन लोगों ने तीस तोला सोना, एक निजी सुसज्जित मकान और महंगी कर की मांग की है। वह क्या दें और क्या न दे।

तुम तैश में जल्दी आ जाते हो। सब्र करना सीखो। भेड़ों के झुंड और आदमी के आवेश में अंतर है न? ठीक है। बातचीत करने से पहले लड़का लड़की को अलग से अकेले मिलने दो अगर एक दूसरे को पसंद करते हों तो ही। बीच में बुजुर्ग न पड़ें।

अलग रहें। अपनी भावी जिंदगी के लिए उन्हें प्लान करने दो, योजना बनाने दो। बुजुर्गों और आज के युवाओं की सोच का अंतर अच्छे परिणाम दे सकता है। एक बार मेरी बात मानकर देखो। दहेज, कार, घर, सोना इनका क्या होगा?

छोटू! यह सोचकर काम करो कि अंतिम प्रयास के रूप में लड़का और लड़की की मीटिंग करवाओ। हुआ तो हुआ नहीं तो नहीं।

दूसरे दिन सुबह की सैर में छोटू बड़ा खुश दिखाई दे रहा था।

बता रहा था कि बुजुर्गों की सोच से अलग दोनों युवाओं ने शादी करने और साथ रहने का फैसला लिया वह भी बिना कोई दहेज और सोने के।

बाली ने दुंदुभि को हराया, रावण को 6 महीने कांख में दबाया

रामायण में किष्किंधा के राजा बाली का वर्णन मिलता है। वह वानर साम्राज्य का बहुत ही बलशाली शासक था। उसके सामने बड़े से बड़े योद्धा नहीं टिक पाते थे। उसने अपने बल के दम पर दुंदुभि नामक राक्षस का वध कर दिया, तो लंका के राजा रावण को अपनी कांख में 6 महीने तक दबाकर रखा। उसके बल के भय से रावण ने बाली से मित्रता कर ली थी। बाली अपने बल के कारण घमंड से चूर रहता था। एक बार उसका सामना राम भक्त वीर हनुमान से हुआ, फिर जो घटना घटी, वह आप भी जान लीजिए।

विशेष वरदान ने बाली को बनाया महाबलशाली

बाली बेहद ही शक्तिशाली वानर था। वह जिससे लड़ता था, उसकी आधी शक्ति बाली में समा जाती थी और आधी शक्ति खत्म हो जाती है। ऐसा इसलिए होता था क्योंकि उसे अपने पिता सूर्य देव से एक विशेष हार मिला था, जो सोने का बना था। उस सोने के हार को ब्रह्मा जी ने मंत्रों से अभिमंत्रित करके वरदान दिया कि जब भी तुम इसे पहनकर किसी से युद्ध करोगे, तो उसकी आधी शक्ति तुम्हारे अंदर आ जाएगी।

सोने की हार ने बाली को बना दिया अजेय

ब्रह्मा जी के वरदान की वजह से बाली अजेय हो गया था। वह जब भी किसी से लड़ने जाता तो अपने गले में सोने की हार पहन लेता था। इसकी वजह से ही उसने रावण, दुदंभी जैसे बलशाली असुरों पर विजय प्राप्त की थी। बाली जब सुग्रीव से लड़ता है तो वह अपने छोटे भाई को बुरी तरह से मारता है। उसके प्रहारों से सुग्रीव के प्राण निकल जाते, यदि भगवान राम बीच में नहीं आते।

जब हनुमान जी से युद्ध करने आया बाली

बाली और वीर हनुमान के बीच युद्ध की कथा मिलती है। कहा जाता है कि एक बार हनुमान जी एक वन में बैठकर प्रभु राम के नाम का जाप कर रहे थे। उसी वन में बाली पहुंचा, वह अपने बल के घमंड में जीवों को प्रताड़ित करने लगा। उसने कहा कि संसार में कोई ऐसा नहीं है, जो उससे लड़ सके। वह अपने बल का प्रदर्शन करते हुए लोगों को ललकार रहा था। वहीं पर हनुमान जी तपस्या कर रहे थे, उसके शोर-शराबे से उनकी तपस्या में बाधा पहुंच रही थी। वे बाली के पास गए और उससे कहा कि वानरराज आप बहुत बलशाली हैं, आपको कोई हरा नहीं सकता है। आपका पराक्रम सारा संसार जानता है। लेकिन आप वन में इस प्रकार से व्यवहार क्यों कर रहे हैं?

बाली ने वीर हनुमान को दी चुनौती

हनुमान की बातें सुनकर बाली ने कहा कि आजतक उसे कोई पराजित नहीं कर पाया है। तुम जिसकी भक्ति करते हो, वो भी युद्ध में जीत नहीं सकते। यह बात सुनकर वीर हनुमान क्रोधित हो गए क्योंकि बाली ने प्रभु राम का अपमान किया था। हनुमान ने बाली से युद्ध करने की चुनौति स्वीकार कर ली। दोनों के बीच युद्ध का समय तय हो गया।

आपने भी घर की छत पर बनवाई है टॉयलेट?

4 पॉइंट्स में समझे जीवन को कैसे करता है प्रभावित

आजकल शहरों और कस्बों में जगह की कमी के कारण लोग घर में हर खाली स्थान का इस्तेमाल करना चाहते हैं। कई बार इसी वजह से लोग घर की छत पर भी टॉयलेट बनवा लेते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा करना सही है या गलत? पुराने समय से ही हमारे बड़े बुजुर्ग घर के निर्माण में वास्तु के नियमों का ध्यान रखने की सलाह देते आए हैं।

छत का वास्तु में महत्व

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की छत सिर्फ एक ढांचा नहीं होती बल्कि यह घर की ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होती है। छत को खुले आकाश और ब्रह्मांडीय शक्तियों का संपर्क स्थल माना जाता है। यहां से सकारात्मक ऊर्जा घर के भीतर आती है और पूरे वातावरण को प्रभावित करती है। ऐसे में छत का उपयोग गलत तरीके से करना घर की ऊर्जा को बिगाड़ सकता है।

2। छत पर टॉयलेट बनाने के नुकसान

वास्तु शास्त्र में टॉयलेट को घर की नकारात्मक ऊर्जा का स्रोत माना गया है। टॉयलेट से निकलने वाली ऊर्जा आसपास के माहौल पर बुरा असर डाल सकती है। जब टॉयलेट को घर की सबसे ऊपरी जगह यानी छत पर बनाया जाता है तो यह सीधी टकराहट सकारात्मक ऊर्जा से होती है। इसका असर घर के सभी सदस्यों पर पड़ता है।

रिश्तों में कड़वाहट

छत पर टॉयलेट बनवाने से परिवार में तनाव, बीमारी, धन हानि और रिश्तों में कड़वाहट जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। खास तौर पर आर्थिक परेशानी का खतरा ज्यादा रहता है क्योंकि धन के प्रवाह में रुकावट आने लगती है। कई बार बिना कारण खर्चे बढ़ जाते हैं और आमदनी पर असर पड़ता है।

मानसिक और शारीरिक असर

छत पर टॉयलेट बनवाने से घर में मानसिक तनाव का माहौल बन सकता है। परिवार के सदस्यों के बीच बहस और गलतफहमियां बढ़ सकती हैं। लगातार नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव में रहने से थकान, चिड़चिड़ापन और बीमारी जैसे हालात पैदा हो सकते हैं। यह असर बच्चों की पढ़ाई और बड़ों के कामकाज पर भी बुरा प्रभाव डाल सकता है।

बच्चे की सफलता के लिए माता-पिता करें ये उपाय

माता-पिता अपनी संतान की सफलता के लिए अनेक प्रयास करते हैं। कड़ी मेहनत करते हैं, दुआ करते हैं और यह कामना करते हैं कि उनके बच्चे जीवन में आगे बढ़ें। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि माता-पिता अगर कुछ विशेष उपाय करें तो न केवल उनके अपने कर्म सुधरते हैं, बल्कि उनकी संतान की किस्मत भी बेहतर होती है। दरअसल, माता-पिता के ग्रहों का सीधा संबंध बच्चों के भाग्य से होता है। माता-पिता के पूर्व जन्म के पुण्य या कर्म, इस जन्म में संतान के रूप में प्रकट होते हैं। इसलिए जब माता-पिता पूजा-पाठ, उपासना और प्रार्थना करते हैं तो उनके कर्म सकारात्मक होते हैं और इसका असर सीधा उनके बच्चों की उन्नति पर पड़ता है।

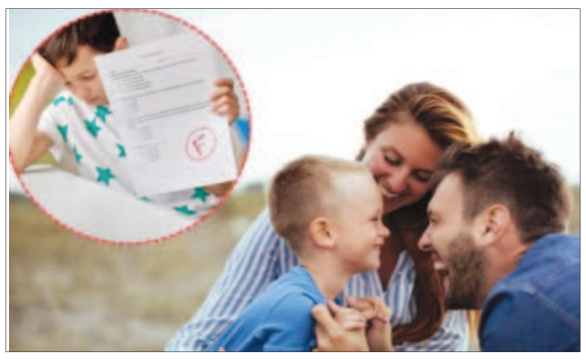

अगर बच्चा पढ़ाई कर रहा है तो

आपका बच्चा पढ़ाई कर रहा है तो माता-पिता में से कोई एक बच्चे के लिए रोज़ सुबह हनुमान चालीसा का पाठ करे। सप्ताह में एक बार बच्चे को किसी धर्मस्थल पर ले जाएं। यह छोटा सा उपाय बच्चे की पढ़ाई और जीवन में तरक्की के रास्ते खोल सकता है।

अगर बच्चा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करा रहा है

प्रतिदिन सुबह सूर्य देव को जल अर्पित करें और प्रयास करें कि बच्चा भी यह करे। हर शनिवार को बच्चे के हाथ से अनाज दान करवाएं। माता या पिता में से कोई एक रोज सुबह 'ॐ नमः शिवाय' का 108 बार जाप करें और अपने बच्चे की सफलता की प्रार्थना करें। नियमित रूप से यह उपाय करने से प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

अगर संतान करियर-व्यापार में संघर्ष कर रही है

माता-पिता बच्चे के लिए शनिदेव की नियमित पूजा करें। रोज सुबह और शाम 108 बार 'ॐ शं शनैश्चराय नमः' मंत्र का जाप करें। हर शनिवार पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं। शनिवार को किसी पशु को घर की बनी रोटी खिलाएं। इसके बाद प्रार्थना करें कि आपकी संतान को करियर में सफलता मिले। यह उपाय निरंतर करते रहने से संतान को निश्चित रूप से सफलता मिलने लगेगी।

अगर संतान का विवाह नहीं हो पा रहा

रोज सुबह संतान के नाम से भगवान विष्णु को पीले फूल अर्पित करें और एक बार विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें या उसे सुनें। घर में मांस-मदिरा का पूर्ण रूप से त्याग करें। हर दिन प्रार्थना करें कि आपके पुत्र या पुत्री का विवाह शीघ्र और अच्छे से हो। इस उपाय को नियमित रूप से करने से विवाह संबंधी बाधाएं दूर होती हैं।

महाभारत: कैसे द्रौपदी हमेशा बनी रहीं 16 साल की अक्षत यौवना

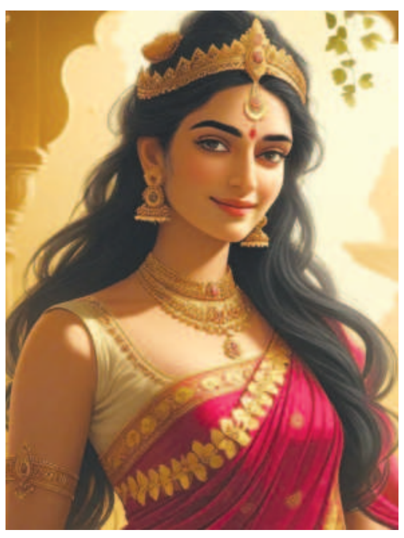

महाभारत में अगर किसी सुंदरी की सुंदरता की सबसे ज्यादा तारीफ की गई तो वो द्रौपदी थीं। जिन्हें ताउम्र अप्रतिम सुंदर और सदाबहार जवान रहने के लिए एक खास वरदान मिला हुआ था। इसी तरह जब वह पैदा हुईं तो एक भविष्यवाणी भी हुई। द्रौपदी को हमेशा महाभारत की अनिंद्य सुंदरी माना गया।

महाभारत काल में कई स्त्रियों की सुंदरता की तारीफ की जाती है लेकिन जब बात द्रौपदी की आती है तो राय एक जैसी हो जाती है कि द्रौपदी जैसी अप्रतिम सुंदरी कोई नहीं थी। जिसमें एक दिव्य ओज था। जब द्रौपदी का जन्म हुआ, तो एक आकाशवाणी हुई कि "यह कन्या समस्त स्त्रियों में श्रेष्ठ होगी। तमाम क्षत्रियों के विनाश का कारण बनेगी"।

क्या हुई थी जन्म के समय भविष्यवाणी

जैसे ही द्रौपदी यज्ञकुंड से प्रकट हुईं, यह घोषणा हुई कि उनका जन्म विशेष रूप से क्षत्रिय वंशों के विनाश और महाभारत के युद्ध के कारण के तौर पर हुआ है।

यह भविष्यवाणी महाभारत के आदिपर्व में द्रौपदी जन्म प्रसंग में दी गई है। भाई धृष्टद्युम्न के साथ उनका जन्म अग्निकुंड से हुआ था। दोनों के जन्म के साथ ही उनके जीवन के उद्देश्य की घोषणा आकाशवाणी के रूप में की गई थी।

अग्निकुंड से पैदा होने के कारण दिव्य सुंदरता

चूंकि द्रौपदी अग्निकुंड से पैदा हुईं थीं, लिहाजा उनकी सुंदरता में भी खास चमक थी। उनकी सुंदरता को अद्वितीय और दिव्य माना गया। उन्हें दिव्य सौंदर्य की देवी के समान बताया गया। महाभारत के आदिपर्व और सभापर्व में द्रौपदी की सुंदरता को लेकर जो कहा गया, वो मुख्य तौर पर ये है –

– उनका रंग सांवला (कृष्णवर्ण) था, आंखें बड़ी, काली और कमल की पंखुड़ियों सरीखी।

– उनके बाल नीले-काले, लंबे और घुंघराले थे।

– उनके नाखून सुंदर, उभरे हुए और तांबे जैसे चमकीले थे।

– उनकी भौंहें सुंदर और छाती गहरी थीं।

– उनकी कमर पतली और शरीर सुडौल था

– उनके शरीर से नीले कमल जैसी सुगंध निकलती थी, जो दूर तक महसूस की जा सकती थी। जहां से भी गुजरतीं थीं, वहां विशेष आकर्षण और सुगंध छोड़ जातीं थीं।

– उनके चेहरे पर अग्नि से उत्पन्न तेज था, जो उन्हें और भी आकर्षक बनाता था।

वेदव्यास ने कौन सा वरदान दिया

द्रौपदी की सुंदरता इतनी अनुपम थी कि उन्हें देखकर अन्य स्त्रियां साधारण लगती थीं। उनकी सुंदरता की तुलना अप्सराओं और लक्ष्मी से की गई। महर्षि वेदव्यास से उन्हें यह वरदान भी प्राप्त था कि वे हर बार कौमार्य (यौवन) को फिर से लेती थीं, जिससे उनका रूप सदैव 16 वर्ष की कन्या जैसा बना रहता था।

जब एक पांडव से दूसरे के पास जातीं तो क्या होता था

इस वरदान के अनुसार, द्रौपदी जब भी एक पति (पांडव) से दूसरे पति के पास जाती थीं, तो उनका कौमार्य फिर लौट आता था। इसका अर्थ यह था कि पांच पतियों की पत्नी होते हुए भी द्रौपदी का कौमार्य हर बार अक्षुण्ण बना रहता था।

कौरव भी थे दीवाने

द्रौपदी की सुंदरता इतनी आकर्षक थी कि कई राजाओं और योद्धाओं ने उन्हें पाने की इच्छा की। दुर्योधन से लेकर कर्ण तक उनके स्वयंवर में गए। स्वयंवर में मौजूद सभी राजाओं की निगाह उन पर टिक जाती थी। दुर्योधन तो इस कदर उस पर मोहित था कि जब द्रौपदी को द्यूत क्रीड़ा (जुए) में हारकर कौरव सभा में लाया गया तो दुर्योधन ने उसका अपमान करते हुए भी उसकी सुंदरता की तारीफ की।

दुःशासन ने द्रौपदी का चीरहरण करने का प्रयास किया लेकिन वह भी द्रौपदी के प्रति आकर्षित था। सुंदरता से प्रभावित था, लेकिन उसका व्यवहार घृणित और हिंसक था। कुछ अन्य कौरव भी द्रौपदी की सुंदरता से आकर्षित थे, लेकिन उन्होंने खुलकर इसका प्रदर्शन नहीं किया।

बुद्धिमान और चतुर भी

महाभारत में कई महिलाओं ने अपनी बहादुरी का परिचय दिया, लेकिन सबसे ज्यादा बहादुर महिला द्रौपदी को माना जाता है। द्रौपदी ने हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। वह इतनी बुद्धिमान और चतुर थीं, उन्होंने कई बार अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करके पांडवों को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला। द्रौपदी का पांच पतियों के साथ जीवन जीना और हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखना उनकी असाधारण समझ और बहादुरी दोनों को दिखाता है।

इसी वजह से वो पंचकन्या थीं

इस वरदान के कारण द्रौपदी को "पंचकन्या" में भी शामिल किया गया। उनकी दिव्यता और सुंदरता की चर्चा देवताओं और अप्सराओं तक में होती थी। वह नृत्य, गायन, पाकशास्त्र, राजनीति आदि में निपुण थीं।

कल मनाई जाएगी गंगा सप्तमी

बन रहे हैं 3 दुर्लभ संयोग, जानिए शुभ मुहूर्त और महत्व

गंगा सप्तमी हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है। यह पर्व हर साल वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि के दिन मनाया जाता है। मान्यता है इस दिन ही देवी गंगा का प्राक्ट्य हुआ था। यही कारण हर साल इस तिथि पर लोग गंगा स्नान कर मां गंगा की पूजा अर्चना करते हैं। आपको बता दें कि इस साल यह त्योहार 3 मई, 2025 दिन शनिवार को मनाया जाएगा। ऐसे में आइए जानते हैं गंगा सप्तमी के दिन स्नान-दान का शुभ मुहर्त और दुर्लभ संयोग। वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरूआत 3 मई को 7:52 मिनट पर शुरु होगी, जो अगले दिन 4 मई को सुबह 4:19 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। हिन्दू धर्म में उदयातिथि का विशेष महत्व होता है, इस लिहाज से गंगा सप्तमी 3 मई को मनाई जाएगी।

इस दिन त्रिपुष्कर, रवि और शिव वास योग बन रहा है

गंगा सप्तमी हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है। यह पर्व हर साल वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि के दिन मनाया जाता है। मान्यता है इस दिन ही देवी गंगा का प्राक्ट्य हुआ था। यही कारण हर साल इस तिथि पर लोग गंगा स्नान कर मां गंगा की पूजा अर्चना करते हैं। आपको बता दें कि इस साल यह त्योहार 3 मई, 2025 दिन शनिवार को मनाया जाएगा। ऐसे में आइए जानते हैं गंगा सप्तमी के दिन स्नान-दान का शुभ मुहर्त और दुर्लभ संयोग।

गंगा सप्तमी का शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरूआत 3 मई को 7:52 मिनट पर शुरु होगी, जो अगले दिन 4 मई को सुबह 4:19 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। हिन्दू धर्म में उदयातिथि का विशेष महत्व होता है, इस लिहाज से गंगा सप्तमी 3 मई को मनाई जाएगी।

गंगा सप्तमी स्नान-दान शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस दिन गंगा स्नान के लिए शुभ मुहूर्त 10:58 मिनट से 1:38 मिनट तक है। इस मुहूर्त में आप स्नान करने के बाद जरूरतमंदों को दान आदि भी कर सकते हैं। इससे देवता और पितर प्रसन्न होते हैं।

गंगा सप्तमी के दिन आप स्नान करके सुख-समृद्दि की प्राप्ति कर सकते हैं। मान्यता है इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से अनजाने में हुए पाप से भी मुक्ति मिलती है। साथ ही अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

3 मई 2025 का पंचांग

इस दिन सूर्योदय सुबह 5:39 मिनट पर होगा।

सूर्यास्त शाम 6:58 मिनट पर

चंद्रोदय सुबह 10:34 मिनट पर

चंद्रास्त देर रात 12:58 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:13 मिनट से 4:56 मिनट तक

विजय मुहूर्त दोपहर 2:31 मिनट से 3:25 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त शाम 6:56 मिनट से 7:18 मिनट तक

निशिता मुहूर्त रात 11:56 मिनट से 12:34 मिनट तक होगा।

गंगा सप्तमी दुर्लभ योग -

इस दिन त्रिपुष्कर, रवि और शिव वास योग बन रहा है। इस योग में गंगा स्नान करके मां गंगा और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही इस दिन पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र का भी संयोग बन रहा है।

मन भी विचारों के ट्रैफिक जाम से अशांत होता है

तनाव आने के कई रास्ते हैं। आजकल एक और रास्ते से तनाव आ रहा है। ट्रैफिक जाम होता है तो उसमें फंसे लोग 24 घंटे के लिए तनावग्रस्त हो जाते हैं। यातायात व्यवस्था के दबाव के कारण लोग परेशान हो गए हैं। धार्मिक नगरों में तो कभी-कभी लगता है आस्था और यातायात का मुकाबला हो रहा है।

इतनी बड़ी संख्या में वाहन बन रहे हैं, लोग खरीद रहे हैं, चला रहे हैं, कि धरती मां के पास अपनी छाती पर मार्ग देने के लिए भी स्थान नहीं बच रहा। यदि आप ट्रैफिक में फंस रहे हैं तो सोचिएगा कि हमारा मन भी ऐसे ही विचारों के ट्रैफिक जाम से अशांत होता है। तो जैसे हम मन को शांत करने के लिए ध्यान लगाते हैं, ऐसे ही ट्रैफिक जाम में फंसें तो बेचैन न हों और ये न सोचें कि बुरे फंसे।

ये विचार आपको निगेटिविटी में डाल देगा। और ट्रैफिक जाम के समय आप मानसिक रूप से जितने अशांत होंगे, ट्रैफिक खुलने के बाद आप समझ भी नहीं पाएंगे कि इसका असर 24 घंटे तक रहेगा। यातायात अव्यवस्था में शरीर को कष्ट हो पर मानसिक रूप से संतुलित रहिएगा। क्योंकि यह अब और बढ़ने वाला है।

तापसी पन्नू को है फॉलोअर्स घटने का डर

कंटेंट क्रिएटर की आत्महत्या पर जताई चिंता

अभिनेत्री तापसी पन्नू अक्सर समाज में घट रही घटनाओं पर भी प्रतिक्रिया देती हुई नजर आती हैं। अभिनेत्री ने कंटेंट क्रिएटर मीशा अग्रवाल की मौत पर प्रतिक्रिया दी है। मीशा के परिवार का दावा है कि इंस्टाग्राम फॉलोअर्स घटने के बाद अपने करियर के खत्म होने के डर से उन्होंने आत्महत्या कर ली।

मानसिक स्वास्थ्य पर जताई चिंता

तापसी पन्नू ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट साझा किया। अभिनेत्री ने इस घटना को दिल दहला देने वाला बताया। तापसी ने वर्चुअल वैलिडेशन और सोशल मीडिया मेट्रिक्स के बढ़ते जुनून पर अपनी चिंता जताई। मीशा अग्रवाल की मौत पर तापसी पन्नू अपने विचार साझा किए, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर बात की। उन्होंने लिखा, 'यह कुछ ऐसा है, जिसे देखकर मुझे बहुत डर लगता था कि बहुत से लोग इसके प्रति जुनूनी हैं। डर है कि एक दिन ऐसा आएगा जब सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या जीने की चाहत को दबा देंगी'।

तापसी को लगता है डर

तापसी ने कहा, 'डर है कि वर्चुअल प्यार की सख्त जरूरत आपको अपने आस-पास के असली प्यार के प्रति अंधा कर देगी। लाइक और कमेंट से मिलने वाली तुरंत संतुष्टि और वैलिडेशन उन चीजों को पीछे छोड़ देगी जो आपको बहुत अधिक मूल्यवान बनाती हैं। यह देखना दिल दहला देने वाला है।'

मीशा की मौत के बारे में

बुधवार को मीशा के परिवार ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए खुलासा किया कि मीशा ने अपने जीवन को प्लेटफॉर्म के इर्द-गिर्द रखा था। उसका एकमात्र लक्ष्य एक मिलियन फॉलोअर्स तक पहुंचना था। उसके फोन के स्क्रीन लॉक पर भी यह टारगेट सेट था।

बयान में मीशा के परिवार ने लिखा, 'मेरी छोटी बहन ने इंस्टाग्राम और अपने फॉलोअर्स के इर्द-गिर्द अपनी दुनिया बनाई थी, जिसका एकमात्र लक्ष्य 1 मिलियन फॉलोअर्स तक पहुंचना था। जब उसके फॉलोअर्स कम होने लगे, तो वह परेशान हो गई और खुद को बेकार महसूस करने लगी। अप्रैल से वह बहुत उदास थी, अक्सर मुझे गले लगाकर रोती थी, कहती थी, 'जीजा, अगर मेरे फॉलोअर्स कम हो गए तो मैं क्या करूंगी? मेरा करियर खत्म हो जाएगा।'

परिवार ने जोर देकर कहा कि उन्होंने उसे याद दिलाने की कोशिश की कि इंस्टाग्राम उसके जीवन का बस एक हिस्सा मात्र है। दुख की बात है कि वह इतनी परेशान हो गई कि उसने अपनी जान ले ली, जिससे हमारा परिवार तबाह हो गया। 26 अप्रैल को मीशा के इंस्टाग्राम हैंडल पर उनके निधन की जानकारी साझा की गई। कंटेंट क्रिएटर ने अपने 25वें जन्मदिन से ठीक दो दिन पहले आत्महत्या कर ली थी।

आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया तो भडकी टीवी अभिनेत्री हुनर हाली

मशहूर टीवी अभिनेत्री हुनर हाली को हाल ही में मुंबई की सड़कों पर वॉर्डरोब मालफंक्शन का सामना करना पड़ा। इसके बाद अभिनेत्री का यह वीडियो सोशल मीडिया पर एक पैपराजी पेज द्वारा शेयर कर दिया गया। इसकी आलोचना करते हुए अभिनेत्री ने इसे पब्लिसिटी स्टंट कहने वाले ट्रोल्स को करारा जवाब भी दिया है। उनका साथ 'पुष्पा 2' फेम अभिनेत्री आंचल मुंजाल ने भी दिया। आंचल ने वीडियो शेयर करने के लिए एडमिन की आलोचना की और इसे शर्मनाक बताया।

बिना अभिनेत्री की सहमति के शूट किया वीडियो

अभिनेत्री हुनर हाली ने बताया कि वीडियो उनकी सहमति के बिना शूट किया गया था। उन्होंने कहा, 'यह एक मानवीय चीज है, डेली लाइफ में होने वाली घटनाओं की अप्रत्याशित प्रकृति। मेरी सहमति के बिना इस तरह के वीडियो को कैप्चर करना और अपलोड करना, सनसनीखेज बनाने के लिए इसका फायदा उठाना और मेरे शरीर पर अनुचित तरीके से ध्यान केंद्रित करना पैपराजी का व्यक्तिगत निर्णय था।'

मना करने के बाद भी शेयर किया वीडियो

अभिनेत्री ने कहा, एक अजीब सी गलती थी। उन्होंने इसे अपने पेज पर क्यों पोस्ट किय? उन्होंने यह भी बताया कि उनके मैनेजर ने कई मीडिया और पैप पेजों से अनुरोध किया कि वो अपने सोशल मीडिया हैंडल से वीडियो हटा दें और उन्होंने ऐसा किया भी, लेकिन कुछ ने कई अनुरोधों के बावजूद वीडियो हटाने से इनकार कर दिया।'

कहा- बेहूदा पब्लिसिटी नहीं चाहिए

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'अगर मैंने पब्लिसिटी स्टंट के लिए ऐसा किया तो मैं पोस्ट क्यों हटाऊंगी? मेरे लोगों, मेरे दर्शकों ने मेरा काम देखा है। मैंने स्क्रीन पर कभी भी कुछ बोल्ड नहीं किया है। मैं हुनर हाली हूं। यही वजह है कि मेरे दर्शकों ने मेरा समर्थन किया

और वीडियो पोस्ट करने के लिए पैप्स की आलोचना की।' साथ ही अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने कभी शरीर दिखाने जैसे स्टंट नहीं किए हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे ये बेहद पब्लिसिटी नहीं चाहिए। जो लोग करते हैं, उन्हें ये सब मुबारक हो।'

हुनर हाली का वर्क फ्रंट

हुनर हाली लगभग दो दशकों से टीवी इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। वह कई फेमस टीवी सीरियल का हिस्सा रही हैं। जिसमें 'ससुराल गेंदा फूल', 'थपकी प्यार की', 'छल शह और मात', 'पटियाला बेब्स', 'छूना है आसमान' शामिल हैं।

तीन हफ्तों के लिए रुकी राम चरण की फिल्म 'पेद्दी की शूटिंग'

राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' की शूटिंग कर रहे हैं, लेकिन अचानक न जाने क्या हुआ कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग को बीच में ही रोक दिया है।

क्यों रुकी 'पेद्दी' की शूटिंग

एक खबर के मुताबिक, दरअसल, फिल्म 'पेद्दी' की शूटिंग हैदराबाद में लगातार काफी समय से चल रही है। बहरहाल, मौजूदा फिल्म का शैड्यूल अभी खत्म हो गया है। शैड्यूल के खत्म होते ही राम ने फिल्म से तीन हफ्तों का लंबा ब्रेक लिया है। लेकिन फिल्म की अचानक शूटिंग रुकने से उनके फैंस जरूर निराश हो गए होंगे। क्योंकि हाल ही में 'पेद्दी' का टीजर रिलीज हुआ था, जिसे देखने के बाद प्रशंसकों में राम की इस फिल्म को जल्दी देखने की उत्सुकता पैदा हुई। कुछ फैंस ने तो कमेंट्स में यहां तक कहां कि वह टीजर रिलीज के बाद फिल्म की रिलीज का और इंतजार नहीं कर सकते, लेकिन क्या राम के इस तरह के ब्रेक लेने से फिल्म की रिलीज डेट पर कोई फर्क पड़ेगा?

क्यों ले रहे हैं छुट्टी

दरअसल, राम चरण तीन हफ्तों की छुट्टियां खास ओकेजन के लिए ले रहे हैं। राम अपने पूरे परिवार के साथ लंदन के मैडम तुसाद संग्रहालय जाएंगे, जहां वह अपनी मोम की प्रतिमा के अनावरण समारोह में शामिल होंगे।

वहीं दूसरी वजह छुट्टी लेने की यह भी है कि राम इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी से बचना चाहते हैं और बाकी टीम भी यही चाहती है। लेकिन फैंस के लिए यह खुशखबरी है कि फिल्म की पूरी टीम जून में फिर से इकट्ठा होगी और फिर बिना किसी ब्रेक के शूटिंग शुरू करेगी।

फिल्म पेद्दी

राम चरण की आगामी एक्शन फिल्म 'पेद्दी' में उनके साथ जान्हवी कपूर नजर आएंगी। इस फिल्म का पहले अस्थाई नाम 'RC16' रखा गया था। फिल्म 'पेद्दी' 27 मार्च 2026 को रिलीज होगी। फिल्म में कथित तौर पर तृषा कृष्णन और विजय सेतुपति भी नजर आ सकते हैं।

'वेव्स 2025' में एक वायरल वीडियो में दीपिका का दुपट्टा ठीक करती नजर आईं मीरा राजपूत

मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में 1 मई, 2025 यानी आज से शुरू हुए वेव्स समिट 2025 में दीपिका पादुकोण और मीरा राजपूत का एक दिल छूने वाला पल सुर्खियां बटोर रहा है। समिट में दीपिका की खूबसूरत एंट्री और मीरा द्वारा उनकी मदद करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फैंस इस खास पल की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

मीरा ने जीता दिल

वेव्स समिट के पहले दिन दीपिका पादुकोण बेज रंग के सलवार-सूटऔर दुपट्टे में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, लेकिन आयोजन स्थल पर पहुंचने के बाद उनका दुपट्टा थोड़ा हट गया था। तभी शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने उनकी मदद की। एक वायरल वीडियो में मीरा दीपिका का दुपट्टा ठीक करती नजर आईं। इसके बाद दीपिका ने मुस्कुराते हुए मीरा को गर्मजोशी से गले लगाया। दोनों के बीच के इस दोस्ताना पल को देखकर फैंस का दिल पिघल गया।

फैंस दे रहे प्रतिक्रियाएं

सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देखकर फैंस ने मीरा और दीपिका की खूब तारीफ की। एक यूजर ने एक्स पर लिखा, स्वीट। एक अन्य फैन ने लिखा, ओह मीरा ने बहुत अच्छा काम किया और अंत में गले मिलना भी प्यारा था। मीरा और दीपिका को साथ में देखकर अच्छा लगा। इसके अलावा कई यूजर्स ने हार्ट इमोजी के साथ अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

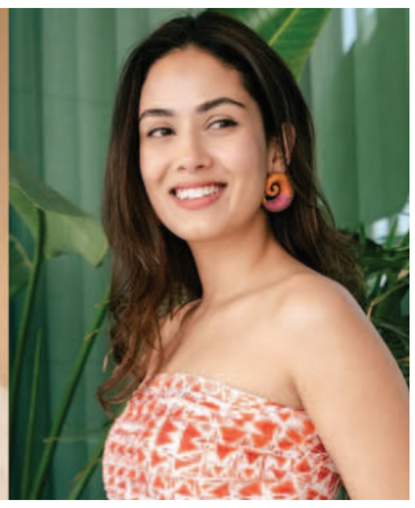

समिट में हेमा मालिनी के साथ दिखीं दीपिका

दीपिका ने समिट में न केवल अपनी खूबसूरती से ध्यान खींचा, बल्कि अपने व्यवहार से भी फैंस का दिल जीता। वह दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी के साथ समिट में पहुंचीं और उनका ख्याल रखते हुए उनके पीछे-पीछे चलीं। दीपिका का यह सम्मानजनक व्यवहार भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। फैंस ने उनकी सादगी और बड़ों के प्रति सम्मान की तारीफ की।

इस खास सत्र में लेंगी हिस्सा

दीपिका समिट के एक खास सत्र 'द जर्नीः फ्रॉम आउटसाइडर टू रूलर' में हिस्सा लेंगी। इस सेशन में वह शाहरुख खान के साथ अपनी बॉलीवुड यात्रा और एक आउटसाइडर के रूप में सफलता की कहानी साझा करेंगी। इस चर्चा को करण जौहर होस्ट करेंगे। दीपिका के फैंस इस सेशन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

पाकिस्तानी एक्टर्स के बैन पर जैकी श्रॉफ ने दिया रिएक्शन कहा- 'जब तक प्रधानमंत्री कुछ नहीं कहते हम क्या बोलेंगे'

बॉलीवुड सुपरस्टार जैकी श्रॉफ गुरुवार मुंबई में आयोजित हो रहे चार दिवसीय विश्व ऑडियो विजुअल एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन के उद्घाटन में पहुंचे। यहां उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए पाकिस्तानी एक्टर्स के भारत में सोशल मीडिया बैन करने पर प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं अभिनेता ने क्या कहा।

जैकी श्रॉफ ने पहलगाम हमले पर जताया दुख

विश्व ऑडियो विजुअल एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 के उद्घाटन के दौरान जैकी श्रॉफ ने पहलगाम हमले पर सवाल पूछे जाने पर, अभिनेता ने जवाब में कहा, 'मैं पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हर कोई इससे दुखी है।' उन्होंने कहा की यह वेव्स का कार्यक्रम संदेश दे रहा है कि सब जुड़े रहें और खुश रहें। झगड़ा क्यों करें और मासूमों को क्यों मार रहे।

पाक एक्टर्स के बैन पर बोले जैकी- थोड़ा फासला जरूरी

आगे बातचीत में अभिनेता जैकी श्रॉफ से पाकिस्तानी एक्टर्स के भारत में सोशल मीडिया अकाउंट बैन किए जाने को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में एक्टर ने कहा, 'जो अभी स्थिति है, उसके हिसाब से ये अच्छा है कि थोड़ा सा फासला रहे।' साथ ही उन्होंने कहा, 'जब तक प्रधानमंत्री कुछ नहीं बोलते, हम बच्चे लोग क्या बोलेंगे?'

जैकी श्रॉफ का वर्कफ्रंट

जैकी श्रॉफ ने अपने फिल्मी करियर के दौरान कई फिल्मों में काम किया है। आखिरी बार अभिनेता को 'बेबी जॉन' फिल्म में देखा गया था। अब वह आगामी फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आने वाले हैं।

मोहनलाल ने साझा की 'वेव्स' की तस्वीर एक फ्रेम में नजर आए ये दिग्गज सितारे

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में 1 मई, 2025 से वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स 2025) की शानदार शुरुआत हो चुकी है। यह समिट 1 से 4 मई तक चलेगा और इसका उद्देश्य भारत को वैश्विक कंटेंट निर्माण और मनोरंजन का केंद्र बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस आयोजन का उद्घाटन किया, जिसमें शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण, रजनीकांत, अक्षय कुमार जैसे कई बड़े सितारे शामिल हुए। इस बीच, मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की एक्स पोस्ट ने लोगों का खासा ध्यान अपनी ओर खींचा है।

एक फ्रेम में दिखे दिग्गज सितारे

मोहनलाल ने गुरुवार को अपने एक्स अकाउंट पर वेव्स समिट 2025 की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में समिट का भव्य माहौल और सितारों की मौजूदगी साफ झलक रही है। इन तस्वीरों में उनके साथ रजनीकांत, हेमा मालिनी, चिरंजीवी, अक्षय कुमार और मिथुन नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों पर लोग तरह तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, लीजेंड्स और नेता वेव्स 2025 में एकजुट हुए...यह कितना प्रेरणादायक क्षण था।₹ एक अन्य यूजर ने लिखा, गोट फ्रेम। इसके अलावा बहुत से यूजर्स ने हार्ट इमोजी के साथ अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

मोहनलाल का वर्क फ्रंट

मोहनलाल मलयालम सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'एल 2 एम्पुरान' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उनकी अदाकारी को लोगों ने काफी ज्याद पसंद किया था। फिल्म का निर्देशन पृथ्वीराज सुकुमारन ने किया था।

वेव्स समिट में पहलगाम हमले पर बोले रजनीकांत 'पीएम मोदी कश्मीर में शांति लाएंगे...'

अभिनेता रजनीकांत आज गुरुवार को वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 में शामिल हुए। इस दौरान अभिनेता ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बारे में बात की, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई। सुपरस्टार ने जम्मू-कश्मीर में शांति लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना की और उनके द्वारा लिए गए एक्शन के बारे में बात की।

नरेंद्र मोदी पर जताया भरोसा

रजनीकांत ने मोदी को योद्धा कहा और कहा कि उन्हें भरोसा है कि प्रधानमंत्री मौजूदा स्थिति को शिष्टता से संभालेंगे। रजनीकांत ने कहा, 'नमस्कार, माननीय प्रधानमंत्री और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री। पहलगाम में हुई बर्बर, निर्दयी घटना के बाद, कई लोगों ने मुझसे कहा कि सरकार अनावश्यक आलोचना के कारण इस कार्यक्रम को स्थगित कर देगी, क्योंकि इस कार्यक्रम का विषय मनोरंजन है, लेकिन मुझे पूरा भरोसा था कि यह कार्यक्रम जरूर होगा, क्योंकि मुझे अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पर पूरा भरोसा है।'

उन्होंने आगे कहा, 'वह एक योद्धा हैं। वह किसी भी चुनौती का सामना करेंगे और जो हम पिछले एक दशक से कह रहे हैं, उसे साबित करेंगे कि वह इस स्थिति का भी शालीनता और बहादुरी से सामना करेंगे और कश्मीर में शांति और हमारे देश को गौरव दिलाएंगे।'

वेव्स में शामिल होने पर जताई खुशी

अभिनेता ने शिखर सम्मेलन का हिस्सा बनने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मैं यहां आकर बेहद खुश हूं और इस वेव्स मोमेंट का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। वैश्विक मनोरंजन बिरादरी के सहयोग से एक कदम आगे बढ़ने के लिए केंद्र सरकार और मीडिया को मेरी हार्दिक बधाई। मैं आप सभी की सफलता की कामना करता हूं। इस अवसर के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।'

पर्दे पर सेना की वर्दी में नजर आएंगे सलमान खान? अपूर्वा लखिया से चल रही फिल्म पर चर्चा

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान अपनी हालिया फिल्म 'सिकंदर' की नाकामी को पीछे छोड़कर एक नए और दमदार प्रोजेक्ट के साथ वापसी की तैयारी में जुटे हुए हैं। खबर है कि सलमान अब भारतीय सेना की वर्दी पहनकर पर्दे पर नजर आ सकते हैं।

इस निर्देशक से चल रही बात

एक रिपोर्ट के मुताबिक सलमान साल 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित एक युद्ध फिल्म में मुख्य भूमिका में दिख सकते हैं । इस फिल्म के लिए वह डायरेक्टर अपूर्वा लखिया के साथ बातचीत कर रहे हैं, जिन्होंने पहले विवेक ओबेरॉय के साथ भी काम किया है।

गलवान घाटी की कहानी पर फिल्म बनाने की चर्चा

यह फिल्म बेस्टसेलिंग किताब 'इंडियाज मोस्ट फीयरलेस 3' के एक चैप्टर पर आधारित होगी, जिसे शिव अरूर और राहुल सिंह ने लिखा है।

यह किताब भारतीय सशस्त्र बलों की सच्ची और रोमांचक कहानियों को बयान करती है, जिसमें गलवान घाटी के युद्ध का भी जिक्र है। सलमान को इस कहानी ने खासा प्रभावित किया। रिपोर्ट के अनुसार सलमान 2020 के गलवान युद्ध की पृष्ठभूमि में एक सेना अधिकारी की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो यह फिल्म 2025 की दूसरी छमाही में शुरू हो सकती है।

इस शख्स ने कराई सलमान-अपूर्वा लाखिया की मुलाकात

सलमान ने पहले कबीर खान और अली अब्बास जफर जैसे बड़े डायरेक्टर्स के साथ कई हिट फिल्में दी हैं। दोनों ने उन्हें नए स्क्रिप्ट्स भी ऑफर किए थे, लेकिन सलमान इस बार कुछ नया आजमाना चाहते हैं।

इसलिए वह अपूर्वा लखिया के साथ काम करने का मन बना रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जोर्डी पटेल ने सलमान खान और अपूर्वा लखिया की मुलाकात करवाई। अपूर्वा ने 'इंडियाज मोस्ट फीयरलेस 3' के राइट्स पहले ही हासिल कर लिए थे। हाल ही में उन्होंने सलमान के साथ इस कहानी पर चर्चा की। सलमान को यह आइडिया इतना पसंद आया कि वह इस फिल्म को 'सिकंदर' के बाद अपने अगले प्रोजेक्ट के रूप में देख रहे हैं।

दर्शकों को पसंद नहीं आई 'सिकंदर'

सलमान की पिछली फिल्म 'सिकंदर' एक एक्शन ड्रामा थी, जिसका निर्देशन एआर मुरुगदास ने किया था। इसमें सलमान के साथ रश्मिका मंदाना, सत्यराज, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर जैसे सितारे भी दिखे थे।

फैंस को इस फिल्म से बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन कमजोर पटकथा और बेदम कहानी की वजह से यह फिल्म दर्शकों के दिलों में जगह नहीं बना सकी। बड़े बजट में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही।

सलमान खान को शादी करते हुए नहीं देखना चाहती हैं अमीषा पटेल, बताई वजह

बॉलीवुड के कई एक्टर्स और एक्ट्रेसेस ने ज्यादा उम्र होने के बाद भी अब तक शादी नहीं की है। इसमें सुष्मिता सेन, सलमान खान, अमीषा पटेल जैसे कुछ नाम शामिल हैं।

इन एक्टर्स के काफी फैंस हैं, जो समय-समय पर शादी को लेकर सवाल भी करते रहते हैं। हाल ही में अमीषा पटेल ने सलमान खान के साथ अपने बॉन्ड पर बात की है।

क्या बोलीं अमीषा

अमीषा पटेल ने कहा, 'मैंने आसपास हर तरह के रिश्ते देखे हैं। मैं संजू जैसे रिश्ते भी देखे हैं और फिर ऋतिक को भी देखा, जिनका तलाक हो चुका है, लेकिन फिर भी वह सुजैन के साथ को पैरेंटिंग को अच्छी तरह से निभा रहे हैं। दोनों एक-दूसरे के अच्छे दोस्त भी हैं। ऐसे में मैं उन्हें जज करने वाली कौन होती हूं? सलमान काफी कूल हैं और ईमानदारी से बोलूं तो मैं उन्हें शादी करते हुए नहीं देखना चाहती हूं। वह कूल डूड हैं, वह काफी लविंग, केयरिंग हैं और सभी के लिए काफी अच्छे हैं।'

क्या सलमान से शादी करेंगी अमीषा

वहीं, क्या वह सलमान से शादी करने के लिए तैयार हैं? इस पर अमीषा ने कहा कि मुझे सलमान के साथ एक पूरा इंटरव्यू करना होगा कि आप सुधरे हो या नहीं। वह दोस्त के तौर पर इतने प्यारे हैं कि मैंने उन्हें उस नजरिए से कभी नहीं देखा, वह हमेशा ही मेरे अच्छे दोस्त रहे हैं। वह मेरे साथ काफी प्रैंक्स करते थे और कई बार रुलाते भी हैं। उन्होंने मेरा नाम मीना कुमारी रखा है, क्योंकि मैं उनके साथ रोती रहती हूं। ऐसा हमारा रिलेशनशिप है। मैं उन्हें कभी उस नजरिए से नहीं देखा, मैं बस उनके और उनके परिवार के लिए एक अच्छी दोस्त बनकर ही खुश हूं।

बता दें कि सलमान और अमीषा पटेल ये है जलवा मूवी में साथ में काम कर चुके हैं। इसे डेविड धवन ने डायरेक्ट किया था और यह एक रॉमेंटिक कॉमेडी फिल्म थी। इसमें संजय कपूर, शम्मी कपूर, कादर खान, अनुपम खेर आदि जैसे एक्टर्स ने भी अहम रोल निभाया था। हालांकि, फिल्म बड़े पर्दे पर बहुत कमाल नहीं दिखा सकी थी।

यश चोपड़ा के प्रपोजल पर मुमताज ने तोड़ी चुप्पी

बोलीं- उन्होंने कई बार शादी के लिए कहा, लेकिन मैंने मना कर दिया

वेटरन एक्ट्रेस मुमताज और यश चोपड़ा फिल्म 'आदमी और इंसान' में साथ काम किया था। कहा जाता है कि यश कभी मुमताज के प्यार में पागल थे और उनसे शादी करना चाहते थे। अब हाल ही में मुमताज ने यश चोपड़ा संग अपने रिश्ते पर बात की। उन्होंने कहा यश चोपड़ा अक्सर उनके घर आया करते थे और उन्हें बार-बार शादी के लिए प्रपोज भी किया करते थे।

मुमताज से पूछा गया कि क्या यह सच है कि यश चोपड़ा उन्हें पसंद करते थे और उनका पीछा करते थे। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'एक बार नहीं, बल्कि उन्होंने मुझसे शादी के लिए शायद हजार बार पूछा होगा। लेकिन मैं उनसे प्यार नहीं करती थी, तो मैं उनसे शादी कैसे कर सकती थी? मैं हजार बार कह रही हूं, ये थोड़ा बढ़ा-चढ़ाकर कह रही हूं। लेकिन उन्होंने कई बार मुझसे कहा था कि ए मोटी, आई लव यू यार, मुझसे शादी कर लो।

लेकिन देखिए, किसी के साथ रिश्ता तभी बनता है जब आप उस इंसान से प्यार करते हों। आपको उस इंसान के करीब होना पसंद आता हो और इसके लिए आप दोनों के बीच केमिस्ट्री होनी चाहिए। अगर केमिस्ट्री ही नहीं है, तो आप एक शादीशुदा जोड़े की तरह कैसे रह सकते हैं? मेरे और उनके बीच वो केमिस्ट्री कभी नहीं थी।'

मुमताज ने कहा, मुझे यश चोपड़ा बतौर डायरेक्टर और प्रोड्यूसर पसंद थे। लेकिन उनका रिश्ता कभी उस दायरे से आगे नहीं बढ़ा। एक इंसान के तौर पर वो सबसे बेहतरीन लोगों में से एक थे। सेट पर हमेशा लोगों को हंसाते रहते थे। जब उनका निधन हुआ, तो मैं फूट-फूट कर रोई थी।

उस समय मैं लंदन में थी। उनके जाने से कुछ समय पहले ही उन्होंने मुझे फोन किया था और कहा था कि उनकी नई फिल्म जरूर देखूं। उन्होंने मुझसे कहा था कि वादा करो कि तुम ये फिल्म देखोगी। मैंने हां कहा था। लेकिन फिर वो चले गए। बहुत दुख हुआ, क्योंकि वो एक बहुत अच्छे इंसान थे।

मुमताज ने आगे कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि वो इतनी जल्दी क्यों चले गए। मुझे नहीं पता कि उन्हें कौन-सी बीमारी थी। मुझे यकीन है कि उनके परिवार ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की होगी, लेकिन वो उन्हें नहीं बचा सके। एक पार्टी में उनकी बहू रानी मुखर्जी मुझसे मिलीं और कहने लगीं यश जी चाहते थे कि आप स्टूडियो आएं। आप कब आएंगी? मैं आपको पूरा स्टूडियो दिखाऊंगी। मैं वाकई में स्टूडियो देखना चाहती थी, क्योंकि वो उनकी आखिरी ख्वाहिश थी। लेकिन अब फोन करके टूर मांगना मुझे ठीक नहीं लगता।'

80 की उम्र में हुआ था निधन

साल 2012 में यश चोपड़ा को डेंगू हुआ था, जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। लेकिन मल्टीपल ऑर्गन फेल होने की वजह से उनका निधन हो गया था। वो 80 साल के थे।

पूजा हेगड़े ने 'रेट्रो' में अपने किरदार को लेकर किया खुलासा, बताया रुक्मिणी 'मासूम लेकिन बुद्धिमान

बॉलीवुड और साउथ की जानी मानी एक्ट्रेस पूजा हेगड़े और सूर्या की एक्शन फिल्म 'रेट्रो' में नजर आ रहे हैं. गुरुवार को उनकी ये मोस्ट अवेटेड फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. फिल्म में पूजा के किरदार का नाम रुक्मिणी है. सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर एक्ट्रेस ने अपने किरदार की खूबियों का खुलासा किया है. साथ ही बताया है कि वह मासूम है लेकिन बुद्धिमान भी हैं.

पूजा हेगड़े ने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है. उन्होंने इडंस्ट्री के कई बड़े स्टार के साथ भी काम किया है. अब वह अभिनेता सूर्या की एक्शन फिल्म 'रेट्रो' में नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस ने अपने किरदार के बारे में कई दिलचस्प बातें बताई हैं.

किरदार को लेकर किया खुलासा

पूजा ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़ी कई फोटोज शेयर की हैं. एक्ट्रेस ने अपनी पोस्ट के साथ लिखा है, 'रुक्मिणी, प्योर सोल है. वह मासूम लेकिन बुद्धिमान है और अपनों के लिए हमेशा खड़ी रहती है. वह हर कदम पर उनके साथ रहती है. उसे गुस्सा आता है तो वह विनम्र भी है और विषम परिस्थितियों में भी पॉजिटिव बनी रहती है.'

दिल के बेहद करीब है ये किरदार

बॉलीवुड और साउथ में अपनी एक्टिंग का डंका बजा चुकीं पूजा ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, 'रुक्कू' बनना मेरे लिए अब तक के सबसे शानदार अनुभव में से एक रहा. मैं इसे अपने दिल का एक टुकड़ा कहती हूं. आज से वह उतनी ही आपकी है, जितनी वह मेरी है। रेट्रो टाइम.शेयर की गई तस्वीरों में रुक्मिणी की कई

झलक सामने आई. फिल्म के प्रमोशन में जुटीं पूजा हेगड़े ने इससे पहले अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह 70 साल पुरानी कांजीवरम साड़ी पहने नजर आई थीं.

बता दें कि इन फोटोज को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'कोठरी से 70 साल पुरानी शानदार साड़ी... यह मुझे मेरी खूबसूरत अज्जी (दादी) की याद दिलाती है, जो कांजीवरम साड़ी में अपना पूरा दिन बिताती हैं, शादी के लिए तैयार होने से पहले घर में मल्लिगे (मोगरा) की ताजा खुशबू और पहली बारिश के बाद गीली मैंगलोर मिट्टी की खुशबू... इन सरल चीजों में सुंदरता है, 'रेट्रो'. 'रेट्रो' में पूजा हेगड़े के साथ अभिनेता सूर्या लीड रोल में हैं.

युजवेंद्र चहल के धमाकेदार हैट्रिक पर आरजे महविश ने लुटाया प्यार

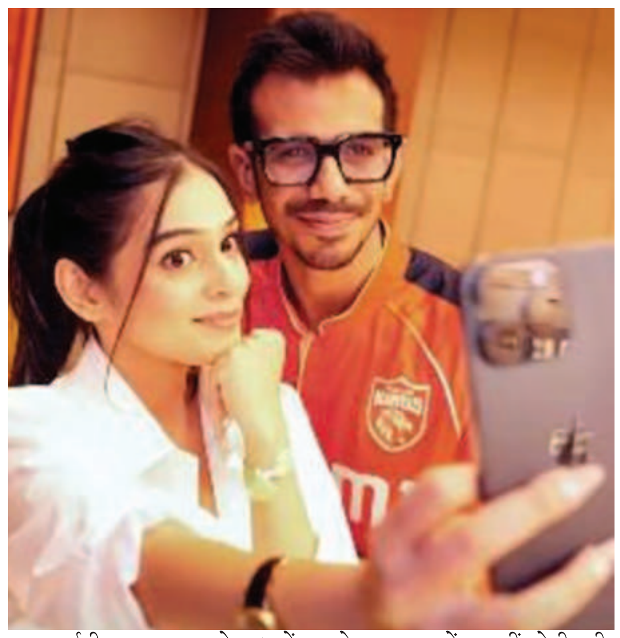

आईपीएल 2025 के 49वें मुकाबले में युजवेंद्र चहल एक बार फिर से अपने प्रचंड लय में नजर आए. मैच के दौरान उन्होंने पंजाब की तरफ से शिरकत करते हुए सीएसके के खिलाफ 19वें ओवर में कुल चार विकेट चटकाए. यही नहीं आखिरी के तीन गेंदों पर उन्होंने लगातार तीन सफलता प्राप्त करते हुए हैट्रिक की उपलब्धि भी हासिल की. जिसके बाद हर कोई उनके तारीफों के पुल बांधने लगा. इसी कड़ी में उनकी कथित गर्लफ्रेंड आरजे महविश ने भी उनकी सराहना करते हुए अपनी भावनाएं जाहिर की है. अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्होंने चहल की तारीफ करते हुए लिखा है,'गॉड मोड ऑन है क्या?'. इसके अलावा कई इमोजी का इस्तेमाल करते हुए लिखा है, 'युजवेंद्र चहल एक योद्धा की ताकत.'

मैच जिताऊं प्रदर्शन के बाद चहल ने क्या कहा?

सीएसके के खिलाफ मैच जिताऊं प्रदर्शन के बाद चहल ने कहा, '19वां ओवर था और सामने धोनी भाई थे. मुझे लगा कि कुछ भी हो सकता है, लेकिन मेरा प्लान विकेट लेने का था. मैंने सोचा कि स्टंप्स पर गेंद डालूंगा और कुछ गेंदें बाहर की तरफ भी. बल्लेबाज को आसान गेंद नहीं देनी थी, उनके दिमाग से खेलना था.'

मैच के दौरान दिग्गज लेग स्पिनर ने खास अंदाज में हैट्रिक का जश्न भी मनाया था. मैच के बाद उन्होंने अपने इस जश्न के तरीके पर कहा, 'ये जश्न का तरीका मैंने मीम्स से सीखा है. मैंने सोचा था कि अगर मैं हैट्रिक या पांच विकेट लूंगा, तो ऐसा जरूर करूंगा.'

कौन हैं आरजे महविश?

आरजे महविश का जन्म 27 अक्तूबर साल 1996 में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ शहर में हुआ था. मौजूदा समय में वह चहल के अपने रिश्ते को लेकर सुर्खियों में हैं. यही नहीं अपने चाहने वालों के बीच वह एक फेमस यूट्यूबर के रूप में भी मशहूर हैं. उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की है. इसके पश्चात उन्होंने राजधानी दिल्ली स्थित जामिया मिलिया इस्लामिया से मास कम्युनिकेशन की डिग्री पूरी की. वह प्रैंक वीडियो के अलावा एक फेमस रेडियो जॉकी भी हैं. अपने करियर का आगाज उन्होंने रेडियो मिर्ची 98.3 एफएम के साथ किया. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आरजे महविश को बिग बॉस 14 के लिए भी अप्रोच किया जा चुका है.

पलक तिवारी के भाई संग मस्ती करते दिखे इब्राहिम, सोशल मीडिया पर वीडिओ हुआ वायरल

फैंस बोले- दोनों ने अपना रिश्ता किया कंफर्म!

पलक तिवारी की फिल्म द भूतनी आज रिलीज हो गई है। हाल ही में फिल्म की स्क्रीनिंग में न सिर्फ स्टार कास्ट शामिल हुई, बल्कि पलक के रूमर्ड बॉयफ्रेंड इब्राहिम अली खान भी नजर आए। इब्राहिम और पलक ने इस दौरान एक-दूसरे को गले लगाया, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसके अलावा, इब्राहिम को पलक के सौतेले भाई के साथ मस्ती करते हुए भी देखा गया। इसके बाद से ही फैंस का दावा है कि दोनों ने अपने रिश्ते को अब कंफर्म कर दिया है।

दरअसल, फिल्म द भूतनी का 30 अप्रैल को स्क्रीनिंग रखी गई थी। इसमें पलक तिवारी की मां श्वेता तिवारी और उनके छोटे भाई रेयांश भी पहुंचे थे। इस दौरान रेयांश के साथ इब्राहिम अली खान काफी मस्ती करते नजर आए।

जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो फैंस भी काफी खुश हो गए। एक के बाद यूजर्स ने इस वीडियो पर अपना रिएक्शन देना शुरू कर दिया। एक यूजर ने कमेंट किया- मुझे पलक और इब्राहिम साथ में पसंद हैं। वे एक अच्छी जोड़ी बनाते हैं। एक फैन ने यह भी लिखा कि गर्लफ्रेंड के छोटे भाई को हमेशा प्यार किया जाता है।

लंबे समय से है इब्राहिम-पलक के बीच अफेयर की चर्चा

बता दें, इब्राहिम और पलक को कई बार एक-दूसरे के साथ स्पॉट किया गया है। लेट नाइट पार्टी हो या साथ में फिल्म देखने जाना हो अक्सर दोनों साथ में ही नजर आते हैं।

कई बार पलक को लोगों से प्रोटेक्ट करते हुए भी इब्राहिम अली खान को देखा गया था। वहीं, हाल ही में एक इंटरव्यू में इब्राहिम अली खान से उनके और पलक तिवारी के रिलेशनशिप स्टेट्स के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'पलक मेरी बहुत ही अच्छी दोस्त है। वह बहुत स्वीट है, बस यही कहूंगा।

अप्रैल में रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ का GST कलेक्शन:सालाना आधार पर 12.6% बढ़ा

अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रहा था

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। सरकार ने अप्रैल 2025 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स से 2.37 लाख करोड़ रुपए जुटाए। सालाना आधार पर इसमें 12.6% की बढ़ोतरी हुई है। ये GST कलेक्शन का रिकॉर्ड है। इससे पहले हाईएस्ट जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड अप्रैल 2024 में बना था। तब सरकार ने 2.10 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। गुरुवार 1 मई को सरकार ने GST के आंकड़े जारी किए हैं।

डोमेस्टिक ट्रांजेक्शन से 1.90 लाख करोड़ जुटाए

सरकार ने इस दौरान डोमेस्टिक ट्रांजेक्शन से 1.90 लाख करोड़ टैक्स वसूला है। सालाना आधार पर इसमें 10.7% की ग्रोथ हुई है। वहीं, इम्पोर्ट के जरिए 46,913 करोड़ GST सरकार ने जुटाया है। एक साल में इसमें 20.8% की बढ़ोतरी हुई है।

अप्रैल में सरकार ने टोटल 27,341 करोड़ रुपए की राशि रिफंड की। रिफंड के बाद जुलाई के लिए नेट GST कलेक्शन 2.09 लाख करोड़ रुपए रहा। पिछले वर्ष की समान अवधि (जुलाई 2023) की तुलना में ये 9.1% ज्यादा है।

इकोनॉमी की हेल्थ दिखाता है कलेक्शन

जीएसटी कलेक्शन इकोनॉमिक हेल्थ का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। हायर कलेक्शन मजबूत

उपभोक्ता खर्च, औद्योगिक गतिविधि और प्रभावी कर अनुपालन का संकेत देते हैं।

अप्रैल महीने में बिजनेसेज अक्सर मार्च से वर्ष के अंत के लेन-देन को क्लियर करते हैं, जिससे टैक्स फाइलिंग्स और कलेक्शन्स में वृद्धि होती है। केपीएमजी के नेशनल हेड अभिषेक जैन ने कहा कि अब तक का हाईएस्ट GST कलेक्शन मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था को दर्शाता है।

सरकार ने 1 जुलाई 2017 को देशभर में GST लागू किया था। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकारों के 17 करों और 13 उपकरों को हटा दिया गया था। GST के 7 साल पूरे होने पर वित्त मंत्रालय ने पिछले सात वर्षों के दौरान हासिल की गई उपलब्धियों को लेकर पोस्ट किया।

GST को चार हिस्सों में डिवाइड किया गया है:

CGST (केंद्रीय जीएसटी): केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किया जाता है।

SGST (राज्य जीएसटी): राज्य सरकारों द्वारा एकत्र किया जाता है।

IGST (एकीकृत जीएसटी): अंतराज्यीय लेनदेन और आयात पर लागू, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच विभाजित।

उपकर: स्पेसिफिक पर्पज के लिए फंड जुटाने के लिए स्पेसिफिक गुड्स (जैसे, लग्जरी आइटम्स, तंबाकू) पर लगाया जाने वाला अतिरिक्त शुल्क।

अक्षय तृतीया पर देश में बिका करीब 20 टन सोना

मुंबई में ही की गई 2350 करोड़ रुपये की खरीदारी

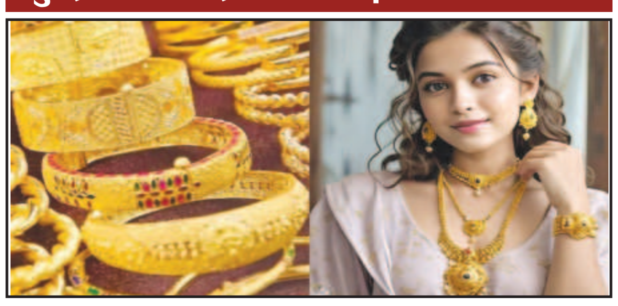

मुंबई, 1 मई (एजेंसियां)। अक्षय तृतीया के दिन यानी बुधवार, 30 अप्रैल 2025 को सोने की कीमत 94361 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इस मौके पर देश में लगभग 20 टन सोना बिका। जिसका मूल्य 18000 करोड़ रुपये के करीब है। इस दौरान मुंबई में ही करीब 2.5 टन सोने की खरीदारी की गई। जिसका मूल्य 2350 करोड़ रुपये है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार अक्षय तृतीया के खास मौके पर लोगों ने सोना खरीदने में उत्साह दिखाया। जानकारों के अनुसार, अक्षय तृतीया के कारण दक्षिण भारत में आभूषणों की बिक्री बहुत अच्छी रही। लोग निवेश के नजरिए से सोने में बढ़-चढ़कर खरीदारी करते दिखे। खुदरा आभूषण विक्रेताओं का कहना है सोने की रिकॉर्ड कीमतों के कारण उपभोक्ताओं ने अक्षय तृतीया पर पुराने सोने की अदला-बदली कर भी खरीदारी की।

आईबीजेए के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र मेहता ने अमर उजाला डॉटकॉम को बताया कि अक्षय तृतीया के दौरान दक्षिण भारत में आभूषणों की बिक्री बहुत अच्छी रही। हालांकि, भारत के बाकी हिस्सों में आभूषण बिक्री की मात्रा तुलनात्मक रूप से कम रही। इस दौरान, कॉरपोरेट मल्टी चेन स्टोर ने अच्छा प्रदर्शन किया। त्यौहार के दिन एकल खुदरा दुकानों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। मूल्य के लिहाज से सोने की कुल मांग पिछले साल के बराबर ही रहेगी, लेकिन कुल मिलाकर सोने की बिक्री में कम से कम 15 प्रतिशत की गिरावट आई है।

हल्के वजन के आभूषण, कम कैरट के आभूषण और सिक्कों की अच्छी मांग है। कुल मिलाकर सोने की ऊंची कीमतें सुस्त मांग का कारण रही हैं। पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सौरभ गाडगिल ने बताया कि सोने की रिकॉर्ड उच्च कीमतों के बावजूद उपभोक्ता का उत्साह इस अक्षय तृतीया पर देखने को मिला। ऐसा लगता है कि मूल्यों में वृद्धि को भारतीय उपभोक्ता ने स्वीकार कर लिया है और आत्मविश्वास के साथ खरीदारी करते नजर आए। उन्होंने बताया कि गुड़ी पड़वा के बराबर है अक्षय तृतीया पर खरीदारी देखी गई है। एक नया ट्रेंड देखा गया है कि इस बार 50 प्रतिशत खरीदारी पुराने सोने के माध्यम से की जा रही है, जिसमें ग्राहक अपनी त्योहारी और शादी ब्याह की जरूरतों से समझौता किए बिना अपने बजट को स्मार्ट तरीके से प्रबंधित कर सकते हैं। जबकि वॉल्यूम ग्रोथ में 8 से 9 प्रतिशत की गिरावट देखी जा सकती है। मूल्य के हिसाब से हम 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। जेन डायमंड के प्रबंध निदेशक नील सोनावाला बताते हैं उपभोक्ता में उत्साह देखा गया है। कीमतें बढ़ी होने के बाद भी लोगों ने हल्के वजन के गहनों और डिजाइनर गहनों में खरीदारी को बढ़ाया है। उपभोक्ता आभूषणों को केवल पहनने के लिए ही नहीं रिटर्न के तौर पर भी इस बार देख रहे हैं।

इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार जैन कहते हैं इस बार अक्षय तृतीया पर गोल्ड निवेशकों द्वारा खरीदारी अधिक की गई है। 30 प्रतिशत खरीदारी निवेशकों द्वारा की गई है, जिसमें सोने के सिक्कों और बार में बिक्री बढ़ी है। इसमें पांच ग्राम के सिक्के से लेकर 10 ग्राम के सिक्के शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शुभ महूर्त रात 11 बजे तक होने की वजह से देर रात तक ज्वेलर्स दुकानें खुली रखेंगी। नील कहते हैं कि हीरे और अन्य जड़े हल्के आभूषणों की मांग में अच्छी वृद्धि देखी गई है। इस अक्षय तृतीया जहां पर सोने के बढ़ी कीमतों की बढ़ी हुई थी और खरीदारी की उम्मीद अधिक नहीं थी, ऐसे में भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा बहुमूल्य धातुओं में निवेश बनाया रखा है। सौरभ कहते हैं कि अक्षय तृतीया एक बार फिर भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा धातुओं में निवेश और परंपरा दोनों में विश्वास की पुष्टि करती है।

रत्न व आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के अध्यक्ष किरीट भंसाली कहते हैं सोने की बढ़ती कीमतें उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय रही। लेकिन अक्षय तृतीया जैसे अवसर पर उपभोक्ता खरीदारी करते नजर आए। दिलचस्प बात यह है कि पिछले सप्ताह सोने की कीमतों में थोड़ी गिरावट देखी गई है, जिससे उपभोक्ताओं को कीमतों में संभावित रूप से फिर से बढ़ोतरी शुरू होने से पहले का समय मिल गया है।

एटीएम से पांच लेनदेन मुफ्त

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। एटीएम से जुड़े आरबीआई के निर्देश गुरुवार से लागू हो गए। अब ग्राहकों को एक महीने के दौरान एटीएम से मुफ्त स्वीकार्य सीमा से अधिक की निकासी पर प्रति लेनदेन 23 रुपये का भुगतान करना होगा। पहले बैंकों को ऐसे लेनदेन पर अधिकतम 21 रुपये तक शुल्क वसूलने की अनुमति थी। ग्राहक अपने बैंक की स्वचालित टेलर मशीनों (एटीएम) से हर महीने पांच निःशुल्क लेनदेन (वित्तीय और गैर-वित्तीय लेनदेन सहित) के लिए पात्र हैं। वे अन्य बैंकों के एटीएम से भी मुफ्त लेनदेन (वित्तीय और गैर-वित्तीय लेनदेन सहित) के लिए पात्र हैं। मेट्रो शहरों में ग्राहक तीन लेनदेन और गैर-मेट्रो केंद्रों में पांच लेनदेन मुफ्त में कर सकेंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 28 मार्च को 'ऑटोमेटेड टेलर मशीनों/कैश रिसाइक्लर मशीनों के उपयोग-इंटरचेंज शुल्क और ग्राहक प्रभार की समीक्षा' से जुड़े निर्देश जारी किए थे। आरबीआई के परिपत्र में कहा गया है, मुफ्त लेनदेन के अलावा, ग्राहक से प्रति लेनदेन अधिकतम 23 रुपये का शुल्क लिया जा सकता है। यह 01 मई, 2025 से प्रभावी होगा। संशोधित निर्देश कैश रिसाइक्लर मशीनों (नकद जमा लेनदेन के अलावा) के जरिए किए गए लेनदेन पर भी लागू होते हैं। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि एटीएम इंटरचेंज शुल्क एटीएम नेटवर्क की ओर से तय किया जाएगा। मार्च 2025 के अंत तक 2,55,885 बैंक एटीएम, कैश रिसाइक्लर मशीन (सीआरएम) और व्हाइट लेवल एटीएम (डब्ल्यूएलए) थे।

अडाणी एंटरप्राइजेज का मुनाफा 11 गुना बढ़ा

चौथी तिमाही में ये 4,015 करोड़ रहा, 1.30 डिविडेंड देगी कंपनी

मुंबई, 1 मई (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की चौथी तिमाही में टोटल इनकम 27,602 करोड़ रुपए रही। ये पिछले साल की तुलना में 6.84% कम है। कंपनी की इस कमाई में ऑपरेशन से रेवेन्यू 26,966 करोड़ रुपए रहा। वहीं जनवरी से मार्च तिमाही में कंपनी का टोटल खर्च 26,289 करोड़ रुपए और टोटल टैक्स 1,284 करोड़ रुपए रहा।

टोटल इनकम में से खर्च, टैक्स और अन्य खर्चे घटा दें, तो कंपनी को चौथी तिमाही में 4,015 करोड़ रुपए का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ। ये पिछले साल की तुलना में 1041% यानी 11 गुना बढ़ा है। अडाणी एंटरप्राइजेज ने गुरुवार (01 मई) को जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए हैं।

क्या कंपनी के नतीजे उम्मीद से अच्छे हैं?

बाजार के जानकारों को उम्मीद थी कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में अडाणी एंटरप्राइजेज का मुनाफा करीब 4 हजार करोड़ रुपए होगा। इस हिसाब से देखा जाए तो कंपनी ने मार्केट विश्लेषकों की उम्मीद से बेहतर परफॉर्म किया है।

कंपनी ने वित्त-वर्ष 2024-25 के लिए हर शेयर पर 1.30 रुपए फाइनल डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरहोल्डर्स को देती हैं, इसे डिविडेंड या लाभांश कहा जाता है।

कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कॉन्सोलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि कॉन्सोलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है।

अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर एक दिन पहले 2,290 रुपए पर बंद हुआ था।

कंपनी का शेयर पिछले 5 दिन में 6%, 1 महीने में शेयर 2% और 6 महीने में 21% गिरा है। एक साल में कंपनी का शेयर करीब 25% गिरा है। कंपनी की मार्केट वैल्यू 2.65 लाख करोड़ रुपए है।

एलन मस्क की होगी छुट्टी! टेस्ला के बोर्ड ने शुरू की नए सीईओ की खोज, कौन-कौन हैं रेस में

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कुर्सी खतरे में है। इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली कंपनी टेस्ला ने नए सीईओ की खोज शुरू कर दी है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। टेस्ला का शेयर लगातार गिर रहा है। कुछ निवेशक इस बात से परेशान हैं कि मस्क कंपनी के बजाय व्हाइट हाउस पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। पिछले साल बिक्री के मामले में टेस्ला चीन की कंपनी बीवाईडी से पिछड़ गई थी। यह पहला मौका है जब टेस्ला की बिक्री में गिरावट आई। इसलिए टेस्ला के बोर्ड ने मस्क के उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड ने एक बड़ी सर्च फर्म पर ध्यान केंद्रित किया है। इस रिपोर्ट के कारण टेस्ला के शेयरों में 4 फीसदी गिरावट आई।

मस्क कई कंपनियां चलाते हैं जिनमें टेस्ला भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, 20 से अधिक एग्जीक्यूटिव सीधे उन्हें रिपोर्ट करते हैं। आजकल मस्क वाशिंगटन में ज्यादा समय बिता रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने मस्क को महीनों बाद मार्च में एक ऑल-हैंड्स मीटिंग में देखा। यह मीटिंग X पर भी स्ट्रीम की गई थी। मस्क ने कर्मचारियों को आश्वस्त करने और उन्हें अपने शेयर न बेचने के लिए मनाने की कोशिश की। मस्क आजकल अमेरिकी सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी को चला रहे हैं। इस पद पर रहते हुए उन्हें हर साल 130 दिन व्हाइट हाउस में काम करना है।

कौन-कौन है रेस में

अब सवाल यह है कि टेस्ला में एलन मस्क की जगह कौन लेगा? मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मस्क ने खुद कहा था कि उन्हें डर है कि कोई भी उनकी जगह नहीं ले पाएगा। उन्हें यह भी डर है कि कोई यह नहीं समझ पाएगा कि टेस्ला सिर्फ एक ऑटोमोबाइल कंपनी नहीं है, बल्कि रोबोटिक्स और ऑटोमेशन का भविष्य भी है। टेस्ला के CEO पद के लिए जेबी स्ट्रॉबेल को सबसे आगे माना जा रहा है। वह बैटरी रीसाइक्लर और कंपोनेंट्स बनाने वाली कंपनी रेडवुड मैटेरियल्स के CEO और को-फाउंडर हैं। वह टेस्ला के बोर्ड मेंबर भी हैं। स्ट्रॉबेल टेस्ला के शुरुआती दिनों से ही कंपनी से जुड़े हुए हैं। वह टेस्ला के पांच को-फाउंडर्स में से एक हैं।

इसके अलावा टॉम झू भी CEO बनने की रेस में हैं। वह टेस्ला के एकमात्र सीनियर वाइस प्रेसिडेंट हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से ग्रेजुएशन और ड्यूक से MBA किया है। झू उन तीन एग्जीक्यूटिव में से एक हैं जिनका नाम टेस्ला की वेबसाइट पर है। इसके साथ ही स्टेला ली भी टेस्ला की CEO बन सकती हैं। वह ऑटो और बैटरी बनाने वाली कंपनी BYD की एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट हैं और अमेरिका में कंपनी के ऑपरेशंस की हेड हैं।

कंपनी का मार्केट कैप

इसके साथ ही वेमो के पूर्व सीईओ जॉन क्राफसीक का नाम भी चल रहा है। हुंडई मोटर के सीईओ, जोस मुनोज भी इस नौकरी के लिए एक अच्छे उम्मीदवार माने जा रहे हैं। मस्क ने टेस्ला को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। अब देखना यह है कि उनकी जगह कौन लेता है और कंपनी को किस दिशा में ले जाता है। टेस्ला दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। बुधवार को कंपनी का शेयर 3.38 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ और इसके साथ ही उसका मार्केट कैप 940.61 अरब डॉलर रह गया। यह मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की टॉप 10 कंपनियों में शामिल है।

आईओसी ने रूस से तेल की डील पर बातचीत रोकी

अब अमेरिका बनेगा तेल-गैस का सबसे बड़ा सप्लायर!

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑयल (IOC) ने रूस से तेल खरीदने की डील को फिलहाल रोक दिया है। कंपनी रूस की रोसनेफ्ट से तेल खरीदने के लिए बात कर रही थी लेकिन अब इसे रोक दिया गया है। भारत अब अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदना चाहता है। इसका मकसद अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करना है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया था। भारत उन देशों में शामिल है जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है।

माना जा रहा है कि इसी कारण भारत अमेरिका से ज्यादा कच्चा तेल खरीदना चाहता है। इंडियन ऑयल के चेयरमैन ए. एस. साहनी ने कहा कि यह फैसला बाजार की वजह से लिया गया है। इस पर सरकार का कोई दबाव नहीं है। उन्होंने कहा, 'अभी हम रोसनेफ्ट के साथ कोई बातचीत नहीं कर रहे हैं, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। अमेरिका से खरीदने का कोई दबाव नहीं है। हम अपनी जरूरत और कीमत के हिसाब से तेल खरीदते हैं।' यह बात उन्होंने मार्च तिमाही में 7,264.8 करोड़ रुपये का मुनाफा होने के बाद कही। पिछले साल इसी समय यह आंकड़ा 4,837.6 करोड़ रुपये था। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस भारत को डिस्काउंट पर तेल दे रहा था। रूस भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बनकर उभरा है। लेकिन हाल के महीनों में रूसी डिस्काउंट में गिरावट आई है। इस बीच इंडियन ऑयल ने ग्लोबल एनर्जी ट्रेडर ट्राफिगुरा के साथ गैस का एक बड़ा समझौता किया है। यह समझौता 1.4 बिलियन डॉलर का है और 5 साल के लिए है। इससे अमेरिका की कीमतों के हिसाब से गैस मिलेगी। इससे भारत को गैस आने की संभावना बढ़ गई है। साहनी ने बताया कि कोई भी तेल कंपनी के मॉडल में फिट होना चाहिए। यह मॉडल देखता है कि बाजार को किस तरह का तेल चाहिए और वह सबसे सस्ते में कहां से मिल सकता है। उन्होंने कहा कि अभी टर्म डील के लिए सही समय नहीं है।

उनका इशारा रूस के साथ चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और दूसरी जगहों से सस्ते तेल मिलने की ओर था। इंडियन ऑयल ने जो तेल खरीदा, उसमें रूसी तेल का हिस्सा 2024-25 में 22% था। यह 2023-24 में 31% था। साहनी ने कहा कि रूस पर नए प्रतिबंध लगने से पहले ही रूसी तेल की खरीद कम हो गई थी। इंडियन ऑयल अभी भी टेंडर के जरिए रूसी तेल खरीदता है। उन्होंने कहा कि अगर कीमतें सही रहीं, तो यह जारी रहेगा। हालांकि साहनी ने यह बताने से इन्कार कर दिया कि ट्राफिगुरा के साथ गैस समझौते में अमेरिका से गैस सप्लाई की कोई शर्त है या नहीं। इस समझौते में 2.5 मिलियन टन LNG (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) खरीदी जाएगी। इसे 27 शिपमेंट में भेजा जाएगा और यह इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में शुरू होगा। LNG एक तरह की गैस होती है जिसे ठंडा करके तरल बनाया जाता है ताकि उसे आसानी से जहाजों में भरकर ले जाया जा सके।

कॉमर्शियल सिलेंडर 17 तक सस्ता, दूध के दाम बढ़े

वेटिंग टिकट पर स्लीपर-एसी कोच में सफर नहीं कर सकेंगे, आज से हुए 5 बदलाव

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। नया महीना यानी मई अपने साथ कई बदलाव लेकर आया है। आज से अमूल का दूध 2 रुपए महंगा हो गया है। वहीं ATM फ्री लिमिट के बाद पैसा निकालने पर ज्यादा चार्ज देना होगा।

इसके अलावा अब वेटिंग टिकट पर स्लीपर और AC कोच में सफर नहीं कर सकेंगे।

आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल सिलेंडर 17 तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 14.50 घटकर 1747 हो गई। पहले ये 1762 में मिल रहा थे। कोलकाता में यह 17 घटकर 1851.50 में मिल रहा है, पहले इसके दाम 1868.50 थे।

मदर डेयरी और वेरका ब्रांड के बाद अमूल ने भी देशभर में दूध के दाम में 2 रुपए लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। नई कीमतें आज यानी गुरुवार, 01 मई से लागू हो गई है। अमूल स्टैंडर्ड, अमूल बफैलो मिल्क, अमूल गोल्ड, अमूल स्लिम एंड ट्रिम, अमूल चाय मजा, अमूल ताजा और अमूल काऊ मिल्क की कीमतों में 2 रुपए की बढ़ोतरी हुई है।

भारतीय रेलवे के नए नियम के अनुसार, वेटिंग लिस्ट टिकट वाले यात्रियों को अब स्लीपर या AC कोच में यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। जिन यात्रियों के टिकट वेटिंग लिस्ट में हैं, वे अब केवल जनरल कोच में ही यात्रा कर सकेंगे।

अगर कोई यात्री वेटिंग टिकट पर AC या स्लीपर कोच में यात्रा करता हुआ पाया जाता है, तो उस पर जुर्माना लगेगा। इसका उद्देश्य यात्रा में सुविधा बढ़ाना और कोच में भीड़भाड़ कम करना है।

मुंबई में सिलेंडर 1713.50 से 14.50 घटकर 1699.00 रुपए हो गया है। चेन्नई में सिलेंडर 1906.50 का मिला रहा है।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायण,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी 09-14 तक उपरान्त षष्ठी
मास - वैशाख शुक्ल , शुक्रवार 02 May
नक्षत्र - आर्द्रा 13-03 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - धृति 03-19 तक उप शूल
करण- बालव 09-14 तक उप कौलव
विशेष- श्री सूरदास ज.
व्रत -त्योहार - श्री आद्य शंकराचार्य ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:38 से 12:13 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	05:54 - 07:26 शुभ	रोग	18:32 - 19:59 अशुभ
लाभ	07:26 - 09:02 शुभ	काल	19:59 - 21:24 अशुभ
अमृत	09:02 - 10:38 शुभ	लाभ	21:24 - 22:49 शुभ
काल	10:38 - 12:13 अशुभ	उत्पात	22:49 - 00:13 अशुभ
शुभ.	12:13 - 13:49 शुभ	शुभ	00:13 - 01:37 शुभ
रोग	13:49 - 15:24 अशुभ	अमृत	01:37 - 03:02 शुभ
उत्पात	15:24 - 16:59 अशुभ	चंचल	03:02 - 04:26 शुभ
चंचल	16:59 - 18:32 शुभ	रोग.	04:26 - 05:54 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) आज आपको अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित कार्यों में अपने मित्रों और सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है। आप उनको अपना आभार दिखाना न भूलें और बदले में आप भी समय पड़ने पर उनकी सहायता करें। धन एवं नकदी प्रवाह में सुधार आयेगा। इस दिन आपको अपने अनावश्यक खर्चों पर भी लगाम लगानी होगी क्योंकि आप अक्सर कमाई से अधिक खर्च करते हैं। आपको अपने जरूरी खर्चों में बचत करने में मुश्किल होगी।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो,) हालांकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट हैं और आगे की तरफ जा रहे हैं लेकिन ये समय अपना हुनर, रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,) आप सफलतापूर्वक अपने रचनात्मक कार्यों को खत्म करने में सक्षम होंगे। इस जश्न को मनाने के लिए आप एक पार्टी की मेजबानी की योजना भी बना सकते हैं और जिन्होंने भी इस यात्रा में आप का समर्थन किया एवं अपने विरोधियों को भी समारोह में आमंत्रित करें। अपनी कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए भी प्रयास करते रहें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,) आप पूर्ण रूप से स्वस्थ नहीं हैं इसलिए आप इस उत्पादक अवधि का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। आप अपने कार्यों की पूर्ति के लिए पहले से ही स्थापित कार्य योजना का पालन करें और आगे बढ़ें चाहे आपको कैसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़े। यह अपने काम को खत्म करने के लिए नए तरीके अपनाने के लिए एक अच्छा समय नहीं है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) कुछ भ्रम की स्थिति आज आपके कार्य क्षेत्र में आने की संभावना है। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से कार्य कर रहे हैं, साथ ही साथ आपको एक व्यापार में शामिल होने के लिए एक प्रस्ताव मिल सकता है जो आपको प्रोत्साहित करेगा और पुरस्कार से भरपूर भी पसंद तुम तरह का प्रस्ताव आप ने पहले न देखा न सुना इसलिए आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) आज का दिन विपणन के लिए बहुत ही कारगर साबित हो सकता है जो की आपके व्यवसाय को आगे की और ले जा सकता है। ये जरूरी है की आप विपणन नीतियां बनाते हुए उपयुक्त निर्णय ले ताकि आप बेहतर नीतियां बना सके। अगर आज आपने कोई कार्यशाला या सार्वजनिक समारोह आपने व्यवसाय को आगे ले जाने के लिए रखा हुआ है तो वो काफी अच्छा रहेगा।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो, ता, ती, तू ,ते,) आज आपको अपने कार्य करने के लिए विशेष ध्यान देना होगा क्योंकि आपके वरिष्ठ अधिकारी बारीकी से आपकी प्रगति को देखेंगे। वे आपके समर्पण भाव और मजबूत नेतृत्व के गुणों से प्रभावित होंगे। आज आपके थोड़े अधिक प्रयासों से आपके करियर को नयी गति मिल सकती है क्योंकि आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके इन गुणों को ध्यान में रखेंगे।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा। आपका व्यवसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा। आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान कुशल व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) आप लंबे समय से एक ही परियोजना पर काम कर रहे हैं, इसलिए आपका दिन आज आपको नीरस लग सकता है। ये आपकी प्रगति के लिए हानिकारक है, इसलिए जितनी जल्दी हो सके बदलाव लाने के लिए आप कोशिश करें। हालांकि तब तक अपने सहकर्मियों के साथ सौहार्दपूर्ण रिश्ते का आनंद लें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं, वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालांकि अगर ऐसा नहीं होता है, तो आप खुलकर अपने विचारों को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा। काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊंचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा। आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते हैं, इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करें। आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहां काम पर लगवा सकते है। हालांकि आप अवगत नहीं है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

झारखंड में 5 मई तक आंधी-तूफान और बारिश

साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर, हजारीबाग-कोडरमा में हुई बारिश, ऑरेंज अलर्ट जारी

रांची, 1 मई (एजेंसियां)। झारखंड में भीषण गर्मी से मिल रही राहत अगले 5 दिनों तक जारी रहेगी। पूरे प्रदेश में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश रुक-रुक कर होती रहेगी। दरअसल प्रदेश के मौसम में इस तरह का बदलाव साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि राज्य में लू वाली स्थिति नहीं बनी है।

इधर दोपहर बाद झारखंड के मौसम में बदलाव हुआ। हजारीबाग और कोडरमा में जम कर बारिश हुई। वहीं गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, रांची जैसे जिलों में अगले 3 घंटे में बारिश होने की बात कही गई है।

मौसम विभाग ने आज के मौसम के लिए पूर्वानुमान लगाते हुए कहा है कि रांची सहित प्रदेश के 20 जिलों में आंधी, वज्रपात और मेघ गर्जन के साथ बारिश की संभावना है। कहीं-कहीं ओलावृष्टि के भी संकेत हैं।

मौसम के बदले मिजाज की आशंका को देखते हुए विभाग में 20 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों के अतिरिक्त शेष 4 जिले पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार में भी मेघ गर्जन और हल्की बारिश के आसार हैं। इन चार जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने बताया है कि 2 मई को भी रांची, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा में आंधी के साथ हुआ वज्रपात और बारिश हो सकती है। ओला भी गिरने की संभावना बनती दिख रही है। इन जिलों में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है।

जबकि अन्य जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। झारखंड के मौसम में वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि प्रदेश में मौसम का यह बदलाव 5 मई तक जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा है कि मौसम में बदलाव का विस्तार आगे भी जारी रह सकता है। हालांकि मौसम विज्ञान केंद्र रांची के मुताबिक मई के मध्य में कुछ दिनों तक अधिकतम तापमान वृद्धि हो सकती है।

इधर मौसम में आए इस बदलाव के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली है। राज्य के सभी जिलों का तापमान 40 डिग्री से कम रहा। बीते 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य के कई हिस्सों में बारिश हुई। सिमडेगा में पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक 33.8 मिलीमीटर बारिश हुई है।

नक्सलियों ने मुंशी को घर से उठाकर मारी गोली

सड़क निर्माण में लगी गाड़ियां जलाई, दो जगह 2 घंटे किया बवाल

लातेहार, 1 मई (एजेंसियां)। लातेहार जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने दो अलग-अलग जगहों पर करीब दो घंटे तक जमकर उत्पात मचाया है। नक्सली सबसे पहले ओरसा पाठ से अंबाकोना तक बन रही सड़क पर पहुंचे।

यहां ग्रामीण कार्य विभाग के निर्माण स्थल पर खड़े वाहन से डीजल निकाला। इसके बाद जेसीबी और ग्रेडर मशीन को आग लगा दी। जेसीबी पूरी तरह जल गई। ग्रेडर को भी नुकसान हुआ। यह सड़क साढ़े तीन करोड़ की लागत से बन रही थी।

इसके बाद नक्सली डेढ़ किलोमीटर दूर ओरसा गांव पहुंचे। यहां पथ निर्माण विभाग की 50 करोड़ की लागत से मेढ़ारी से ओरसापाठ तक बन रही सड़क में मुंशी का काम कर रहे अयूब खान को नक्सलियों ने घर से उठाया। इसके बाद कुछ दूरी ले जाकर पहले उसकी पिटाई की। फिर गोली मारकर हत्या कर दी। गांव के उपमुखिया वकील खान ने बताया कि 10 की संख्या में थे। सभी हथियारों से लैस थे।

उपमुखिया वकील खान ने बताया कि नक्सलियों ने पहले मुझे भी पकड़ा। इसके बाद ठेकेदार के बारे में पूछने लगे। नक्सली मोबाइल भी छिन लिए। बताया जा रहा है कि लेवी को लेकर यह वारदात की गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच शुरू कर दी।

एसपी कुमार गौरव ने घटना की पुष्टि की। बताया कि इलाके को सील कर दिया गया है। नक्सलियों की तलाश में सघन छापेमारी चल रही है। लातेहार में लंबे समय बाद नक्सलियों ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पहलगाम हमले पर विवादित पोस्ट क्रिश्चियन नेता पन्नालाल पर एफआईआर

हिंदू संगठनों ने किया था अर्धनग्न प्रदर्शन, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का आरोप

रायपुर, 1 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम हमले के 26 मृतकों की फर्जी लिस्ट सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के बाद रायपुर में जमकर बवाल हुआ। अब पुलिस ने छत्तीसगढ़ क्रिश्चियन फोरम के नेता अरुण पन्नालाल पर एफआईआर दर्ज किया है। पन्नालाल पर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का आरोप है। इसे लेकर हिंदू संगठनों ने उसके घर के बाहर रातभर अर्धनग्न प्रदर्शन कर विरोध जताया था।

इस मामले में गौ सेवक आदेश सोनी ने बताया कि, अरुण पन्नालाल क्रिश्चियन फोरम से जुड़ा नेता है। उसने पहलगाम हमले के बाद अपने सोशल मीडिया पर एक लिस्ट जारी की। जिसमें हमले में 26 लोगों की मौत में 15 मुस्लिम समुदाय से बताया। इस लिस्ट में कई फर्जी नाम भी शामिल थे। यह लिस्ट पूरी तरह फर्जी और झूठी थी। इसमें शहीदों के नाम को तोड़ मरोड़कर पेश किया गया था। सोनी ने कहा कि, अरुण पन्नालाल के खिलाफ हमने आजाद चौक थाने में शिकायत दी। इसके बाद पन्नालाल के खम्हारडीह थाना इलाके स्थित घर के बाहर देर रात तक अर्धनग्न प्रदर्शन किया। इस दौरान हमने हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस विरोध प्रदर्शन में कई अन्य हिंदू संगठन भी शामिल गए। प्रशासन से कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी हुई।

सोशल मीडिया पर जो फर्जी लिस्ट जारी हुई उसमें रायपुर के कारोबारी दिनेश मिरानिया का नाम शामिल नहीं था। जिसके बाद दिनेश के रिश्तेदार अमर बंसल ने भी पुलिस में पन्नालाल के खिलाफ शिकायत दी थी। इस शिकायत के बाद पन्नालाल ने परिवार के लोगों से माफी मांगी थी। लेकिन हिंदू संगठन के कार्यकर्ता लगातार एक्शन की मांग कर रहे थे। फिलहाल आजाद चौक पुलिस ने अरुण पन्नालाल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस इस मामले में अब आगे की कार्रवाई करेगी।

इस मामले में अरुण पन्नालाल ने कहा था कि जो सोशल मीडिया पोस्ट को हटा लिया गया था। फिलहाल उनकी आईडी में इस लिस्ट से जुड़ी कोई भी पोस्ट नहीं है। पन्नालाल ने हिंदू संगठनों के विरोध प्रदर्शन को गलत बताया था। इस मामले में क्रिश्चियन समुदाय के एक संगठन डायोसिस ऑफ छत्तीसगढ़ ने इस विवाद से किनारा किया था। इसके सचिव और प्रवक्ता नीतिन लॉरेंस ने कहा था कि छत्तीसगढ़ क्रिश्चियन फोरम पूरे मसीही समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। मसीही समाज शासन प्रशासन के साथ मिलकर काम करता है। वह किसी भी एक तरफ बयानों का समर्थन नहीं करता है।

कोरागुट्टा हिल पर लहराया तिरंगा

जवानों ने ध्वस्त किया नक्सलियों का किला

रायपुर, 1 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार के सूत्रों ने बताया कि बीजापुर में तेलंगाना सीमा से लगे कोरागुट्टा पहाड़ियों के एक हिस्से को माओवादियों से मुक्त करा लिया गया है। पिछले नौ दिनों से चल रहे एक बड़े अभियान में नक्सल विरोधी बलों ने पहाड़ी चोटी पर फिर से कब्जा कर लिया और वहां 5000 फीट पर तिरंगा फहराया।

हालांकि कुख्यात पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन नंबर 1 के शीर्ष माओवादी नेता और कैडर - जिनमें हिडमा, देवा और दामोदर शामिल हैं - शुरू में पहाड़ी की चोटी पर ही थे और छत्तीसगढ़ पुलिस के डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड और स्पेशल टास्क फोर्स और सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन ने छत्तीसगढ़ की ओर से पहुंच को नियंत्रित कर लिया था, लेकिन वे तेलंगाना की ओर से भाग निकले।

एक अधिकारी ने बताया कि यह क्षेत्र हिडमा, देवा, दामोदर, आजाद और सुजाता जैसे शीर्ष नक्सली कमांडरों का गढ़ था। छत्तीसगढ़ पुलिस और कोबरा बटालियन ने अब अपनी तरफ की पहाड़ियों पर फिर से कब्जा कर लिया है।

घिरने के बाद माओवादी नेता और पीएलजीए कैडर भाग गए और तेलंगाना में शरण ली। छत्तीसगढ़ में बल अब कोरगुट्टा पहाड़ियों में सुरक्षा शिविर या फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित करेंगे और माओवादियों या पीएलजीए बटालियन नंबर 1 के कैडरों की वापसी को रोकने के लिए क्षेत्र पर कब्जा करेंगे।

माओवादी कर रहे युद्धविराम की अपील

कोरेगुट्टा ऑपरेशन में बलों द्वारा माओवादियों को घेरने और तीन पीएलजीए कैडरों को मारने के बाद, सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति ने 25 अप्रैल की तारीख वाले एक बयान में सुरक्षा बलों के साथ 'अनुकूल माहौल बनाने' के लिए समयबद्ध युद्धविराम की अपील की थी।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर

एक शख्स की मौके पर मौत और दो घायल

बिलासपुर, 1 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर के सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक शख्स की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक, तखतपुर दैजा निवासी हालमुकाम बन्नाक चौक सिरगिट्टी निवासी बलराम विश्वकर्मा अपने अन्य परिजन जो ग्राम ढंनढंन के रहने वाले कृपाराम विश्वकर्मा पिता रामफल विश्वकर्मा उम्र 48 वर्ष और भोला राम विश्वकर्मा के साथ दो अलग-अलग बाइक पर सवार होकर शादी कार्यक्रम में शामिल होने तिफरा के मन्नाडोल के लिए जा रहे थे।

भेड़ियों के बाद कुत्तों का कहर

'हनुमान' बनकर आए बंदर ने मासूम को आदमखोरों के झुंड से बचाया

बहराइच, 1 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में भेड़ियों के बाद कुत्तों के हमले का मामला सामने आया है। लहूलुहान बच्चे की जान बंदर ने आकर बचाई। लेकिन जब तक बंदर आता तब बच्चा बुरी तरह जख्मी हो गया था क्योंकि कुत्तों ने उसे पटक कर कई जगह नोंच लिया था। लिहाज़ा बच्चे का इलाज जनपद मुख्यालय के एक प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। बच्चे को इतनी जगह ज़ख्म आए की पिता यह बता पाने में असमर्थ है कि उसके बच्चे के कितने टांके लगे हैं।

रिसिया इलाके के ग्राम तुला मझौवा गांव में आबादी से लगभग 300 मीटर की दूरी पर स्थित आम के बाग में सचिन (8) पुत्र राजेश कुछ बच्चों के साथ खेल रहा था कि चार-पाँच कुत्तों ने उस पर हमला बोल दिया। और उसे बुरी तरह नोचने लगे जिससे उसके हाथ, पैर, कमर, पीठ में घाव हो गया और वह जमीन पर गिर गया।

बच्चे को तड़पता देख आम की डाल पर बैठे बंदर ने कुत्ते पर छलांग मार दी। जिससे कुत्तों का ध्यान भटका और वह बंदर को दौड़ाने लगे। तब तक सचिन के साथ के बच्चे भी उसके करीब आ गए और उसे घर उठा लाए।

सचिन के पिता राजेश ने एनबीटी को बताया कि मेरे बच्चे की जान बंदर की वजह से बची वर्ना कुत्ते उसे जिंदा नोचकर खा जाते क्योंकि हमारे बच्चे के साथ खेल रहे दूसरे बच्चे भी कुत्तों के डर से दूर खड़े थे। उन्होंने कहा वह मेरे लिए बंदर नहीं बल्कि हनुमान भगवान थे, जिन्होंने समय पर बच्चे की जान बचा ली वर्ना हमारे बच्चे की मौत हो जाती।

जनपद में कुत्तों के काटने की यह कोई पहली घटना नहीं है। यहाँ के महसी क्षेत्र में जब भेड़िये का आतंक चल रहा था। तब भी फारेस्ट विभाग ने दो दर्जन से अधिक मामलों में यह बताया था कि यह कुत्तों ने हमले किए हैं। लेकिन उस समय हर व्यक्ति सभी हमलों में वन्यजीव को ही दोषी मान रहा था। लेकिन जब दो भेड़िए मर गए और चार पकड़ लिए गए। उसके बाद भी शिवपुर इलाके में हमले नहीं रुके तो छान बीन की गई और कुत्तों के काटने के 12 मामले सामने आए। तब प्रशासन ने कुत्तों को पकड़कर जंगल में छोड़ने का काम शुरू किया और ऑटोरिक्शे पर प्रशासन की तरफ से एलान करवाया गया कि कुत्तो से सावधान रहें और बच्चों को अकेले कहीं ना जाने दे। इन सब जुगत के बावजूद अभी भी कुत्तों के हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं।

वन्यजीवों पर पिछले बीस साल से भी अधिक समय से काम कर रहे नेचर इनवायरमेंट एंड वाइल्ड लाइफ सोसाइटी के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक ने बताया कि कुत्तों के खान-पान बदलने के कारण कुत्तों के व्यवहार में भी परिवर्तन आ रहा है।

शादी के 2 दिन पहले घर से भागी दुल्हन

गया में बॉयफ्रेंड के साथ मिली, धनबाद वापस लाकर प्रेमी से कराई गई शादी

धनबाद, 1 मई (एजेंसियां)। धनबाद में बुधवार को ग्रामीणों की मौजूदगी में एक प्रेमी जोड़े की मंदिर में शादी कराई गई। युवती के परिजनों ने उसकी शादी कहीं और तय कर दी थी और 29 अप्रैल को घर पर बारात आने वाली थी।

इससे पहले ही 27 अप्रैल को युवती प्रेमी संग भाग गई। ग्रामीणों की मदद से युवती को प्रेमी संग गया (बिहार) से धनबाद लाया गया और उनकी शादी करा दी गई। घटना टुंडी थाना क्षेत्र की है। दक्षिणी टुंडी स्थित लक्ष्मणपुर के गोपालपुर टोला निवासी एक युवती 27 अप्रैल को अपने घर से अचानक लापता हो गई। दो दिन बाद 29 अप्रैल को युवती की शादी टुंडी के ही केस्को में होने वाली थी। घर में शादी की तैयारी चल रही थी। परिजन शादी के रस्मों के साथ खरीदारी में जुटे थे। युवती के अचानक गायब हो जाने पर कोहराम मच गया। परिजनों ने सूचना टुंडी थाने को दी। पुलिस युवती की खोजबीन कर ही रही थी कि इसी दौरान उसके बिहार के गया में होने का पता चला। परिजन और ग्रामीणों ने गया जाकर युवती को प्रेमी के साथ बरामद किया। दोनों को लेकर टुंडी थाने की पुलिस के हवाले कर दिया गया। प्रेमी कन्हैया निवासी प्रेमचंद महतो है, जो गोपालपुर ओला टेंट हाउस चलाता है। पास में ही युवती का घर है। पुलिस को युवक ने बताया कि युवती के घर के पास आने-जाने के दौरान परिचय हुआ। कुछ दिन बातचीत होने के बाद दोस्ती प्यार में बदल गई। इसकी जानकारी युवती के परिजनों को लगी। परिजनों ने उसकी शादी केस्को के एक युवक से तय कर दी। प्रेमिका की शादी तय होने पर प्रेमी परेशान हो गया। दोनों ने भाग जाने का निर्णय लिया। इसके बाद युवक 27 अप्रैल को गोपालपुर टोला के बाहर पहुंचा। युवती चुपचाप घर से निकल गई। फिर दोनों गया में परिचित के यहां चले गए। इधर, दोनों ने पुलिस के सामने खुद को बालिग बताया और कहा कि जीवन भर साथ रहना चाहते हैं। दोनों की रजामंदी से पुलिस और युवक के परिजनों, कुछ ग्रामीणों की मौजूदगी में उनकी मंदिर में शादी करा दी गई।

युवक और युवती दोनों के परिजनों को थाना बुलाया गया। युवक के परिजन आए और दोनों की शादी के लिए तैयार हो गए। पर युवती के परिजनों ने आने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि अब उसके साथ कोई रिश्ता नहीं रहा।

ठेकेदार ने ड्राइवर को बेल्ट से पीटा, थूककर चटवाया

डीजल चोरी का आरोप, गुस्साए भारत माला प्रोजेक्ट के ड्राइवरों ने कॉन्ट्रैक्टर्स से की मारपीट

कांकेर, 1 मई (एजेंसियां)। कांकेर जिले में भारत माला सड़क निर्माण परियोजना के ठेकेदार ने वाहन चालक से मारपीट की है। इसका वीडियो भी सामने आया है। जिसमें वह डीजल चोरी के आरोप में चालक को बेल्ट से खूब मारा और थूक के चटवाया है।

मामला दुधावा थाना क्षेत्र का है। कोंडागांव के बासनवाही में ठेकेदार ने पहले वाहन चालक से मारपीट की थी। उसके गुहार लगाने के बावजूद वह नहीं रुका और दहशत फैलाने के लिए वीडियो वायरल कर दिया। इस घटना के अगले दिन 29 अप्रैल को वाहन चालकों ने एकजुट होकर ठेकेदार से बदला लिया, सड़क पर उसकी पिटाई की गई। इस दौरान बीच-बचाव करने आए कंपनी के मैनेजर को भी पीटा गया।

जानकारी के मुताबिक, भारत माला प्रोजेक्ट के तहत कांकेर-कोंडागांव के बीच बन रहे छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े टनल प्रोजेक्ट में काम कर रहे वाहन चालकों का वेतन रोक दिया गया है। परिवार के भरण-पोषण की चिंता में कुछ चालक डीजल चोरी करने को मजबूर हुए हैं। दुधावा पुलिस के मुताबिक, यह घटना कोंडागांव क्षेत्र की है। प्रोजेक्ट में छत्तीसगढ़ के कई जिलों से आए कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। वेतन नहीं मिलने की समस्या से श्रमिकों और प्रबंधन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है।

रिश्वतखोर चीफ-इंजीनियर के पास मिले 70 लाख कैश-एक किलो गोल्ड

रेलवे अफसर ने रांची में फ्लैट्स-कॉम्प्लेक्स, ज्वेलरी शो-रूम, बेगूसराय में फैक्ट्री समेत करोड़ों की बनाई संपत्ति

बिलासपुर, 1 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सीबीआई ने रेलवे के जिस चीफ इंजीनियर को 32 लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। उसके पास से बेनामी संपत्ति भी मिली है। सीबीआई ने चीफ इंजीनियर और उसके भाई के रांची, बिलासपुर और दिल्ली स्थित ठिकानों पर छापेमारी की। जहां से आय से अधिक संपत्ति मामले में 70 लाख कैश और एक किलो सोना जब्त किया है।

इसके अलावा, उसकी रांची में ज्वेलरी शॉप, डायमंड और रेडीमेड गारमेंट्स शो रूम, फ्लैट्स और एक कॉम्प्लेक्स के साथ ही बेगुसराय में फैक्ट्री की भी जानकारी जुटाई गई है। जिसकी जांच की जा रही है। अफसर आरोपी चीफ इंजीनियर विशाल आनंद की पूरी कुंडली खंगाल रहे हैं। बताया जा रहा है कि, चीफ इंजीनियर विशाल आनंद चर्चित अफसर रहे हैं। पिछले लंबे समय से बिलासपुर में पदस्थ रहे। दो अलग-अलग पदों पर रहते हुए उन पर कई बार अनियमितताओं के आरोप भी लगे।

बिलासपुर ट्रांसफर होने से पहले विशाल आनंद रांची डिवीजन में तीन साल तक इंजीनियरिंग विभाग में सीनियर डीईएन (को-ऑर्डिनेशन) के पद पर पदस्थ थे। साथ ही रेल कार्पोरेशन में भी पदस्थ रहे हैं। उनकी पोस्टिंग की जानकारी लेकर सीबीआई की टीम दस्तावेज खंगाल रही है।

सीबीआई ने जांच के दौरान रांची स्थित कुणाल आनंद के आवास से 20 लाख रुपए कैश और एक किलोग्राम सोना बरामद किया है। वहीं, बिलासपुर में विशाल आनंद के घर से करीब 18 लाख रुपए मिले हैं। हालांकि, सीबीआई ने इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

रेलवे सूत्रों का कहना है कि, रेलवे के अफसर विशाल आनंद ने अपने और रिश्तेदारों के नाम पर करोड़ों रुपए की संपत्ति बनाई है। जिसमें रांची में ज्वेलरी शॉप, डायमंड और रेडीमेड गारमेंट्स का शो रूम है।

रांची से पटना जा रही बस रामगढ़ में पलटी

रामगढ़, 1 मई (एजेंसियां)। रांची से पटना जा रही यात्रियों से भरी आरजू नाम की बस बीती देर रात रामगढ़ में दुर्घटना का शिकार हो गई। टायर मोड पर बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। इस घटना में बस सवार 36 यात्री घायल हो गए। उन्हें मामूली चोटें आईं हैं। इधर, हादसे के बाद बस के ड्राइवर और खलासी फरार हो गए। वहीं, घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने टॉर्च की रोशनी में एक-एक कर सभी यात्रियों को बस से बाहर निकाला। घायलों को तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को छुट्टी दे दी गई। घायल यात्रियों के मुताबिक, चुटूपालू घाटी से उतरने के बाद खलासी ने सभी को रामगढ़ आने की सूचना दी थी। कुछ यात्री मोबाइल पर बात कर रहे थे। इसी दौरान बस अचानक मुड़ी और पलट गई। स्लीपर में बैठे यात्री ऊपर से नीचे गिर गए। नीचे की सीट पर बैठे लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। हादसे के बाद बस में अंधेरा छा गया। यात्रियों को लगा कि बस किसी वाहन से टकरा गई है। जब यात्रियों ने ड्राइवर और खलासी को आवाज लगाई तो कोई जवाब नहीं आई। पता चला कि दोनों हादसे के बाद फरार हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से यात्रियों ने अपना सामान भी निकाला। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई।

बोरे-बासी खाकर भूपेश बोले- ये हमारा अभिमान

जिला पंचायत अध्यक्ष ने मजदूरों के पैर धोए, कांग्रेसियों ने बोरे-बासी खाते हुए शेयर किए फोटो

रायपुर, 1 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आज 1 मई को कांग्रेस 'बोरे-बासी दिवस' के रूप में मजदूर दिवस मना रही है। नेता अपने घरों में पारंपरिक छत्तीसगढ़ी भोजन बोरे-बासी खाकर उसकी फोटो, वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। भूपेश बघेल ने भिलाई के संत विजय ऑडिटोरियम में बोरे-बासी खाकर तिहार मनाया। दुर्ग जिले की जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे ने मनरेगा क्षेत्र पहुंचकर वहां मौजूद मजदूरों के पैर धोए और छत्तीसगढ़िया गमछा और माला पहनाकर उनका स्वागत किया। बता ये परंपरा भूपेश बघेल की सरकार में शुरू हुई थी, जब मंत्रियों से लेकर कलेक्टर, आईएएस और आईपीएस अधिकारियों तक ने बोरे-बासी खाते हुए अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं।

दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस सरकार के बाद पिछले साल जब भाजपा की सरकार बनी, तब भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बोरे-बासी खाकर मजदूर दिवस की बधाई दी थी। उन्होंने रायपुर में श्रमिकों को सम्मानित भी किया था।

लेकिन इस बार उनके आधिकारिक शेड्यूल या कार्यक्रमों में बोरे-बासी दिवस को लेकर अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

शादी से पहले मिलने बुलाया होने वाला पति, प्रेमी भी था साथ

फिर हत्या कर जमीन में दफनाई लाश

अंबिकापुर, 1 मई (एजेंसियां)। सरगुजा जिला से दिल दहला देने वाला एक मामला सामने आया है। जहां शादी से 10 दिनों पूर्व मंगेतर ने अपने होने वाले पति को मिलने बुलाया और अपने प्रेमी के साथ मिलकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद पूरी तसल्ली के लिए कि उसकी मृत्यु हो गई है। उसका गला घोट कर जमीन में दफन कर दिया। मामले का खुलासा तब हुआ जब युवक अपने घर नहीं लौटा और पुलिस ने मोबाइल व कॉल रिकॉर्ड से ट्रेस कर उसके लोकेशन का पता किया तो पुलिस को पता चला कि लापता युवक से जिसकी शादी होने वाली थी। उसका लोकेशन उसके होने वाली पत्नी के गांव में मिला। जानकारी के मुताबिक, सीतापुर क्षेत्र के जजगा निवासी अमृत लकड़ा उम्र 30 वर्ष की शादी बतौली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घोघरा निवासी पुष्पा केरकेट्टा उम्र 22 वर्ष के साथ तय हुई। 6 मई को दोनों का विवाह होना था। बताया जा रहा है कि इससे पहले पुष्पा केरकेट्टा की मंगेतर अमृत से बातचीत होती थी। पुष्पा ने शादी से पूर्व गत 26 अप्रैल को अमृत को ग्राम घोघरा में किसी के हल्दी रस्म कार्यक्रम में शामिल होने के बहाने मिलने बुलाई थी। ऐसी बात सामने आ रहा है कि युवती के साथ उसका प्रेमी भी था और कहा था और इसी बहाने वो अमृत लकड़ा बुलाया और उसी रात बेन्दोकोना के जंगल ले गई। जहां पहले से मौजूद उसके प्रेमी बबलू ने टांगी से सिर,सीने एवं चेहरे में वार कर अमृत की बेरहमी से हत्या कर दी। इधर अमृत के अचानक लापता होने से परेशान परिजनों ने सीतापुर थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट 28 अप्रैल को दर्ज कराई। पुलिस ने अमृत लकड़ा के मोबाइल की कॉल रिकार्ड एवं मोबाइल लोकेशन की जांच की तो पता चला कि लापता होने के पूर्व उसकी होने वाली पत्नी पुष्पा केरकेट्टा के साथ उसकी बातचीत हुई है। उसका अंतिम मोबाइल लोकेशन भी ग्राम घोघरा में मिला। कॉल रिकार्ड एवं मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने पुष्पा से पूछताछ की, लेकिन उसने अमृत के संबंध में कोई भी जानकारी नहीं होना बताया।

अमेरिका-यूक्रेन के बीच मिनरल डील हुई

यूक्रेनी खनिज के बदले देश के रिडेवलपमेंट में निवेश करेंगे ट्रम्प, कई महीनों की बातचीत के बाद समझौता

वॉशिंगटन, 1 मई (एजेंसियां)। यूक्रेन और अमेरिका ने आखिरकार बुधवार को मिनरल डील पर साइन कर लिए। इस डील के तहत अमेरिका को यूक्रेन के नए मिनरल (खनिज) प्रोजेक्ट्स में खास एक्सेस मिलेगा। इसके बदले में अमेरिका यूक्रेन के पुनर्निर्माण में निवेश करेगा। इस डील के तहत यूक्रेन के रिडेवलपमेंट और रिकंस्ट्रक्शन के लिए एक जॉइंट इन्वेस्टमेंट फंड बनाया जाएगा। इसके अलावा ट्रम्प सरकार ने इस डील के बारे में ज्यादा डिटेल्स तुरंत जारी नहीं की हैं, और ये भी साफ नहीं है कि इसका अमेरिका की सैन्य मदद पर क्या असर पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक, फाइनल डील में अमेरिका की तरफ से किसी तरह की सिक्योरिटी मदद की कोई पक्की गारंटी नहीं दी गई है।

यूक्रेन के इकोनॉमी मिनिस्ट्री ने कहा है कि अमेरिका इस फंड में सीधे या फिर मिलिट्री मदद के जरिए योगदान देगा, जबकि यूक्रेन इस फंड में अपने नेचुरल रिसोर्सेज के इस्तेमाल से होने वाली कमाई का 50% हिस्सा डालेगा। मिनिस्ट्री ने बताया कि फंड के सारे पैसे पहले 10 साल तक सिर्फ यूक्रेन में ही इन्वेस्ट किए जाएंगे। इसके बाद, 'प्रॉफिट को दोनों पार्टनर्स के बीच बांटा जा सकता है।'

मिनिस्ट्री ने यह भी कहा कि अमेरिका और यूक्रेन को फंड के फैसलों में बराबर की हिस्सेदारी मिलेगी। यह डील सिर्फ भविष्य की अमेरिकी मिलिट्री मदद को कवर करती है, पहले दी गई मदद इसमें शामिल नहीं है।

टेलीग्राम पर की गई एक पोस्ट में यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस शमिहाल ने लिखा कि इस डील के तहत जो इन्वेस्टमेंट फंड बनाया जाएगा, उस पर दोनों देशों के बराबर वोटिंग राइट्स होंगे, और यूक्रेन अपनी जमीन के अंदर मौजूद संसाधनों, इन्फ्रास्ट्रक्चर और नेचुरल रिसोर्सेज पर पूरा कंट्रोल बनाए रखेगा।

उन्होंने ये भी कहा कि इस इन्वेस्टमेंट फंड से होने वाला मुनाफा दोबारा यूक्रेन में ही लगाया जाएगा। शमिहाल ने लिखा, 'इस समझौते की मदद से हम री-बिल्डिंग के लिए बड़े पैमाने पर रिसोर्सेज ला पाएंगे, इकोनॉमिक ग्रोथ शुरू कर सकेंगे, और अमेरिका जैसे स्ट्रैटेजिक पार्टनर से लेटेस्ट टेक्नोलॉजी भी हासिल कर पाएंगे।'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लंबे समय से इस डील के लिए यूक्रेन पर दबाव बना रहे थे। ट्रम्प प्रशासन के मुताबिक, इस पहल के जरिए रूस और यूक्रेन के बीच पिछले तीन साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए शांति समझौता करवाने की कोशिश कर रहे हैं। यह डील वॉशिंगटन में साइन हुई। इसे लेकर पिछले कुछ महीनों से बातचीत चल रही थी। फरवरी के आखिर में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की डील पर साइन करने के लिए अमेरिका गए थे, लेकिन वहां उनका राष्ट्रपति ट्रम्प और उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस से बहस हो गई, जिससे डील टल गई। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने एक बयान में कहा, 'यह समझौता रूस को यह साफ-साफ संदेश देता है कि ट्रम्प प्रशासन ऐसी शांति प्रक्रिया के लिए काम कर रहा है, जो लंबे समय के लिए एक स्वतंत्र, संप्रभु और समृद्ध यूक्रेन बनाए। और साफ तौर पर कहें तो, कोई भी ऐसा देश या व्यक्ति जिसने रूस की युद्ध मशीन को वित्तीय मदद दी है, उसे यूक्रेन के पुनर्निर्माण से कोई फायदा नहीं होगा।'

पोर्न एक्टर पर ब्रिटिश गे कपल की हत्या का आरोप

सिर काटकर फ्रीजर में रखा बॉडीपार्ट्स सूटकेस में भरकर नदी में फेंका

लंदन, 1 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में एक पोर्न एक्टर पर आरोप है कि उसने एक गे कपल (समलैंगिक जोड़े) का सिर काट दिया और उनके टुकड़े कर दिए। इसके बाद कटे हुए सिरों को फ्रीजर में रख दिया और बाकी बॉडी पार्ट्स को सूटकेस में भरकर एक पुल से नीचे फेंक दिया। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक 35 साल के कोलंबिया पोर्न एक्टर योस्टिन आंद्रेस मोस्क्वेरा पर आरोप है कि उसने 8 जुलाई, 2024 लंदन के शेफर्ड्स बुश इलाके के एक अपार्टमेंट में 71 साल के पॉल लॉन्गवर्थ और 62 साल के अल्बर्ट अल्फोंसो की हत्या कर दी। सरकारी वकील का दावा है कि मोस्क्वेरा को 10 जुलाई की रात लंदन से 160 किमी दूर ब्रिस्टल शहर के फेमस क्लिफ्टन सस्पेंशन ब्रिज पर एक बड़े लाल सूटकेस के साथ देखा गया था। आरोपी ने पहले लॉन्गवर्थ के सिर पर हथौड़े से कई हमले किए, जिससे उसका सिर फूट गया था। इसके बाद अल्फोंसो के चेहरे और शरीर पर चाकू से कई हमले किए।

पाकिस्तान ने आईएसआई चीफ असीम मलिक को एनएसए बनाया

भारत के साथ बढ़ते तनाव के बीच की नियुक्ति, अप्रैल 2022 से खाली पड़ा था पद

कराची, 1 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) बनाया है। यह अपॉइंटमेंट 29 अप्रैल को हुई थी, लेकिन मीडिया में नोटिफिकेशन 30 अप्रैल को आधी रात जारी किया गया। असीम मलिक को सितंबर 2024 में आईएसआई चीफ बनाया गया था। अप्रैल 2022 में मोईद यूसुफ के बाद से पाकिस्तान में कोई एनएसए नहीं था। इस अपॉइंटमेंट के बाद असीम मलिक के पास अब दो जिम्मेदारियां (आईएसआई चीफ और एनएसए) होंगी। इससे पहले 30 अप्रैल को भारत सरकार ने एनएसए बोर्ड (एनएसएबी) का नए सिरे से गठन किया है। रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (आरएण्डएडब्ल्यू, रॉ) के पूर्व प्रमुख आलोक जोशी को इसका नया चेयरमैन बनाया गया।

भारत सरकार के फैसले के बाद, अब एनएसएबी में 6 सदस्य भी होंगे। इनमें आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के पूर्व अफसर हैं। साथ ही पूर्व डिप्लोमैट और पूर्व आईपीएस अफसर को भी इसमें शामिल किया गया है।

यह फैसला पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) की बैठक में हुआ। एनएसएबी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय को इनपुट देगा।

इससे पहले मंगलवार-बुधवार देर रात पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार ने दावा किया था कि भारत उसके खिलाफ अगले 24-36 घंटों में सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

तरार ने कहा कि उन्हें विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली है कि भारत पहलगाम घटना के बहाने ऐसा कर सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार रहा है और इस संकट के दर्द को सही मायने में समझता है।

ब्रिटेन को अपने दोस्त भारत की मदद के लिए खड़ा होना चाहिए

पहलगाम हमले पर भड़कीं ब्रिटिश सांसद प्रीति पटेल

लंदन, 1 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की भारतीय मूल की सांसद प्रीति पटेल ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और अपनी सरकार से अपील की कि ब्रिटेन को अपने दोस्त भारत के साथ इस मुश्किल समय में खड़ा होना चाहिए और दोनों देशों के आतंक के खतरे से निपटने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। ब्रिटेन की संसद में प्रीति पटेल ने ये बातें कही। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटक मारे गए थे। इस हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है।

भारतीय मूल की ब्रिटिश सांसद प्रीति पटेल ने कहा कि 'पहलगाम हमले के पीड़ितों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। यह एक आतंकी घटना थी और हमें इसे वो ही बताना चाहिए, जो ये है। यह आम नागरिकों पर हमले का लंबे समय से चला आ रहा पैटर्न है, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों और पर्यटकों को निशाना बनाया जाता रहा है।' प्रीति पटेल ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच रणनीतिक साझेदारी है। उन्होंने कहा कि 'हमारे बीच (भारत और ब्रिटेन) लंबे समय से रणनीतिक साझेदारी है। इसे लेकर साल 2002 में नई दिल्ली डिक्लेरेशन और साल 2016 में भारत-यूके रणनीतिक साझेदारी भी हुई। दोनों देशों के बीच 20230 का रोडमैप भी बना हुआ है। ऐसे में हमें भारत की मदद करनी चाहिए।'

पाकिस्तान ने भारत भेजे 150 अफगान ट्रकों को इजाजत दी

आईसीपी पर भारत की मंजूरी बाकी, पहलगाम हमले के बाद रूट बंद, 3800 करोड़ का व्यापार प्रभावित

अमृतसर, 1 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक अहम फैसला लेते हुए अफगानिस्तान से भारत जा रहे 150 ट्रकों को वाघा सीमा पार करने की इजाजत दे दी है। यह फैसला इस्लामाबाद स्थित अफगानिस्तान के दूतावास के अनुरोध पर लिया गया है। हालांकि, अब इस बात पर संदेह है कि भारत उन्हें वाघा के रास्ते अटारी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) पार करने की इजाजत देगा या नहीं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक पत्र में बताया गया है कि ये अफगान ट्रक 25 अप्रैल 2025 से पहले पाकिस्तान में दाखिल हुए थे और देश के विभिन्न ट्रांजिट पॉइंट्स पर फंसे हुए थे। इन ट्रकों में माल भरा हुआ है जिसे ट्रांजिट में भारत ले जाया जा रहा है। पाकिस्तान सरकार ने इस फैसले को अफगानिस्तान के साथ भाईचारे के संबंधों के दृष्टिगत लिया है। अफगान दूतावास द्वारा उपलब्ध कराई गई 150 ट्रकों की सूची संबंधित प्राधिकरणों को भेज दी गई है। यदि और कोई ट्रक फंसे हुए हैं तो उनकी जानकारी भी जल्द साझा करने को कहा गया है, ताकि उन्हें भी वाघा सीमा तक जाने की अनुमति दी जा सके।

अभी भारत की तरफ से इसे लेकर कोई भी फैसला नहीं लिया गया है। संशय बना हुआ है कि पाकिस्तान तो इन्हें वाघा से आगे भेजने को तैयार हो जाएगा, लेकिन भारत के अटारी बॉर्डर पर बने आईसीपी पर इसे रिसीव किया जाएगा या नहीं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने व्यापार के लिए एकमात्र जमीनी रास्ते अटारी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) को तत्काल बंद करने का ऐलान किया था। इस आईसीपी से मात्र पाकिस्तान से ही नहीं, अफगानिस्तान से भी व्यापार होता था। लेकिन अब जब भारत ने सख्त कदम उठाए तो पाकिस्तान के साथ-साथ अफगानिस्तान से व्यापार पर भी इसका असर हुआ। अफगानिस्तान भेजे गए ट्रकों को पाकिस्तान में रोक दिया गया था। इतना ही नहीं, अब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के ट्रकों को पाकिस्तानी रूट इस्तेमाल करने पर भी रोक दिया है। जिसका असर भारत-अफगानिस्तान के व्यापार पर भी होने वाला है।

अटारी, अमृतसर से मात्र 28 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और भारत का पहला जमीनी पोर्ट है। यह पाकिस्तान के साथ व्यापार का एकमात्र वैध जमीनी रास्ता भी है। यह चेक पोस्ट 120 एकड़ में फैला हुआ है और सीधे नेशनल हाईवे-1 से जुड़ा है।

भारी बारिश-तूफान की चपेट में न्यूजीलैंड

वेलिंगटन, 1 मई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड को गुरुवार को भारी बारिश और तूफान का सामना करना पड़ा। खराब मौसम और तबाही को देखते हुए दक्षिणी द्वीप के सबसे बड़े शहर क्राइस्टचर्च में आपातकाल लागू कर दिया गया है। राजधानी वेलिंगटन में विनाशकाली तूफान आया है। देश के कुछ हिस्सों में भारी बर्फबारी और समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरे उठ रही हैं। हालांकि गनीमत है कि अभी खराब मौसम के चलते किसी की मौत या किसी व्यक्ति के घायल होने की खबर नहीं है। अभी तक नुकसान का अनुमान नहीं लगाया जा सका है, लेकिन राहत और बचाव कार्य जारी है।

खराब मौसम को देखते हुए लोगों से अपील की गई कि वे घरों के अंदर ही रहें और यात्रा करने से बचें। वेलिंगटन में 150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं और इसके चलते बड़ी संख्या में पेड़ गिर गए हैं। वेलिंगटन को जाने वाली फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं। फेरी सेवा भी शुक्रवार दोपहर तक रोक दी गई है। मौसम विभाग ने समुद्र में पांच मीटर ऊंची लहरें उठने का अनुमान जताया है। वेलिंगटन के बाहरी इलाकों में हजारों मकानों में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है। स्कूल कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

क्राइस्टचर्च में भारी बारिश और बाढ़ की आशंका है, जिसके चलते शहर में आपातकाल लागू कर दिया गया है। कई सड़कें भारी बारिश से बंद हो गई हैं और बाढ़ का पानी लोगों के घरों में घुस सकता है। न्यूजीलैंड अपनी भौगोलिक स्थितियों के कारण वैसे ही तेज हवाएं झेलता है। इसके चलते न्यूजीलैंड के मौसम में कई बार बड़े बदलाव होते हैं और लोग भी इनके आदी हैं, लेकिन इस बार असामान्य तौर पर चेतावनी जारी की गई है।

यूक्रेन पर रूस के हमले तेज

ओडेसा में दो लोगों की मौत, 15 घायल, बमबारी से इमारतें तबाह

कीव, 1 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के शांति वार्ता के प्रयासों के बीच यूक्रेन पर रूस के हमले तेज हो गए हैं। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने दावा किया है कि गुरुवार सुबह रूस ने काला सागर के तटवर्ती शहर ओडेसा में ड्रोन हमले किए। इन हमलों मे दो लोगों की मौत हो गई। जबकि 15 लोग घायल हो गए।

क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने कहा कि रूस की बमबारी से कई इमारतें तबाह हो गईं। इसमें अपार्टमेंट, घर, सुपरमार्केट और एक स्कूल शामिल है। टेलीग्राम पर किपर ने एक वीडियो साझा किया है। इसमें एक ऊंची इमारत का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त, दुकानों का सामने का हिस्सा टूटा हुआ और अग्निशमन कर्मी आग से जूझते हुए दिख रहे हैं। मेयर इहोर तेरेखोव ने कहा कि यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव में एक पेट्रोल पंप पर ड्रोन हमले के बाद आग लग गई।

यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि रूस ने पांच क्षेत्रों में 170 विस्फोटक ड्रोन भेजे। इनमें से 74 को रोक दिया गया और अन्य 68 इलेक्ट्रॉनिक रूप से जाम हो गए। इसके अलावा रूस ने रातभर हमले के दौरान पांच बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागीं। वहीं रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि वायु रक्षा प्रणाली ने रात में आठ यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया।

रूस के हमलों में तेजी उस वक्त आई है जब अमेरिका और यूक्रेन ने खनिज संसाधन सौदे की घोषणा की है। इस समझौते के बाद अमेरिका को यूक्रेन के कीमती खनिजों तक पहुंच मिल गई है। अब दोनों देश मिलकर यूक्रेन की जमीन में छिपे हुए कीमती खनिजों को निकालेंगे और उनका इस्तेमाल करेंगे। अब यूक्रेन को अमेरिका की सैन्य सहायता जारी रहेगी।

इन हमलों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 8 से 10 मई तक के लिए 72 घंटे के एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की है। यह युद्धविराम द्वितीय विश्व युद्ध के विजय दिवस के मौके पर घोषित किया गया है, जब 1945 में नाजी जर्मनी पर रूस की जीत हुई थी। हालांकि, पुतिन ने युद्धविराम की निगरानी को लेकर कोई अन्य स्पष्ट योजना नहीं दी है।

वहीं यूक्रेन ने पुतिन के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। साथ ही इसे अमेरिका और बाकी दुनिया को धोखा देने की कोशिश बताया है। यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कम से कम 30 दिनों तक चलने वाले तत्काल युद्ध विराम का आह्वान किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी पुतिन की मंशा पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि उन्हें संदेह है कि रूस बातचीत के बहाने धोखा देने की कोशिश कर रहा है।

इजराइल में यरुशलम के बाहरी इलाकों में आग लगी

लोग सड़कों पर वाहन छोड़कर भागे, सरकार ने सेना को तैनात किया, कई इलाके खाली कराए

यरुशलम, 1 मई (एजेंसियां)। इजराइल के यरुशलम शहर के बाहरी इलाकों में बुधवार को आग लग गई है। यह आग एश्ताओल के जंगल में लगी है, जो तेजी से फैल रही है। इसकी चपेट में कई सड़कें भी आई हैं, जिस से लोगों को अपने वाहनों को सड़कों पर ही छोड़कर भागना पड़ा है। सरकार ने हालात को काबू करने के लिए सेना को तैनात किया है। इसके अलावा कई रिहायशी इलाकों से लोगों को खाली करा लिया गया है। फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक कम से कम पांच जगहों पर यह आग फैली हुई है। तेज हवाओं और भीषण गर्मी की वजह से आग पर काबू पाने में समस्या आ रही है। यरुशलम से राजधानी तेल अवीव के लिए जाने वाला राजमार्ग 1 बंद कर दिया गया है।

केन्या में विपक्षी नेता की बीच बाजार गोली मारकर हत्या

अफ्रीकी देश में गहराया राजनीतिक संकट

नैरोबी, 1 मई (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश केन्या में बुधवार रात विपक्षी नेता की बीच बाजार गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना राजधानी नैरोबी में घटी। पुलिस का कहना है कि हत्या की यह घटना सुनियोजित थी और विपक्षी सांसद को पूरी योजना के तहत निशाना बनाया गया। मृतक की पहचान केन्या के विपक्षी सांसद चार्ल्स वर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि चार्ल्स को नैरोबी के एक व्यस्त बाजार में कार में गोली मारी गई।

पुलिस के अनुसार कि जिस वक्त चार्ल्स को गोली मारी गई, उस वक्त उनके साथ ड्राइवर और बॉडीगार्ड भी था। हमलावर बाइक से आए थे और उन्होंने कार का पीछा कर चार्ल्स वर पर गोलियां चलाईं। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूतो ने घटना पर दुख जताया और घटना की सघन जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो भी हत्या के जिम्मेदार हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाए। चार्ल्स वर विपक्षी ओरेंज डेमोक्रेटिक मूवमेंट पार्टी के सांसद थे और साल 2022 में पश्चिमी केन्या के कासीपुल निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए थे।

चार्ल्स वर विपक्षी नेता राइला ओडिंगा के करीबी थे। चार्ल्स की मौत पर ओडिंगा ने दुख जताया और चार्ल्स को धरती का बहादुर बेटा बताया। साल 2022 के आम चुनाव में रोडिंगा ने ही राष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रपति रूतो को चुनौती दी थी। केन्या में बीते साल से राजनीतिक तनाव गहराया हुआ है और इसके चलते सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

इन विरोध प्रदर्शनों में दर्जनों लोग मारे गए हैं। इस साल मार्च में ही राजनीतिक सुलह हुई है, लेकिन अब विपक्षी सांसद की हत्या ने संकेत दिए हैं कि पर्दे के पीछे केन्या में राजनीतिक संकट गहरा रहा है।

ये पाकिस्तानी एजेंट, हिंदुओं को बना रहे निशाना

मोहम्मद यूनुस पर भड़कीं तसलीमा नसरीन, नोबेल कमेटी को लिख दी चिट्ठी

ढाका, 1 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की मशहूर लेखिका तस्लीमा नसरीन ने देश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने यूनुस को धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में नाकाम असफल नेता बताया है। तसलीमा ने यूनुस के नोबेल शांति पुरस्कार को वापस लिए जाने की अपील की है। नसरीन ने यूनुस पर भ्रष्टाचार, सत्ता का दुरुपयोग और मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यूनुस की कार्यशैली की वजह से बांग्लादेश में आर्थिक और सामाजिक संकट गहरा गया है और अल्पसंख्यक डर में जी रहे हैं। तसलीमा नसरीन ने एक्स पर बताया है कि उन्होंने नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने मोहम्मद यूनुस को दिए गए नोबेल शांति पुरस्कार को वापस लेने की अपील की है। उनका कहना है कि यूनुस ने शांति के लिए कोई काम नहीं किया है उल्टा बांग्लादेश में हिंसा और अशांति फैलाई है। ऐसे में उनसे नोबेल अवार्ड वापस ले लिया जाए। तसलीमा नसरीन ने अपनी खिली चिट्ठी में लिखा है, 'मुझे पता है कि एक बार नोबेल शांति पुरस्कार दिए जाने के बाद उसे वापस नहीं लिया जाता लेकिन यूनुस का मामला अलग है। उनके कामों को देखते हुए, उनके पास ये पुरस्कार नहीं रह सकता है। ऐसे में असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए मेरे अनुरोध पर विचार किया जाए और पुरस्कार वापस लिया जाए। नसरीन ने यूनुस पर आरोप लगाया है कि ग्रामीण बैंक में रहते हुए उन्होंने टैक्स की चोरी की। उन्होंने बैंक के विदेशी फंड का इस्तेमाल अपने व्यवसाय शुरू करने में किया। तसलीमा ने कहा कि जब कुछ महिलाएं माइक्रोलोन को ब्याज के साथ नहीं चुका पाईं तो ग्रामीण बैंक के कर्मचारियों ने उनके घरों को तोड़ दिया।

ईरान ने 33 बलूचों को फांसी पर लटकाया

85 और को सजा-ए-मौत की तैयारी, बलूचिस्तान में चौतरफा घिरे सुप्रीम लीडर खामेनेई?

तेहरान, 1 मई (एजेंसियां)। ईरान में बलूचिस्तान के नागरिकों को दी जा रही मौत की सजा ने दुनिया के मानवाधिकार संगठनों का ध्यान खींचा है। सिर्फ एक महीने में ही ईरान में बलूचिस्तान के 33 कैदियों को फांसी पर लटका दिया गया। दावा किया गया है कि इन लोगों को सजा देने में कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। इन कैदियों को बचाव का पूरा मौका दिए बिना ही इनको फांसी दे दी गई। ईरान के बलूचिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन और बलूच कैदियों को सजा की बढ़ती संख्या ने मानवाधिकार संगठनों की चिंता बढ़ाई है। बलोचवरना की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते साल अप्रैल में यानी एक महीने के अंदर ही कम से कम 33 बलूच कैदियों को फांसी दी गई। ये फांसियां देश की 10 अलग-अलग जेलों में हुईं। बलूच एक्टिविस्ट्स कैंपेन की एक रिपोर्ट के अनुसार, ये सजा बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के और परिवारों को सूचना दिए बिना दी गई।

इससे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई को आलोचना का शिकार होना पड़ रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी सरकार बलूच नागरिकों को राजनीतिक रूप से प्रेरित आरोपों के तहत निशाना बना रही है। इस साल के आखिर तक जाहिदान सेंट्रल जेल में 85 और बलूच कैदियों को फांसी दी जा सकती है। बलूच लोग ईरान की कुल आबादी का करीब पांच फीसदी हैं।

बलूचिस्तान के लोग लंबे समय से भेदभाव और हाशिए पर रहने का सामना कर रहा है। अपनी आबादी से कहीं ईरान में होने वाली फांसी की सजा में बलूच नागरिकों की संख्या 10 प्रतिशत से ज्यादा है।

बलूच एक्टिविस्ट्स कैंपेन की एक रिपोर्ट बताती है कि ईरानी सरकार बलूच नागरिकों को गलत और राजनीतिक कारणों से फंसा रही है। जिन कैदियों को फांसी दी गई, उन पर राजनीतिक और वैचारिक गतिविधियों, ड्रग्स से जुड़े अपराधों और हत्या जैसे आरोप लगाए गए थे।

33 लोगों में से चार पर राजनीतिक अपराधों का आरोप था। 24 पर ड्रग्स से जुड़े आरोप थे। कई फांसी कैदियों के परिवारों को बताए बिना और बिना पारदर्शिता के हुई। ऐसे में यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों का उल्लंघन है।

अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ बड़ा क्रैकडाउन
100 से ज्यादा संदिग्ध हिरासत में लिए गए

जयपुर, 1 मई (एजेंसियां)। बीते 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद राजस्थान में बांग्लादेशी नागरिकों को उनके देश भेजने के लिए अभियान चलाया जा रहा है. इसके लिए भजनलाल सरकार ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को चिह्नित कर रही है. अब तक बांग्लादेशियों के ख़िलाफ़ सर्च ऑपरेशन में 100 से ज्यादा संदिग्ध पकड़े गए हैं. यह ऑपरेशन गुरुवार सुबह 4 से 8 बजे तक चलाया गया है, जिसमें 35 लोगों के दस्तावेज फर्जी मिले हैं. इन सभी को हिरासत में लेकर दस्तावेज, कॉल डिटेल व लेनदेन की जांच की जा रही है.

50 बांग्लादेशी नागरिकों को किया डिपोर्ट

एडिशनल कमिश्नर डॉ. रामेश्वर सिंह ने कहा कि सभी को अलवर के डिटेंशन सेंटर में भेजा जाएगा. सिंह ने कहा कि यह कार्रवाई जयपुर के हसनपुरा, दौलपुरा और भांकरोटा इलाके बने संदिग्धों के ठिकानों पर की गई है. इसके बाद सीबीआई के जरिए पत्राचार कर डिपोर्टेशन की तैयारी की जायेगी. उन्होंने कहा कि फर्जी दस्तावेज बनवाने वालों की भी पहचान शुरू कर दी गई है, इनपर जल्द होगी कड़ी कार्रवाई की जाएगी. अब तक विशेष अभियान के तहत अब तक 50 बांग्लादेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया जा चुका है.

अभियान चलाने के निर्देश

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित हाई लेवट मीटिंग में सीएम भजनलाल ने राजस्थान में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए थे . उन्होंने स्पष्ट किया था कि राज्य की सुरक्षा, और सामाजिक समरसता को प्रभावित करने वाले ऐसे तत्वों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिन्हित अवैध बाग्लादेशियों को चिन्हित कर उन्हें जल्द से जल्द डिपोर्ट किया जाए. बैठक में गृह विभाग, पुलिस, खुफिया एजेंसियों और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे. मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि अभियान के तहत संदिग्ध बस्तियों में विशेष तलाशी और सत्यापन अभियान चलाया जाए.

'निर्दोष को परेशान न किया जाए'

उन्होंने यह भी कहा कि इस काम में स्थानीय नागरिकों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी निर्दोष व्यक्ति को परेशान न किया जाए और अवैध तत्वों की पहचान में सहूलियत हो. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाएगी और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा.

होटल अग्निकांड: मौत सामने देख मां ने बच्चे को खिड़की से फेंका
एक महिला सहित 4 जिंदा जले; मचा कोहराम

अजमेर, 1 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जब डिग्गी बाजार स्थित होटल नाज़ में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि चंद मिनटों में ही पूरे होटल को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में एक मासूम बच्चे सहित चार लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

आग की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि होटल की पांचवीं मंजिल तक लपटें पहुंच गईं और जान बचाने के लिए कई लोग खिड़कियों से कूद गए।

30 मिनट में पूरी बिल्डिंग चपेट में आई

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह 8 बजे होटल के ग्राउंड फ्लोर पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। यह आग पहले मीटर बॉक्स और वायरिंग तक सीमित रही, लेकिन कुछ ही मिनटों में वहां रखे फर्नीचर और पीओपी की छत में फैल गई। देखते ही देखते आग ने पूरे होटल

को अपनी गिरफ्त में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि महज 30 मिनट में होटल की पांचवीं मंजिल तक पहुंच गई। इस बीच होटल में ठहरे दर्जनों पर्यटक और जायरीन अफरा-तफरी में बाहर भागने लगे।

मां ने मासूम को खिड़की से फेंका

बताते चलें की इस हादसे में कई मार्मिक दृश्य भी सामने आए। एक महिला ने अपनी जान की परवाह किए बिना अपने मासूम बेटे को खिड़की से नीचे खड़े शख्स की गोद में फेंका, जिससे उसकी जान बच सकी। वहीं, आग से बचने के लिए एक युवक चौथी मंजिल से कूद गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

वहीं, दूसरे व्यक्ति ने रस्सी के सहारे नीचे उतरने की कोशिश की, लेकिन हाथ फिसलने से वह सीधे जमीन पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

चार की मौत, 4 गंभीर रूप से झुलसे

जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ अनिल सामरिया ने जानकारी दी कि अस्पताल में आठ लोग लाए गए थे, जिनमें से चार की मौत हो गई और चार की हालत गंभीर है। मृतकों में नई दिल्ली के मोती नगर निवासी मोहम्मद जाहिद (40), एक 30 वर्षीय महिला, 20 साल का युवक और एक अन्य 40 वर्षीय व्यक्ति शामिल हैं। झुलसे लोगों में डेढ़ साल का इब्राहिम, कृष्णा, अल्का और धवन हैं। इनमें एक की हालत नाजुक बताई जा रही है, जो 90 प्रतिशत तक झुलस चुका है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जताया शोक

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अजमेर के निजी होटल में आग लगने की घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ है। घायलों को हर संभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन को उचित निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है इस हादसे में दिवंगत जनों की आत्मा को शान्ति व घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

संकरे रास्ते कारण बचाव कार्य में बाधा

बताया जा रहा है कि डिग्गी बाजार की गलियों में स्थित इस पांच मंजिला होटल तक पहुंचना आसान नहीं था। संकरे रास्ते के कारण दमकल और बचाव दल को होटल तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस बीच फायर ब्रिगेड करीब आधे घंटे की देरी से मौके पर पहुंची, जिससे आग और तेजी से फैली। रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे कई पुलिसकर्मी और दमकलकर्मी भी धुएं के कारण अस्वस्थ हो गए।

कलेक्टर सहित कई अधिकारी मौके पर मौजूद

अजमेर कलेक्टर लोक बंधु और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़ सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्यों की निगरानी की। कलेक्टर ने कहा कि सभी झुलसे लोगों को बेहतर इलाज मिले, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। होटल में ठहरे सभी लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

मदन राठौर ने जातिगत जनगणना को लेकर कांग्रेस को घेरा
कहा- उनकी सरकार थी तब क्यों नहीं की?

जयपुर, 1 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना के फैसले पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर ने केंद्र सरकार के निर्णय का स्वागत कर कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना को लेकर कांग्रेस धन्यवाद मांगने का प्रयास कर रही है, जबकि असल श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को जाता है।

'पहले क्यों नहीं इस दिशा में सोचा'

मदन राठौर ने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी, तब उन्होंने जातिगत जनगणना की दिशा में क्यों नहीं सोचा? आज राहुल गांधी धन्यवाद की बात कर रहे हैं, लेकिन अगर वे सच में समाज की चिंता करते तो तब यह कदम उठाते। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह कार्य बिना आम जनता पर आर्थिक बोझ डाले किया जा रहा है। यह एक दूरदर्शी निर्णय है जो समाज के हर वर्ग के लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

कांग्रेस के आरक्षण संबंधी बयान पर भी जवाब

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा सोशल मीडिया पर दिए गए उस बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस केंद्र में सरकार बनाकर आरक्षण की 50% सीमा को हटाएगी। उसका जवाब देते हुए राठौर ने कटाक्ष किया कि मुंगेरीलाल के हसीन सपने देखने का अधिकार सबको है। कांग्रेस की हालत दयनीय है और उन्हें अब सरकार बनाने का ख्वाब छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान के खिलाफ जाकर कोई कार्य नहीं किया जा सकता। आरक्षण पर कोई भी निर्णय संविधान के अनुरूप ही होगा।

जातिगत जनगणना को बताया समाज के लिए जरूरी कदम

राठौर ने कहा कि जातिगत जनगणना अब समय की मांग है। इससे समाज की सच्ची तस्वीर सामने आएगी और हर वर्ग को बराबरी का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक संतुलन मजबूत होगा और पिछड़े वर्गों के लिए नई योजनाएं बन सकेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा चुनावी लाभ के लिए नहीं, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करती है। भाजपा को किसी चुनावी प्रोपेगेंडा की जरूरत नहीं।

पीएम मोदी को पत्र लिख फिर चर्चा में आए शिव विधायक भाटी
सिंधु जल समझौते को लेकर कर दी बडी मांग

जोधपुर, 1 मई (एजेंसियां)। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दो अहम मुद्दों पर क्षेत्र की पीड़ा और समाधान की संभावनाएं सामने रखीं हैं। पहला मुद्दा सिंधु जल समझौते को लेकर है, जिसमें उन्होंने जल संकट से जूझ रहे पश्चिमी राजस्थान के लिए वेस्टर्न रूट कैनाल योजना शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। दूसरा मुद्दा उन पाक विस्थापित हिंदुओं से जुड़ा है, जो धार्मिक प्रताड़ना के चलते भारत आए हैं और अब वीजा प्रक्रिया में उलझे होने के कारण असमंजस में हैं।

'सिंधु जल को मोड़कर पानी की समस्या का समाधान संभव'

विधायक भाटी ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में स्पष्ट किया है कि राजस्थान का पश्चिमी क्षेत्र हर वर्ष भीषण जल संकट का सामना करता है, विशेष रूप से गर्मियों में हालात और भी गंभीर हो जाते हैं। उन्होंने लिखा कि सिंधु जल समझौते के स्थगन के बाद अब समय आ गया है कि हम इस संकट में अवसर तलाशें।

भाटी ने सुझाव दिया कि सिंधु नदी के जल को डाइवर्ट करके 'वेस्टर्न रूट कैनाल' परियोजना शुरू की जाए, जिससे यह पानी राजस्थान के सूखाग्रस्त जिलों तक लाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस दिशा में अगर प्रधानमंत्री खुद संकल्प लें और सभी जनप्रतिनिधि एकजुट होकर प्रयास करें, तो यह एक बड़ी योजना साकार हो सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पानी को रोकने के लिए सिर्फ राजनीतिक इच्छाशक्ति ही काफी नहीं, इसके लिए परियोजना, बांध और नहर प्रणाली की आवश्यकता होगी।

रविंद्र सिंह भाटी ने पत्र के माध्यम से उन पाक विस्थापित हिंदू परिवारों की पीड़ा को भी उजागर किया जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए हैं। लेकिन वीजा प्रक्रिया पूरी न होने के चलते आज भी असुरक्षा और अस्थिरता में जी रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि यह लोग अब किसी भी सूरत में पाकिस्तान लौटना नहीं चाहते। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा सुरक्षा कारणों से शॉर्ट टर्म वीजा धारकों को वापस भेजने के निर्णय पर मानवीय दृष्टिकोण से पुनर्विचार करने की अपील की है।

भाटी ने प्रधानमंत्री को यह भी अवगत कराया कि पश्चिमी राजस्थान में कई परिवार ऐसे हैं जिनके वैवाहिक संबंध भारत-पाक सीमा पार के क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं। भारत सरकार द्वारा हाल ही में लिए गए निर्णयों के चलते इन लोगों के लिए अपने परिवार से मिलना कठिन हो गया है।

उन्होंने इन मामलों में लचीलापन दिखाने और ऐसे परिवारों को राहत देने के लिए विशेष प्रावधान करने की मांग की है। उनका कहना है कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है, लेकिन इसके साथ ही मानवीय संवेदनाओं और पारिवारिक मूल्यों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

बाड़मेर-जैसलमेर बॉर्डर पर भारत-पाक युद्ध में बने बंकर क्यों हो रहे है तैयार

बाड़मेर, 1 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम आतंकी हमले के बाद बढ़े तनाव से अब बॉर्डर के लोग भी सचेत हो गए है। पश्चिमी सीमा के बाड़मेर-जैसलमेर में 1999 में के कारगिल युद्ध के समय में बने हुए बंकरों की सुध ली जा रही है तो दूसरी ओर जम्मू कश्मीर में घरों में बनाए गए अण्डरग्राउंड(स्थाई बंकर) में रात बिताने लोग पहुंच रहे है।

जम्मू कश्मीर के अरनिया सेक्टर के आखिरी गांव त्रेवा की पूर्व सरपंच बलबीर कौर बताती है कि गांव में अण्डरग्राउंड स्थाई बनाए हुए है। यह बंकर की तरह है। रात को अब परिवार सहित इसमें सो जाते है। दिन में घर में रहते है। जीरो लाइन सरहद की तरफ फसल कटाई का अंतिम दिन था, आज से अब फसलें काटने भी नहीं जाएंगे। स्कूल और सार्वजनिक भवन साफ कर दिए गए है, ताकि यहां आपात स्थिति में शिफ्ट हो सके। वे बताते है कि हमारे यहां से जोर से पत्थर उछाला जाए तो पाकिस्तान में गिरता है तो हम तो एकदम किनारे पर ही बैठे है।

हलचल पर है नजर

पश्चिमी सीमा के बाड़मेर सरहद के आखिरी गांव अकली के ठीक सामने 500 मीटर पर बॉर्डर है। ग्रामीण कालूराम मेघवाल बताते है कि आतंकी हमले के बाद भारत-पाक युद्ध होने की संभानाओं की खबरें मिल रही है। अभी बॉर्डर के सामने पाकिस्तानी हलचल भी नजर आती है। यहां अभी ऐसा कोई माहौल नहीं है लेकिन सचेत जरूर है। रात में भी जागकर कई बार स्थिति देखते है।

तूफान से पहले की खामोशी

सारा देश भारत के प्रत्युत्तर का इंतजार कर रहा है। वहीं बॉर्डर के गांवों में तूफान के पहले की खामोशी छा गई है। क्या होगा? यह सवाल इन लोगों के जेहन में रात-दिन चल रहा है। 1947 का बंटवारा, 1965 और 1971 की लड़ाई और 1999 के कारगिल युद्ध का वक्त देख चुके सरहद के बाशिंदें जानते है कि कुछ भी होने पर बंदिशें शुरू जाएगी। आखिरी गांव तामलौर के सरपंच हिन्दूसिंह कहते है,हम तो सीमा के रक्षक है। इन परिस्थितियों से पीछे होना होता तो यहां थोड़े ही बसते।

धारा 144 पर सख्ती

बॉर्डर के निकट के गांवों में अब धारा 144 की पालना की सख्ती लागू कर दी गई है। यहां पर शाम सात बजे के बाद से सुबह तक रात्रि विचरण नहीं हो रहा है। पुलिस, बीएसएसफ और खुफिया एजेंसियां मुश्तैदी से है।

यस बैंक के कर्मचारियों ने की 12 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी
बांसवाड़ा के मास्टरमाइंड ने रची साजिश

बांसवाड़ा, 1 मई (एजेंसियां)। यस बैंक के डिप्टी बैंक मैनेजर और पूर्व बैंक कर्मचारी ने देशभर में साइबर ठगी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है. इन आरोपियों ने साइबर फ्रॉड के जरिए 12 करोड़ 8 लाख की धोखाधड़ी कर ली. इस पूरे मामले के तार राजस्थान के बांसवाड़ा जिले से जुड़े हैं. इन लोगों ने कई राज्यों के लोगों को शिकार बनाया और साइबर ठगी को अंजाम दिया है. इन आरोपियों ने लोगों को अलग-अलग मामलों में फंसाने की धमकी के साथ ही गिरफ्तारी का डर भी दिखाया. फिर दबाव डालकर उनसे अवैध वसूली कर ली और इस भारी-भरकम रकम को दूसरे लोगों के बैंक खातों में ट्रांसफर करवा दिया. मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने यस बैंक बांसवाड़ा के डिप्टी मैनेजर मेगनेश जैन (28) और पूर्व बैंक कर्मचारी दिव्यांशु सिंह (30) को गिरफ्तार किया है. जबकि मास्टरमाइंड अमन कलाल अब तक फरार है.

देशभर में दर्ज हुए 44 मामले

इस संबंध में 11 आरोपियों के खिलाफ देशभर में कुल 44 शिकायतें दर्ज हुई. बांसवाड़ा जिले की कोतवाली पुलिस ने 15 दिन की कड़ी मशक्कत के बाद पूरे मामले का खुलासा किया. सायबर ठगी की अब तक की सबसे बड़ी वारदात की पड़ताल के लिए सीआई देवीलाल मिणा ने 12 लोगों की टीम के साथ मिलकर जांच शुरू की. पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी अमन कलाल ने यस बैंक के उप शाखा प्रबंधक मेगनेश जैन और पूर्व शाखा प्रबंधक दिव्याशु सिंह के साथ मिलकर इस पूरी साजिश को अंजाम दिया.

दरअसल, आरोपियों ने डरा-धमकाकर पीड़ितों से वसूली की और फिर अन्य लोगों के बैंक खातों में रुपए डलवाए. उन्ही बैंक से खाता धारकों के नाम जारी चेक पर फर्जी हस्ताक्षर किए. इसके बाद बैंक कार्मिक की मिलीभगत से करोड़ों रूपए केश में निकाल लिए. आरोपी जब देशभर में ठगी का जाल बिछा रहे थे, तभी बांसवाड़ा में एक मामला थाने में पहुंच गया.

फिर ऐसे खुल गया पूरा घोटाला

जिले के डडूका निवासी संदेश शाह और उसके भाई तनेश शाह ने साइबर थाने में शिकायत दी. इसके बाद ही पुलिस को ठगी के इस जाल की सूचना मिली. परिवादी ने बताया कि आमजा निवासी दिव्यांशुसिंह ने यस बैंक में कार्यरत होने के दौरान दोस्ती का हवाला दिया. फिर दोनो भाईयों से 1-1 बैंक खाते खुलवाए.

इन दोनों खाताधारकों के पास पहले से गढ़ी-परतापुर में बैंक खाते थे. ऐसे में बांसवाड़ा जिले में खुलवाए गए यस बैंक वाले खाते में इनका अधिक लेन-देन नहीं हो रहा था. इसके बाद दोनों भाईयों ने दिव्यांशुसिंह को संपर्क किया और बैंक खाते बंद करवाने की बात कही.

दिव्यांशुसिंह दोनों भाईयों के परतापुर स्थित प्रतिष्ठान पर पहुंचा और खाता बन्द करवाने के बहाने उसने उन बैंक खातों की चेक बुक और एटीएम प्राप्त ले लिए. लेकिन यही से पूरा खेल शुरू हुआ और दिव्यांशु ने खाता बंद करने की बजाय इन चेक बुक का इस्तेमाल किया. इसी के जरिए लाखों रूपए खातों से निकाल लिए.

झुलसाती गर्मी से 55 साल का रिकॉर्ड टूटा
देश में सबसे गर्म शहर जैसलमेर

जैसलमेर, 1 मई (एजेंसियां)। राजस्थान का पश्चिमी हिस्सा इन दिनों सूर्य की तपिश से झुलस रहा है। जैसलमेर, बाड़मेर और बालोतरा जैसे रेगिस्तानी शहरों में अप्रैल की भीषण गर्मी ने पुराने सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। जैसलमेर का तापमान 46.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो अप्रैल महीने में पिछले 55 वर्षों का सबसे अधिक तापमान है। इसके साथ ही बाड़मेर 45.8 डिग्री और बालोतरा 45.5 डिग्री सेल्सियस के साथ तपते शहरों की सूची में शामिल रहे। इन इलाकों में गर्मी की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दिन के समय शहर की सड़कों पर सन्नाटा छाया रहा। बाजार, चौराहे और पर्यटक स्थल जो सामान्यतः चहल-पहल से भरे रहते हैं, अब सूने दिखाई दे रहे हैं। लगातार तीसरे दिन तेज गर्म हवाओं ने लोगों को घरों में कैद रहने पर मजबूर कर दिया है। आमजन ठंडी चीजों और तरल पदार्थों का सहारा लेकर खुद को बचाने की कोशिश में लगे हैं।

फर्जी कॉल सेंटर के जरिए विदेश में करोड़ों का डाटा बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, 1 मई (एजेंसियां)। जोधपुर शहर में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने एक बड़ी साइबर ठगी का पर्दाफाश किया है। यह कॉल सेंटर न केवल अवैध रूप से आम लोगों के फोन नंबर जुटा रहा था, बल्कि इन नंबरों का वेरिफिकेशन कर विदेशी बाजार में ऊंचे दामों पर बेच भी रहा था। एसीपी हेमंत कलाल के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है और भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है।

एसीपी हेमंत कलाल ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि रातानाडा क्षेत्र के गणेश मंदिर के पास स्थित एक मकान में एक अवैध कॉल सेंटर संचालित हो रहा है। इस सूचना पर रातानाडा थाना, एयरपोर्ट थाना, साइबर टीम और जिला विशेष टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। जब पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी तो वहां से 32 सीपीयू, 28 लैपटॉप, आठ मॉनिटर, 19 एटीएम कार्ड, 19 पेनड्राइव और 11 मोबाइल सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए।

डाटा बेचकर कमा रहे थे लाखों

जांच के दौरान पुलिस को डिवाइसेज से कई ऑडियो रिकॉर्डिंग भी मिलीं, जिनसे खुलासा हुआ कि यह गिरोह मुख्यतः विदेशों में रह रहे बुजुर्ग नागरिकों को अपना शिकार बनाता था। आरोपी फर्जी पहचान बनाकर इन लोगों को फोन करते और बहाने से उनका वेरिफिकेशन कराते। इसके बाद संबंधित डाटा को अवैध रूप से विदेशों में बेच देते।

खदान के पानी में तैरता मिला मां-बेटी का शव

बूंदी, 1 मई (एजेंसियां)। बूंदी जिले के नमाना थाना क्षेत्र के गरडदा गांव में पानी से भरी खान मे मां-बेटी का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक महिला की पहचान मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के राजपुर गांव की विनीता भील (28) पत्नी कैलाश भील के रूप में हुई है। इसके साथ 14 माह की बेटी रिया का भी शव मिला है।

पुलिस ने दोनों के शवों को खदान से निकलवाकर बूंदी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस को परिजनों की ओर से रिपोर्ट का इंतजार है। इसके बाद दोनों के शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। प्रथम दृष्टया में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

मां-बेटी का तैरता हुआ दिखा शव

पुलिस सूत्रों का कहना है कि विनीता पिछले 5 माह से पति के साथ गरडदा में रहकर मजदूरी कर रही थी। विनीता 24 अप्रैल को अपनी बेटी को लेकर घर से निकली थी। ग्रामीणों ने खान में भरे पानी में ऊपर मां-बेटी का शव तैरता हुए दिखाई दिया, जिसकी सूचना पुलिस को दी।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत उदयपुर संभाग में बड़ी कार्रवाई
पूरे संभाग में एक महीने के भीतर 47 बाल विवाह के प्रयास विफल

उदयपुर, 1 मई (एजेंसियां)। अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत उदयपुर संभाग में बड़ी कार्रवाई की गई। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन एलायंस, जिला प्रशासन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाल अधिकारिता विभाग, गायत्री सेवा संस्थान और चाइल्ड हेल्पलाइन के समन्वित प्रयासों से इस आखा तीज पर 3 बाल विवाह रोके गए, वहीं पूरे अप्रैल महीने में संभाग में कुल 47 बाल विवाह रोके गए। इन प्रयासों के तहत एक मामले में न्यायालय से बाल विवाह निषेधाज्ञा भी जारी की गई। बाल अधिकार विशेषज्ञ डॉ. शैलेन्द्र पंड्या ने बताया कि चलाए गए विशेष जनजागरूकता अभियान से आमजन में जागरूकता बढ़ी है और अब लोग खुद आगे आकर बाल विवाह की सूचनाएं साझा कर रहे हैं। अक्षय तृतीया के दिन ही उदयपुर जिले में 3 बाल विवाह रोककर इस माह कुल 15 मामले विफल किए गए। इसके साथ ही चित्तौड़गढ़ जिले में 15, प्रतापगढ़ में 13 और सलूंबर में 4 बाल विवाह रोके गए।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उदयपुर के सचिव कुलदीप शर्मा ने कहा कि बाल विवाह करना ही नहीं, उसमें किसी भी प्रकार से सहयोग करना जैसे पंडित, मौलवी, ढोली या सेवाएं उपलब्ध कराना भी कानूनी अपराध है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत कार्रवाई की जाती है।

यह विशेष अभियान 12 मई पीपल पूर्णिमा तक चलेगा, जिसका उद्देश्य अधिकतम बच्चों को समय रहते इस सामाजिक बुराई से बचाना है।

हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नरेट का पुनर्गठन दो अतिरिक्त कानून एवं व्यवस्था जोन

कुछ यातायात पुलिस स्टेशन हटाए गए, कई पीएस के नाम बदलें

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नरेट के पुनर्गठन में लिए गए नए निर्णयों और उनके विवरण के बारे में जानकारी दी। हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट को 35 वर्षों के बाद जीओएमएस द्वारा अपने नियंत्रण में लिया जाएगा। गृह विधि विभाग पुलिस पुनर्गठन के आदेश जारी किए।

पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने कहा कि इस शासनादेश के अंतर्गत 2 अतिरिक्त कानून एवं व्यवस्था जोन- दक्षिण पूर्व + दक्षिण पश्चिम, 11 नए कानून एवं व्यवस्था प्रभाग, 1 अतिरिक्त यातायात जोन (यातायात 3), 11 और कानून एवं व्यवस्था पुलिस स्टेशन (कुल 71), तथा 13 और यातायात पुलिस स्टेशन (कुल 31) स्थापित एवं विस्तारित किए गए हैं। शहर के 7 जोन में 7 महिला पुलिस थानों के साथ एक महिला सुरक्षा विंग, एक विशेष साइबर अपराध इकाई, एक आईटी विंग और एक नारकोटिक्स विंग की स्थापना की गई है। इन परिवर्तनों के लिए अतिरिक्त 1200 कर्मचारियों को मंजूरी दी गई है। सीवी आनंद ने कहा कि पिछले दो वर्षों में पुलिस थानों की सीमाओं तथा नए पुलिस थानों में स्थानांतरण में आने वाली समस्याओं के संबंध में जनता की ओर से कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं। हैदराबाद शहर के अधिकारियों ने सभी के साथ चर्चा की है और सरकार को सूचित किया है कि कुछ क्षेत्रों में यातायात पुलिस और कानून व्यवस्था पुलिस के अधिकार क्षेत्र को लेकर भ्रम की स्थिति है और साइबर अपराध शाखा को और मजबूत करने की आवश्यकता है। हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्त सीवी आनंद सरकार पर कोई वित्तीय बोझ डाले बिना, हैदराबाद सिटी पुलिस के लिए स्वीकृत 17,020 कर्मियों की पूरी संख्या आंतरिक समायोजन, पुनःआबंटन और परिवर्तन के साथ सरकार को भेज दी गई है।

तेलंगाना सरकार ने दिनांक 24.04.2025 के जी.ओ. संख्या 57 (गृह विधि विभाग) के रूप में पुनर्समायोजन का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि इन बदलावों से हैदराबाद सिटी पुलिस को अगले दस वर्षों तक बेहतर ढंग से काम करने में मदद मिलेगी। नया कानून और व्यवस्था पुलिस स्टेशन स्थापित: हैदराबाद सिटी पुलिस के तहत 72वें कानून और व्यवस्था पुलिस स्टेशन के रूप में टोलीचौकी कानून और व्यवस्था पुलिस स्टेशन की स्थापना की गई है- कुछ क्षेत्र जो पहले फिल्मनगर पीएस, मेहदीपट्टनम पीएस (पूर्व में हुमायूं नगर पीएस) और गोलकोंडा पीएस के अधिकार क्षेत्र में थे, उन्हें अब नव स्थापित टोलीचौकी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में लाया गया।

स्थानीय लोगों द्वारा शीघ्र पहचान की सुविधा के लिए, 1 कानून और व्यवस्था डिवीजन और 3 कानून और व्यवस्था पुलिस स्टेशनों के नाम स्थानीय रूप से लोकप्रिय और स्थानीय संदर्भों को प्रतिबिंबित करने के लिए बदले गए हैं। गोलकोंडा डिवीजन का नाम बदलकर अब टॉलीचौकी डिवीजन कर दिया गया है, सचिवालय पीएस का नाम बदलकर लेक पीएस कर दिया गया है, हुमायूं नगर पीएस का नाम बदलकर मेहदीपटनम पीएस कर दिया गया है और शाहइनायत गंज पीएस का नाम बदलकर गोशामहल पीएस कर दिया गया है। यातायात पुलिस स्टेशनों का पुनर्गठन- यातायात पुलिस स्टेशनों की सीमाएं 28 कानून और व्यवस्था प्रभागों के अनुसार होनी चाहिए (पिछली व्यवस्था के अनुसार) और मौजूदा मारेडपल्ली, बोइनपल्ली और नारायणगुडा यातायात पुलिस स्टेशनों को हटा दिया गया है। और मौजूदा कानून और व्यवस्था पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र के अनुसार अपने-अपने क्षेत्रों में काम करने के लिए, ट्रैफिक नामपल्ली पीएस, ट्रैफिक अंबरपेट पीएस, ट्रैफिक लंगर हाउस पीएस, ट्रैफिक बहादुरपुरा पीएस और ट्रैफिक नल्लाकुंटा पीएस के नाम बदलकर ट्रैफिक गांधी नगर पीएस, ट्रैफिक उस्मानिया यूनिवर्सिटी पीएस, ट्रैफिक कुलसुमपुरा पीएस, ट्रैफिक छतरीनाका पीएस और ट्रैफिक सैदाबाद पीएस कर दिए गए हैं। विशेष इकाइयों के गठन के साथ महिला सुरक्षा विंग (डब्ल्यूएसडब्ल्यू) को मजबूत करना : मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू)- इसमें 1 निरीक्षक, 8 कर्मचारी होंगे और किशोर ब्यूरो इकाई- इसमें 1 निरीक्षक और 7 कर्मचारी होंगे। प्रत्येक कानून एवं व्यवस्था क्षेत्र में एक साइबर अपराध सेल की स्थापना - प्रत्येक साइबर अपराध सेल में 1 उपनिरीक्षक और 5 पुलिस कांस्टेबल तैनात होंगे।

हड़ताल पर सीएम रेवंत रेड्डी की प्रतिक्रिया का स्वागत : टीजीएसआरटीसी जेएसी

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी जेएसी ने आज मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को इस महीने की 7 मई से विश्व मजदूर दिवस पर आरटीसी कर्मचारियों द्वारा की जाने वाली हड़ताल पर प्रतिक्रिया देने के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि, उन्हें इस बात का दुख है कि सीएम ने आरटीसी में कर्मचारी यूनियनों से प्रतिबंध हटाने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया। हमें बड़ी उम्मीद थी कि सीएम इस मजदूर दिवस पर आरटीसी यूनियनों पर लगे प्रतिबंध हटाएंगे, लेकिन यह बहुत दुखद है कि उन्होंने इस मुद्दे का जिक्र नहीं किया। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने खुद कहा था कि आरटीसी में यूनियन होनी चाहिए और अगर कर्मचारियों को कोई समस्या आती है तो उन्हें आरटीसी अधिकारियों से बात करने और उसे सौहार्दपूर्ण तरीके से हल करने का मौका मिलेगा। लेकिन आज सीएम ने ऐसा नहीं कहा, जिससे हम सभी दुखी हैं। पिछले सात महीनों से हम परिवहन मंत्री, वित्त मंत्री और सभी सरकारी अधिकारियों को याचिकाएं दे चुके हैं, लेकिन चूंकि वे अभी तक उन समस्याओं को हल करने के लिए आगे नहीं आए हैं।

बोइनपल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा में 120 सीसीटीवी कैमरों का उद्घाटन

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जन सुरक्षा बढ़ाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए उत्तरी क्षेत्र पुलिस की पहल के हिस्से के रूप में बोइनपल्ली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में 123 सीसीटीवी कैमरों के साथ एक नव स्थापित कमांड और कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन किया गया, जिसमें कई उन्नत नंबर प्लेट पहचान तकनीक से लैस हैं। ये कैमरे हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित मेसर्स जेमिनी एडिबल एंड फैट्स इंडिया लिमिटेड द्वारा हैदराबाद सिटी पुलिस के सहयोग से उनकी सीएसआर पहल के तहत उदारतापूर्वक लगाए गए हैं। यह पहल तेलंगाना को विकास और समावेशिता के लिए एक वैश्विक मॉडल के रूप में स्थापित करने के सरकार के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस दृष्टिकोण का एक प्रमुख फोकस महिलाओं के खिलाफ अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति है, जिसे तकनीकी एकीकरण और सामुदायिक भागीदारी सहित कई सक्रिय पुलिसिंग उपायों के माध्यम से लागू किया जा रहा है। डीसीपी उत्तरी क्षेत्र सुश्री एस. रश्मिपेरुमल ने मेसर्स जेमिनी एडिबल एंड फैट्स इंडिया लिमिटेड के उपाध्यक्ष अनुराग और सीएसआर कार्यकारी राजेश अग्रवाल को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। डीसीपी ने अपराध की रोकथाम, अपराधियों का पता लगाने और उन पर नज़र रखने, सार्वजनिक सुरक्षा को और मज़बूत करने और नागरिकों में विश्वास पैदा करने में सीसीटीवी कैमरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। हैदराबाद सिटी पुलिस सभी के लिए एक सुरक्षित और अधिक सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिकों और समुदाय के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एयर मार्शल तेजिंदर सिंह एओसी ट्रेनिंग कमांड का पदभार संभाला

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने गुरुवार को ट्रेनिंग कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी-इन-सी) का पदभार संभाला। अपनी नई नियुक्ति के बाद, एयर मार्शल ने ट्रेनिंग कमांड वॉर मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित करके वीरों को श्रद्धांजलि दी।राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र, एयर मार्शल तेजिंदर को 13 जून 1987 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू स्ट्रीम में कमीशन दिया गया था। वे 4500 घंटे से अधिक उड़ान के अनुभव के साथ श्रेणी 'ए' योग्य फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर हैं, वे डिफेंस सर्विस स्टाफ कॉलेज और नेशनल डिफेंस कॉलेज के पूर्व छात्र हैं।

उन्होंने एक फाइटर स्क्वाड्रन, एक रडार स्टेशन, एक प्रमुख फाइटर बेस की कमान संभाली है और जम्मू-कश्मीर में एयर ऑफिसर कमांडिंग रह चुके हैं। उनकी विभिन्न स्टाफ नियुक्तियों में एक कमांड मुख्यालय में ऑपरेशनल स्टाफ, वायु सेना मुख्यालय में एयर कमोडोर (कार्मिक अधिकारी-1), एकीकृत रक्षा स्टाफ के उप सहायक प्रमुख, मुख्यालय आईडीएस में वित्तीय (योजना), एयर कमोडोर (एयरोस्पेस सुरक्षा), वायु सेना संचालन (आक्रामक) और एसीएएस ऑप्स (रणनीति) के सहायक प्रमुख और शिलांग, मेघालय में पूर्वी वायु कमान के वरिष्ठ वायु कर्मचारी अधिकारी शामिल हैं। अपनी वर्तमान नियुक्ति से पहले, वे वायु सेना मुख्यालय (वीबी) में वायु सेना के उप प्रमुख थे। उनकी सराहनीय सेवाओं के सम्मान में उन्हें राष्ट्रपति द्वारा 2007 में वायु सेना पदक और 2022 में अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

खदानों में कोयला उत्पादन के निजीकरण का विरोध

कोत्तागुडेम, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रेड यूनियनों और एससीसीएल के श्रमिकों ने कंपनी की खुली खदानों में कोयला उत्खनन का काम निजी ठेकेदारों को सौंपने की योजना पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि एससीसीएल प्रबंधन ने पहले ही ओडिशा के नैनी कोल ब्लॉक में खुली खदान में कोयला उत्पादन और परिवहन का काम निजी कंपनियों को सौंप दिया है। इस ब्लॉक में इस साल 16 अप्रैल को उत्पादन शुरू हुआ था।

इस खदान में 340.78 मिलियन टन बेहतरीन गुणवत्ता वाले जी-10 प्रकार के कोयले का उत्पादन करने की क्षमता है। यदि इस खदान में उत्पादन पूरी क्षमता तक पहुंच जाता है, तो 38 वर्षों तक सालाना 10 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया जा सकता है। सिंगरेनी द्वारा वर्तमान में संचालित 17 ओपनकास्ट खदानों की तुलना में नैनी ओसी सबसे बड़ी खदान है।

एससीआर ने 12.363 मिलियन टन माल लदान दर्ज किया

पिछले वर्ष की तुलना में सभी वस्तुओं में 6 प्रतिशत की वृद्धिशील लोडिंग दर्ज की

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के माल ढुलाई प्रदर्शन को अगले स्तर पर ले जाते हुए, ज़ोन ने अप्रैल 2025 में 12.363 मिलियन टन दर्ज किया, जो किसी भी वर्ष में अप्रैल महीने के लिए अब तक का उच्चतम है। पिछला सर्वश्रेष्ठ अप्रैल 2024 के दौरान हासिल किया गया 11.640 मीट्रिक टन मूल लोडिंग था। पिछले वर्ष की तुलना में माल लदान में 6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। वृद्धिशील लोडिंग मुख्य रूप से लौह अयस्क और सीमेंट वस्तुओं की लोडिंग में मजबूत वृद्धि के कारण संभव हुई। सीमेंट लोडिंग 3.243 मीट्रिक टन दर्ज की गई जो पिछले साल पंजीकृत 2.740 मीट्रिक टन की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, लौह अयस्क लोडिंग 0.765 मीट्रिक टन दर्ज की गई जो पिछले साल पंजीकृत 0.550 मीट्रिक टन की तुलना में 39 प्रतिशत अधिक है। जोन की प्रमुख लोडिंग कमोडिटी कोयला ने महीने के दौरान 6.100 मीट्रिक टन लोडिंग के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया। एससीआर के समग्र माल लदान में योगदान देने वाली अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं में खाद्यान्न (0.502 मीट्रिक टन बनाम 0.420 मीट्रिक टन), उर्वरक (0.50 प्रतिशत मीट्रिक टन बनाम 0.560 मीट्रिक टन), इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल (0.430 मीट्रिक टन बनाम 0.410 मीट्रिक टन), कंटेनर (0.185 मीट्रिक टन बनाम 0.210 मीट्रिक टन) और अन्य सामान (0.631 मीट्रिक टन बनाम 0.600 मीट्रिक टन) शामिल है। जोन विभिन्न प्रकार की पहलों और विशेष उपायों को लागू करके अपने माल यातायात को मजबूत करने की दिशा में विशेष जोर दे रहा है। जोन वैगनों की आपूर्ति को सुव्यवस्थित करने, मालगाड़ियों की आवाजाही की निगरानी आदि के लिए सक्रिय तरीके से आगे बढ़ रहा है। महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे अरुण कुमार जैन ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए उत्कृष्ट समन्वय के लिए सभी विभागों के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में योगदान देने वाले सभी टीम सदस्यों के प्रयासों की सराहना की और चालू वित्त वर्ष के दौरान माल ढुलाई खंड में रिकॉर्ड वार्षिक प्रदर्शन हासिल करने के लिए उसी गति को बनाए रखने की सलाह दी।

राव ने जाति जनगणना पर की केंद्र के फैसले की सराहना

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष वकुलभरणम कृष्ण मोहन राव ने आगामी राष्ट्रीय जनगणना में जाति गणना को शामिल करने के केंद्र के हालिया फैसले की सराहना की है। पहले के प्रयासों को याद करते हुए राव ने कहा कि 2011 की सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी) ग्रामीण और शहरी विकास मंत्रालयों द्वारा आयोजित की गई थी, लेकिन डेटा को पूरी तरह से सार्वजनिक करने में विफल रही। उन्होंने कहा, इस बार, स्वतंत्र भारत में पहली बार, जाति के आंकड़े आधिकारिक तौर पर जनगणना विभाग द्वारा ही एकत्र किए जाएंगे। यह देश के लोकतांत्रिक विकास में एक पारदर्शी, वैज्ञानिक और ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि जाति गणना केवल एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं है, बल्कि साक्ष्य-आधारित नीति निर्धारण के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। यह ओबीसी के लिए आरक्षण बढ़ाने के लिए तर्कसंगत रूप से समर्थन करने के लिए मात्रात्मक और न्यायोचित डेटा उत्पन्न करेगा, साथ ही लक्षित कल्याणकारी योजनाओं को डिजाइन करने, बजटीय संसाधनों को आवंटित करने और वास्तविक जनसांख्यिकीय प्रोफाइल के आधार पर समावेशी कार्यक्रमों को लागू करने में सरकारों का मार्गदर्शन करेगा।

वक्फ अधिनियम के विरोध में हैदराबाद के पुराने शहर की लाइटें बंद

> 15 मिनट के लिए अपने घर की लाइटें कर दीं बंद

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के 'बत्ती गुल' विरोध को हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य हिस्सों में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और लोगों ने बुधवार रात 15 मिनट के लिए अपने घर की लाइटें बंद कर दीं। हैदराबाद के पुराने शहर के कई हिस्सों और नामपल्ली, मल्लेपल्ली, टोली चौकी, मेहदीपटनम और गोलकोंडा सहित कई अन्य क्षेत्रों में लगभग पूर्ण अंधकार छा गया। दुकानदारों ने भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए 15 मिनट तक अपना कारोबार बंद रखा। एआईएमपीएलबी के आह्वान पर लोगों ने रात 9 बजे से 9.15 बजे तक अपने घरों, दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों की लाइटें बंद कर अपना विरोध दर्ज कराया। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुलमुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी शास्त्रीपुरम स्थित अपने आवास की लाइटें बंद कर दीं। एआईएमपीएलबी के प्रमुख सदस्यों में से एक ओवैसी ने लोगों से 'लाइट ऑफ प्रोटेस्ट' को सफल बनाने की अपील की थी। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सांसद ने कहा कि विरोध प्रदर्शन बहुत सफल रहा। उन्होंने कहा, बहुत बड़ी स्वतःस्फूर्त प्रतिक्रिया हुई। हैदराबाद, तेलंगाना और कर्नाटक से मिली रिपोर्ट से पता चलता है कि लोगों ने, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। उन्होंने इसे सफल बनाने वाले लोगों का आभार व्यक्त किया। ओवैसी ने कहा कि इस विरोध प्रदर्शन के जरिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संदेश देना चाहते हैं कि यह कानून वक्फ के हित में नहीं है। उन्होंने कहा, यह कानून असंवैधानिक है और वक्फ संपत्तियों को नष्ट कर देगा। उन्होंने दोहराया कि यह अधिनियम भारतीय संविधान, विशेषकर अनुच्छेद 14, 15, 25, 26 और 29 का उल्लंघन है। एआईएमआईएम अध्यक्ष ने कहा कि कुछ सप्ताह बाद मानव श्रृंखला बनाकर और गोलमेज बैठकों के साथ विरोध प्रदर्शन का एक और दौर शुरू किया जाएगा।

साइबराबाद पुलिस-टीजीआईआईसी बैठक में प्रमुख शहरी गतिशीलता समाधानों पर चर्चा

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने टीजीआईआईसी के साथ एससीएससी के साथ मिलकर साइबराबाद सीपी कार्यालय के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में सुरक्षित, स्मार्ट शहरी गतिशीलता पर एक बैठक आयोजित की। साइबराबाद संयुक्त सीपी यातायात डॉ. गजराव भूपाल ने साइबराबाद पुलिस की ओर से यातायात सुरक्षा और शहरी बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में उनके निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए सभी हितधारकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। टीजीआईआईसी एमडी डॉ. विष्णुवर्धन रेड्डी, आईएफएस, साइबराबाद क्षेत्र में पैदल यात्रियों और यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में, कई प्रमुख चुनौतियों को शामिल किया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

आतंकियों को 'चुन-चुन ...

इस लड़ाई में न केवल 140 करोड़ भारतीय, बल्कि पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है। लामबंद होकर दुनिया के सभी देश आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में भारत की जनता के साथ हैं।'

बता दें कि शाह ने जिस कार्यक्रम में पहलगाम आतंकी हमले पर टिप्पणी की, उसमें बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्मा की विरासत को सम्मानित करने के लिए सड़क और प्रतिमा का उद्घाटन भी किया गया। इस समारोह में शाह ने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे दिल्ली की कैलाश कॉलोनी में बोडोफा के सम्मान में प्रतिमा का अनावरण और सड़क का उद्घाटन करने का अवसर मिला है। यह प्रतिमा न केवल बोडो समुदाय के लिए बल्कि उन सभी छोटी जनजातियों के लिए भी महत्वपूर्ण है जिन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति और विकास के लिए संघर्ष किया। बोडोफा की मूर्ति न केवल बोडो समुदाय बल्कि ऐसी सभी छोटी जनजातियों का सम्मान बढ़ाती है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट "मिनी स्विटरलैंड' नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर बीते 22 अप्रैल की दोपहर में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला था। एक उच्च पदस्थ अधिकारी के मुताबिक 26 मृतकों में दो विदेशी और दो स्थानीय निवासी थे। हमले के बाद पहली प्रतिक्रिया में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस आतंकी हमले को 'हाल के वर्षों में आम लोगों पर हुए किसी भी हमले से कहीं बड़ा' हमला बताया। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत की यात्रा पर थे। इसी समय जम्मू-कश्मीर में पर्यटन और ट्रैकिंग का मौसम भी जोर पकड़ रहा है। पहलगाम हमले के संबंध में अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हथियारबंद आतंकवादी 'मिनी स्विट्जरलैंड' में घुस आए और भोजनालयों के आसपास घूम रहे, खच्चर की सवारी कर रहे, पिकनिक मना रहे पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के छद्म संगठन "द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

पहलगाम पहुंचे एनआईए ...

सूत्रों ने बताया कि एनआईए की टीम वहां सबूत इकट्ठा करने और तथ्य खंगालने के लिए घटनास्थल गई थी।

घटनास्थल से इकट्ठा किए गए सैंपल्स और पूछताछ के दौरान घोड़े वालों और बायसरन में काम करने वाले अन्य लोगों के बयान की भी पड़ताल की जाएगी। बायसरन घाटी के आसपास तीन किलोमीटर के दायरे को खंगाला जा रहा ताकि हमलावर आतंकियों के आने जाने के रूट के बारे में सुराग हाथ लग सके।

बता दें कि मंगलवार को पहलगाम थाने में एनआईए की टीम 100 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। इनमें जिपलाइन ऑपरेटर मुजम्मिल भी शामिल है जिसपर आरोप है कि आतंकियों के फायरिंग की आवाज सुनने पर उसने तीन बार 'अल्लाह हू अकबर' कहा और पर्यटक को भेज दिया।

पर्यटकों पर आतंकी हमला, 26 की नृशंस हत्या :

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी। सेना की वर्दी में आए दहशतगर्दों ने पहलगाम की बायसरन घाटी में पर्यटकों से पहले उनका धर्म पूछा, परिचय पत्र देखे और फिर हिंदू हो कहकर गोली मार दी। 26 मृतकों में ज्यादातर पर्यटक हैं, जबकि दो विदेशी और दो स्थानीय नागरिक शामिल हैं।

टीआरएफ ने ली हमले की जिम्मेदारी

हमले में करीब 14 लोग घायल हुए हैं। इस कायराना हमले की जिम्मेदारी पहले पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा से जुड़े गुट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। हालांकि बाद में टीआरएफ ने सफाई दी थी कि हमले से हमारा कोई वास्ता नहीं हैं। इस हमले को अंजाम नहीं दिलाया। फरवरी, 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद से जम्मू-कश्मीर में यह सबसे बड़ा आतंकी हमला है। उस हमले में सीआरपीएफ के 47 जवान मारे गए थे।

भगवान श्री परशुरामजी का जन्मोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जगतगिरीगुट्टा स्थित भगवान परशुराम मंदिर मे अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान श्री परशुराम का जन्मोत्सव कार्यक्रन सनातनियों, प्रवासी बन्धुओं के सानिध्य में बुधवार दि. 30 अप्रैल प्रात: वेला मे पुजा-अर्चनाकर, हवन-यज्ञ कर भव्य रूप से आयोजित किया गया।

विज्ञप्ति में आयोजक रामगोपाल चौधरी ने बताया कि हर वर्ष की भांति भगवान विष्णु के छठे अवतार शक्ति, न्याय और धर्म के प्रतीक भगवान श्री परशुरामजी का जन्मोत्सव भव्य रूप से मनाया गया। प्रात: वेला मे मंदिर को विशेष लाईटिंग व फूलों से सजाकर परशुराम भगवान का श्रृंगारकर प्रात: 9.15 बजे पंडितजी के मंत्रोच्चारण से भगवान परशुराम का अभिषेक, सामूहिक हवन, छप्पन भोग कार्यक्रम आयोजितकर पधारे समाज बन्धुओं ने भगवान परशुरामजी के चरणों में दीप प्रज्वलित, श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि सांसद ईटला राजेन्द्र, विधायक विवेक गौड़, पार्षद सत्यनारायण, जगन, सुरेश रेड्डी एवं पधारे अतिथियों का शॉल व मोतियों की माला से विशेष सम्मान किया गया। अवसर पर मुख्यअतिथियों के उपस्थिति में हॉल के लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। सांय 4 बजे संगीतमय सुन्दरकान्ड पाठ व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजितकर भक्तों के लिए महाअन्नदानम (प्रसादी) की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। जिसका समाज बन्धुओं ने सपरिवार लाभ लिया। कार्यक्रम के आयोजक रामगोपाल चौधरी ने कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओं व अतिथियों का आभार प्रकट कर भगवान परशुरामजी के जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि अक्षय तृतीया को परशुराम जन्मोत्सव के रूप मे मनाया जाता है। इस दिन किये गये अन्नदान, गरीबों की सेवा, पुण्य का प्रभाव कभी खत्म नही होता है। भगवान परशुरामजी को अमर माना जाता है, वे कलयुग के अंत में भगवान कल्कि को युद्ध की शिक्षा देंगे। इसीलिए उन्हे शक्ति, न्याय और धर्म के प्रतीक के रुप में पुजा जाता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रामगोपाल चौधरी, सुनिलसिंह, सौरभसिंह, शम्भु चौधरी, मोहनसिंह, अमरसिंह, मुकेशसिंह, राकेशसिंह, आईपीसिंह, प्रकाश चौधरी, कार्यकर्ताओं व सौरभसिंह का व्यवस्था में विशेष सहयोग रहा। परशुरामजी की महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पंजाब किंग्स पर स्लोओवर के लिए लगा जुर्माना

आखिरी 2 ओवर में 4 खिलाड़ी ही बाहर रखना पड़े

चेन्नई, 1 मई (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर धीमी ओवर रेट के लिए 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है। वह निर्धारित समय में 18 ओवर ही फेंक पाए।

ऐसे में उन पर 2 ओवर की पेनल्टी भी लगी और टीम को आखिरी 12 गेंदों पर अपने चार ही फील्डर तीस गज के बाहर रखने थे और एक अतिरिक्त फील्डर सर्कल के अंदर लाना पड़ा। आईपीएल 2025 में यह पीबीकेएस की पहली ओवर-रेट संबंधी गलती है।

पंजाब ने आखिरी 8 गेंदों पर लिए 5 विकेट

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 2 ओवर का जुर्माना लगने के बाद 19वां ओवर युजवेंद्र चहल को सौंपा। वहीं स्ट्राइक पर चेन्नई के कप्तान धोनी थे। 18 ओवर के बाद चेन्नई के 5 विकेट के नुकसान पर 177 रन थे। चेन्नई 190 रन ही बना सकी। बाद 191 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब ने 4 विकेट से इस मैच को जीत लिया।

जब चहल ने 19 वें ओवर की पहली गेंद फेंकी तो स्ट्राइक पर मौजूद धोनी ने सिक्स जड़ दिया, फिर अगली ही गेंद पर बाजी पलटी। चहल ने धोनी को निहाल वढेरा के हाथों कैच करा कर पवेलियन भेज दिया। उसके बाद उन्होंने दीपक हुड्डा, अंशुल कंबोज और नूर अहमद को पवेलियन भेज दिया और पंजाब ने चेन्नई को 190 रन पर ऑलआउट कर मैच को 4 विकेट से जीत लिया।

नौवीं बार इस सीजन में लगा स्लोओवर रेट के लिए जुर्माना

इस सीजन में नौवीं बार स्लोओवर रेट के लिए जुर्माना लगाया है। लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स पर दो बार, मुंबई इंडियंस, और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स पर एक-एक बार जुर्माना लगाया जा चुका है।

मैरीकॉम का खुलासा, डेढ़ साल पहले हुआ तलाक

बोली- अफेयर की बातें गलत; करुंग ओनलर से 2005 में हुई थी शादी

इम्फाल, 1 मई (एजेंसियां)। ओलिंपिक मेडल विजेता एमसी मैरीकॉम का उनके पति करुंग ओनलर से तलाक हो चुका है। छह बार की विश्व चैंपियन रह चुकीं मैरीकॉम ने करीब 16 महीने बाद इसका खुलासा किया। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया पर उन अफवाहों के बाद दी, जिनमें उनके हितेश चौधरी या एक अन्य बॉक्सर के पति से संबंध होने की बात कही जा रही थी।

दोनों का अलगाव 20 दिसंबर 2023 को आपसी सहमति से दोनों परिवारों और बुजुर्गों की उपस्थिति में, कॉम प्रथागत कानून के तहत हुआ। 2005 में दोनों की शादी हुई थी।

अफेयर को लेकर दी सफाई

मैरीकॉम ने हितेश चौधरी के साथ अफेयर को लेकर सफाई दी। हितेश बिजनेस पार्टर और मैरी कॉम बॉक्सिंग फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं।

मैरी पर एक अन्य बॉक्सर के पति के साथ अफेयर के आरोप भी थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर, मैरी कॉम ने अपनी ओर से जारी एक कानूनी नोटिस शेयर किया। नोटिस में यह स्पष्ट किया गया कि उनका तलाक सौहार्दपूर्ण ढंग से महीनों पहले हो गया था और वह आगे बढ़ चुकी हैं और अपने पिछले विवाह पर आगे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती हैं।

बयान के अनुसार हितेश चौधरी या किसी और को डेट करने की उनकी अफवाहें पूरी तरह से निराधार और झूठी हैं। बयान में मीडिया प्लेटफॉर्म से उनकी गोपनीयता का सम्मान करने और गलत सूचना फैलाने से बचने का भी आग्रह किया गया।

मैरी ने कानूनी करवाई और मानहानि करने की चेतावनी दी

मैरी कॉम ने झूठी अफवाह फैलाने वालों को चेतावानी देते हुए कहा कि अगर उनके निजी जीवन का सम्मान नहीं किया गया तो वह मानहानि और कानूनी करवाई कर सकती हैं। मैरी कॉम ने यह भी बताया कि पिछले दो साल उनके लिए व्यक्तिगत रूप से मुश्किल रहे हैं और उन्होंने अपने फैंस, दोस्तों और जनता से अपील की है कि उन्हें वह स्पेस दें जिसकी उन्हें जरूरत है।

2012 लंदन ओलिंपिक में जीता था ब्रॉन्ज मेडल

मैरी कॉम ने 2012 में लंदन में हुए ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसके अलावा 42 साल की बॉक्सर वर्ल्ड चैंपियनशिप में 6 गोल्ड समेत 8 मेडल जीत चुकी हैं। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप में 6 गोल्ड जीतने वाले दुनिया की एकमात्र महिला बॉक्सर हैं। 2006 में उन्हें पद्म श्री, 2013 में पद्म भूषण और 2020 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया जा चुका है।

पाकिस्तान पर अकेले भारी वैभव सूर्यवंशी, कोई नहीं है टक्कर में!

खेल डेस्क, 1 मई (एजेंसियां)। कहते हैं एक बिहारी, सब पर भारी. वैभव सूर्यवंशी भी बिहार से हैं और वो फिलहाल पाकिस्तान पर भारी हैं. 14 साल की इस IPL सनसनी का दमखम ऐसा है कि पाकिस्तान में चल रही T20 लीग से अगर तुलना की जाए तो कोई टक्कर में नहीं है. T20 में किसी भी बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट काफी मायने रखता है. हमने ये तुलना उसी आधार पर की है और पाया कि पाकिस्तान सुपर लीग में खेलने वाले किसी भी बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी से ज्यादा नहीं है.

पीएसएल में किसका स्ट्राइक रेट सबसे तगड़ा?

पाकिस्तान सुपर लीग के 10वें सीजन में सबसे ज्यादा और सबसे तगड़ा स्ट्राइक रेट जिस बल्लेबाज का है, वो अब्दुल समद हैं. पाकिस्तान के इस टॉप ऑर्डर बल्लेबाज ने PSL के मौजूदा सीजन में अब तक खेले 4 मैच की 3 पारियों में 200 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं. PSL में खेल रहे विदेशी खिलाड़ियों के स्ट्राइक रेट को भी देखें तो वो भी 200 से ज्यादा का नहीं है. जेसन होल्डर का अब तक खेले 3 पारियों में 200 का स्ट्राइक रेट है.

वैभव सूर्यवंशी के आगे नहीं टिकता पीएसएल का कोई सूरमा!

अब अगर पाकिस्तान सुपर लीग में सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट रखने वाले बल्लेबाजों के मुकाबले वैभव सूर्यवंशी का IPL वाला स्ट्राइक रेट देखें तो जमीन-आसमान का फर्क है. IPL के सबसे युवा स्टार वैभव सूर्यवंशी पाकिस्तान सुपर लीग के सर्वाधिक स्ट्राइक रेट वाले खिलाड़ियों से कहीं आगे खड़े दिखते हैं. वैभव सूर्यवंशी ने उनके मुकाबले IPL 2025 में अब तक खेली 3 पारियों में 215.71 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं.

पीएसएल के मुकाबले ही नहीं, आईपीएल में भी आगे वैभव सूर्यवंशी

सिर्फ पाकिस्तान सुपर लीग के बल्लेबाजों के मुकाबले ही नहीं, आईपीएल 2025 में भी वैभव सूर्यवंशी सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट रखने वाले बल्लेबाज हैं. वैभव सूर्यवंशी के अलावा IPL 2025 में 3 और बल्लेबाज ऐसे हैं, जिनका स्ट्राइक रेट PSL के मौजूदा सीजन के किसी भी बल्लेबाज के मुकाबले ज्यादा है.

अजय जडेजा ने चेन्नई के खराब प्रदर्शन की वजह बताई

बोले- फ्रैंचाइजी ने ऑक्शन में गलती की

चेन्नई, 1 मई (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल में लगातार दूसरे सीजन में खराब प्रदर्शन जारी है। टीम पिछले सीजन प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी थी और इस सीजन भी उम्मीद कम ही लग रही है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा का मानना है कि फैंचाइजी ने ऑक्शन में गलती की, जिसका असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा है।

आईपीएल 2025 के जियोस्टार एक्सपर्ट अजय जडेजा ने सीजन के प्ले-ऑफ की रेस में टीमों के बीच होने वाले मुकाबलों पर सोमवार को मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, मैं चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस का बहुत बड़ा फैन हूं। धोनी और तेंदुलकर ही वो कारण हैं जिनकी वजह से हमारी पीढ़ी के ज्यादातर लोग शायद इन दो टीमों को देखते हैं। इसलिए सीएसके के प्रदर्शन से मैं भी थोड़ा निराश हूं, लेकिन मुझे लगता है कि नीलामी में आप देख सकते हैं कि उनके पास वह ताकत नहीं है जो अन्य टीमों के पास है। इसलिए शायद यही कारण रहा। और फिर, स्वाभाविक रूप से, जब चीजें ठीक नहीं होती हैं, तो आप हार जाते हैं। पिछले साल टीम एक करीबी मुकाबले के बाद पांचवें स्थान पर रही थी। इस साल उनका प्रदर्शन काफी खराब रहा है, जिससे वे पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे है।

शतक के साथ खोला 'पंजा', शाकिब के ऐतिहासिक रिकॉर्ड की बराबरी

बांग्लादेश की जीत के नायक बने मेहंदी हसन

चटगाँव, 1 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को एक पारी और 106 रनों से रौंद डाला। बांग्लादेश की जीत के नायक मेहंदी हसन मिराज रहे। मेहंदी ने पहले बल्ले से रंग जमाया और शानदार शतकीय पारी खेली। सेंचुरी ठोकने के बाद बांग्लादेश के स्पिनर का जादू भी सिर चढ़कर बोला। मेहंदी ने दूसरी पारी में अपनी घूमती गेंदों से कहर बरपाते हुए पांच विकेट अपनी झोली में डाले। एक ही मैच में शतकीय पारी और पांच विकेट लेने वाले मेहंदी हसन बांग्लादेश के महज तीसरे खिलाड़ी बने हैं। जिम्बाब्वे ने पहली पारी में 227 रन बनाए, जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 444 रन ठोके। दूसरी इनिंग में जिम्बाब्वे का बैटिंग ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम सिर्फ 111 रन बनाकर ढेर हो गई।

मेहंदी बने जीत के नायक

तैजुल इस्लाम की घातक गेंदबाजी के दम पर बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को पहली पारी में 227 रनों पर समेटा। तैजुल ने कहर बरपाते हुए छह विकेट अपनी झोली में डाले। इसके बाद बांग्लादेश की ओर से टॉप ऑर्डर में शदनाम इस्लाम ने 120 रनों की लाजवाब इनिंग खेली। वहीं, नंबर पांच पर बल्लेबाजी करने उतरे मेहंदी हसन ने भी बल्ले से खूब धमाल मचाया। मेहंदी ने 162 गेंदों का सामना करते हुए 104 रन की शानदार पारी खेली। अपनी इस इनिंग में उन्होंने 11 चौके और एक सिक्स जमाया।

बल्ले से रंग जमाने के बाद मेहंदी ने अपनी फिरकी का जादू जिम्बाब्वे की दूसरी पारी में बिखेरा। बांग्लादेश के स्पिनर के आगे जिम्बाब्वे का बैटिंग ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम 111 रन बनाकर ढेर हो गई। मेहंदी ने 21 ओवर के स्पेल में सिर्फ 32 रन खर्च करते हुए पांच विकेट झटके। मेहंदी हसन मिराज बांग्लादेश की ओर से एक ही टेस्ट में शतक और पांच विकेट लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ शाकिब अल हसन और सोहाग गाजी ही कर सके हैं।

मेहंदी हसन के ऑलराउंड प्रदर्शन के बूते बांग्लादेश ने दूसरे टेस्ट को एक पारी और 106 रनों से अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 1-1 से बराबर भी कर दिया है। मेहंदी को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। पहले टेस्ट को जिम्बाब्वे ने 3 विकेट से जीता था।

पाकिस्तान के अरशद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में ब्लॉक

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं। भारत ने पाकिस्तान के कई एथलीट्स, क्रिकेटर्स और टीवी कलाकारों के यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है। इसी कड़ी में ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के भालाफेंक खिलाड़ी अरशद नदीम भी इसके लपेटे में आ गए हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद एक कानूनी अनुरोध के कारण भारत में ब्लॉक कर दिया गया है।

भारत में नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट खोलने की कोशिश करने वालों का यह संदेश मिल रहा है, 'भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। इस आशय के कानूनी अनुरोध के बाद यह फैसला लिया गया।' कानूनी अनुरोध पर क्लिक करने पर लिख कर आ रहा, 'हमें

इस अकाउंट को प्रतिबंधित करने के लिए एक कानूनी अनुरोध प्राप्त हुआ। हमने अपनी नीतियों के विरुद्ध इसकी समीक्षा की और एक कानूनी और मानवाधिकार मूल्यांकन किया। समीक्षा के बाद हमने उस स्थान पर सामग्री तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया जहां यह स्थानीय कानून के विरुद्ध है।'

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। इस आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने कई सख्त फैसले लिए, जिसमें से एक भड़काऊ और संवेदनशील सांप्रदायिक सामग्री फैलाने वाले कई पाकिस्तानियों के यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रतिबंध भी शामिल है। जिन यूट्यूब चैनलों पर कार्रवाई की गई है, उनमें कई पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर्स के भी चैनल शामिल हैं। इनमें रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर शोएब अख्तर का चैनल 'शोएब अख्तर', पूर्व पाकिस्तानी कप्तान बासित अली का यूट्यूब चैनल 'बासित अली' पूर्व पाकिस्तानी कप्तान राशिद लतीफ और वरिष्ठ पत्रकार नौमान नियाज का यूट्यूब चैनल 'कॉट बिहाइंड', पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज तनवीर अहमद का यूट्यूब चैनल 'तनवीर सेज' शामिल हैं।

इसके अलावा पाकिस्तान की हार पर पाकिस्तान की ही खिल्ली उड़ाने वाले दो यूट्यूबर्स 'वासे और इफ्फी' का यूट्यूब चैनल 'वासे हबीब' को भी बंद कर दिया गया है। ॉ बंद किए गए यूट्यूब चैनलों पर लिख कर आ रहा है, 'राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित सरकार के आदेश की वजह से यह सामग्री वर्तमान में इस देश में उपलब्ध नहीं है।

भारत से पाकिस्तान तक, एक ही परिवार के 3 खिलाड़ी उतरे मैदान पर, एक ही दिन हुआ मैच

खेल डेस्क, 1 मई (एजेंसियां)। क्रिकेट की बिसात पर 30 अप्रैल का दिन करन परिवार के लिए यादगार बन गया. इस दिन उस परिवार के 3 खिलाड़ी मैदान पर मुकाबला खेलने उतरे. भारत से लेकर पाकिस्तान तक सारे क्रिकेट फैंस करन परिवार से जुड़े उस ऐतिहासिक पल का गवाह बने. वो तीनों खिलाड़ी रिश्ते में भाई लगते हैं, जिनके नाम- सैम करन, बेन करन और टॉम करन- हैं. इनमें से सैम ने 30 अप्रैल को भारत के चेन्नई में मुकाबला खेला. बेन ने पाकिस्तान के लाहौर में अपना दम दिखाया और टॉम ने बांग्लादेश के चट्टोग्राम में अपना जलवा बिखेरा.

सैम करन- चेन्नई- 30 अप्रैल- आईपीएल मैच

अब सवाल है कि करन परिवार के तीनों भाई एक ही दिन तीन अलग-अलग देशों के शहरों में खेलते तो दिखे, मगर उनका प्रदर्शन कैसा रहा? तो आइए एक नजर डालते हैं उनके मुकाबलों पर. शुरुआत तीनों में सबसे छोटे सैम करन से ही करते हैं, जिन्होंने 30 अप्रैल की शाम चेन्नई में अपना मैच खेला. पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में सैम करन CSK के लिए उसके टॉप स्कोरर रहे. उन्होंने 187.23 की स्ट्राइक रेट से 47 गेंदों पर 88 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 4 छक्के शामिल रहे. सैम करन की इस पारी के बावजूद हालांकि उनकी टीम को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबला गंवाना पड़ा.

टॉम करन- लाहौर- 30 अप्रैल- पीएसएल मैच

अब बात करते हैं तीनों भाइयों में सबसे बड़े टॉम करन की, जिन्होंने 30 अप्रैल को लगभग उसी वक्त पर लाहौर में PSL का मैच खेला, जिस समय इधर भारत के चेन्नई में सैम करन खेल रहे थे. टॉम करन पीएसएल में लाहौर कलंदर्स टीम का हिस्सा हैं, जिसका 30 अप्रैल को इस्लामाबाद यूनाइटेड से मैच हुआ. उस मुकाबले में टॉम करन ने बल्ले से कुछ नहीं किया मगर गेंद से 3 ओवर नें 24 रन देने के बाद वो इमाद वसीम का एक विकेट लेने में कामयाब रहे. टॉम करन की टीम लाहौर कलंदर्स ने इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ मुकाबला 88 रन से जीता.

बेन करन- चट्टोग्राम- 30 अप्रैल- टेस्ट मैच

जब बड़े और सबसे छोटे वाले भाई भारत और पाकिस्तान में T20 मैच खेल रहे थे, उसी दिन मंझले भइया बेन करन भी बांग्लादेश में टेस्ट मैच खेल रहे थे. इंग्लैंड के बेन करन जिम्बाब्वे की टीम से क्रिकेट खेलते हैं. जिम्बाब्वे की टीम इन दिनों बांग्लादेश दौरे पर टेस्ट सीरीज खेल रही है. 30 अप्रैल को दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट खत्म हुआ, जिसमें बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को पारी और 106 रन के बड़े अंतर से हरा दिया. इस टेस्ट की पहली पारी में 21 रन बना वाले बेन करन ने 30 अप्रैल को खेली अपनी दूसरी इनिंग में 46 रन जड़े.

खेल जगत में दुख की लहर दिग्गज कोच सनी थॉमस का निधन

अभिनव बिंद्रा ने जताया दुख

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। भारत को ओलंपिक और दूसरी बड़ी खेल प्रतियोगिताओं में शूटिंग में मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व कोच सनी थॉमस का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। भारत को ओलंपिक और दूसरी बड़ी खेल प्रतियोगिताओं में शूटिंग में मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व कोच सनी थॉमस का बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 84 साल के थे और केरल के कोट्टायम में उन्होंने अंतिम सांस ली।

सनी थॉमस के परिवार में उनकी पत्नी के.जे. जोसम्मा, दो बेटे मनोज सनी और सानिल सनी, और एक बेटी सोनिया सनी हैं। उन्होंने 1993 से 2012 तक भारतीय शूटर्स को कोचिंग दी और इस दौरान कई ऐतिहासिक खेल पलों का हिस्सा रहे।

सनी थॉमस को 2001 में द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वह 2004 के एथेंस ओलंपिक में कोचिंग टीम का हिस्सा थे, जहां राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने डबल ट्रैप शूटिंग में रजत पदक जीतकर भारत के लिए शूटिंग में पहला ओलंपिक मेडल हासिल किया था। लेकिन उनके करियर का सबसे खास पल 2008 के बीजिंग ओलंपिक में आया, जब अभिनव बिंद्रा ने 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए व्यक्तिगत ओलंपिक गोल्ड लाने वाले पहले खिलाड़ी बने। बिंद्रा ने हमेशा सनी थॉमस को बहुत सम्मान दिया और उन्हें पिता जैसा बताया।

अभिनव बिंद्रा ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, "प्रोफेसर सनी थॉमस के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। वह सिर्फ एक कोच नहीं थे, वह भारतीय निशानेबाजों के लिए गुरु, मार्गदर्शक और पिता जैसे थे।"

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल: इंटर मिलान से दो बार पिछड़ने के बाद बार्सिलोना ने 3-3 से की बराबरी

खेल डेस्क, 1 मई (एजेंसियां)। चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल के पहले लेग में बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच मुकाबला 3-3 की बराबरी पर रहा।

बार्सिलोना क मोंटजुइक ओलिंपिक स्टेडियम में खेले गए मैच में बार्सिलोना दो बार पिछड़ने के बाद वापसी की और अंत में मुकाबले को बराबरी करने में सफल रही।

मैच शुरू होने के 30 सेकेंड में ही इंटर मिलान ने गोल कर बार्सिलोना पर 1-0 की बढ़त बना ली। इंटर मिलान के मार्कस थुराम ने बैकहील गोल दागते हुए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल इतिहास का सबसे तेज गोल किया। हालांकि, उसके बादबार्सिलोना की ओर से फेरान टोरेस ने पहले 15 मिनट में दो बार लगभग नेट पर गेंद को पहुंचाया, पर गोल में तब्दील नहीं कर पाए।

वहीं इंटर मिलान की ओर से डेंजल डम्फ्रीज ने मैच के 20वें मिनट में कॉर्नर से मिले मौके को हवा में छलांग लगाकर गोल में तब्दील किया और मिलान को 2-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

हालांकि, बार्सिलोना ने हार नहीं मानी। टीम के 16 वर्षीय स्टार लैमिन यामाल ने अपने 100वें क्लब मैच में अकेले गेंद को गोल में तब्दील कर बार्सिलोना की मैच में वापसी कराई। उन्होंने मैच के 24 वें मिनट में मिलान के थुराम को पीछे छोड़ते हुए और मखितारियन को छकाते हुए गेंद को बाएं पोस्ट से गोल में डाल कर स्कोर 1-2 कर दिया। वे इस गोल के साथ ही चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में स्कोर करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। पहले हाफ के 38वें मिनट में पेड्री के पास पर रफिन्हा ने हेड से बॉल फॉरवर्ड की और फेरान टोरेस ने पास पर रिएक्ट करते हुए क्लोज रेंज से गोल किया। जिससे पहले हाफ तक स्कोर 2-2 हो गया।

हालांकि, दूसरे हाफ में डम्फ्रीज ने मैच के 64वें मिनट में एक बार फिर हेडर से गोल कर टीम को 3-2 से आगे कर दिया। इंटर की बढ़त ज्यादा देर नहीं टिक पाई। मैच के 68 वें मिनट में यामाल के कॉर्नर को रफिन्हा ने बॉक्स के किनारे से शॉट मारा, जो क्रॉसबार से लगकर मिलान के गोलकीपर सोमर के सिर पर टकराया और गोल में चला गया। जिसे बार्सिलोना स्कोर 3-3 की बराबरी करने में सफल हुई।

6 मई को दूसरे लेग में फिर भिड़ेंगी दोनों टीमें

अब दोनों टीम में 6 मई को दूसरे लेग में आपस में भिड़ेंगी। इसमें जीतने वाली टीम 31 मई को म्यूनिख में होने वाले फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन या आर्सेनल से भिड़ेगी।

राहुल गांधी ने देश की जनता की धड़कन सुनी

तेलंगाना की जाति जनगणना देश के लिए रोल मॉडल : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश की जनता की धड़कन सुनी और जाति जनगणना कराने का वादा किया। राहुल गांधी ने जाति जनगणना की तुलना समाज के एक्स-रे से की। आज यहां चुनिंदा संवाददाताओं से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि राहुल गांधी के निर्देश पर तेलंगाना सरकार ने तेलंगाना में जाति जनगणना कराई और देश के लिए रोल मॉडल बनी। हम इस अवसर पर राहुल गांधी का आभार व्यक्त करते हैं। विधानसभा में दो प्रस्ताव पारित कर उन्हें मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा। एक प्रस्ताव राष्ट्रीय जनगणना में जाति जनगणना कराने और आरक्षण में 50 प्रतिशत की सीमा हटाने का भेजा। नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर पिछड़ा वर्ग समूहों के साथ बड़ा धरना दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के दबाव में आकर जाति जनगणना पर फैसला लिया। हम केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय जनगणना के साथ-साथ जाति जनगणना पूरी करने की समयसीमा की घोषणा करनी चाहिए। केंद्र को सभी राजनीतिक दलों के साथ जाति जनगणना कराने के लिए अपनाई जाने वाली नीतियों पर चर्चा करनी चाहिए। इसके लिए केंद्रीय मंत्रियों की एक समिति और अधिकारियों की एक अन्य समिति गठित की जानी चाहिए। तेलंगाना सरकार ने जाति जनगणना कराने की प्रक्रिया में प्रक्रियाएं तैयार कर लोगों के सामने रखीं। 57 सवालों के साथ 8 पन्नों की जानकारी जुटाई। सभी राजनीतिक दलों को जाति जनगणना में भागीदार बनाया। जाति जनगणना एक सरकारी कार्यक्रम के रूप में कराई गई, न कि किसी पार्टी के कार्यक्रम के रूप में। सभी को शामिल करके जाति जनगणना पूरी की। यही मुख्य कारण हो सकता है कि तेलंगाना जाति जनगणना में देश में सबसे आगे रहा और देश के लिए रोल मॉडल भी बना। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जाति जनगणना कराने में सरकार के अनुभव को केंद्र के साथ साझा करने के लिए तैयार है। कांग्रेस ने जाति जनगणना के जरिए कमजोर वर्गों को लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया। हम राहुल गांधी के विचारों को लागू करने के लिए किसी के साथ भी काम करने को तैयार हैं। राज्य सरकार ने देश में कहीं और की तरह जाति जनगणना कराई। जाति जनगणना पर सरकार की आलोचना करने वाले भाजपा नेताओं से पूछा कि 10 साल सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा शासित राज्यों ने जाति जनगणना क्यों नहीं कराई। राज्य भाजपा नेताओं ने राजनीतिक लाभ के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। भाजपा नेता ईर्ष्यालु और हताश हैं। भाजपा नेताओं को चिंता है कि मोदी रेवंत रेड्डी की नीतियों का अनुसरण कर रहे हैं। भाजपा हाल तक जाति जनगणना के खिलाफ बोलती रही। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार हमारे दबाव में ही जाति जनगणना कराने के लिए आगे आई।

भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को केंद्र में अपनी गठबंधन सरकार बचाने के लिए जाति जनगणना करानी पड़ रही है। हम राहुल गांधी के जाति जनगणना कराने के विचार को लागू करने के केंद्र के फैसले का स्वागत करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राहुल गांधी को उदाहरण के तौर पर लेने पर खुशी हुई। महात्मा गांधी ने शांतिपूर्ण आंदोलनों के जरिए सफलता हासिल की। जापानी लोग भी हिरोशिमा में गांधी की प्रतिमा की पूजा कर रहे हैं। राहुल गांधी महात्मा गांधी का अनुकरण कर रहे हैं जिन्होंने लक्ष्य हासिल करने तक कभी हार नहीं मानी।

3 से 13 जून तक आयोजित की जाएगी एसएससी पूरक परीक्षा 2025

शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 16 मई है

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूल शिक्षा विभाग ने एसएससी पब्लिक एडवांस्ड सप्लीमेंट्री परीक्षा 2025 की तारीखों की घोषणा कर दी है। जो छात्र मार्च 2025 में आयोजित दसवीं कक्षा की परीक्षा पास नहीं कर पाए थे, वे सप्लीमेंट्री परीक्षा में शामिल हो सकते हैं, जो 2025 में आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को पूरक परीक्षा शुल्क 16 मई तक या उससे पहले संबंधित स्कूल के प्रधानाध्यापक को जमा करना होगा। 50 रुपये विलंब शुल्क के साथ परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि संबंधित विषय की परीक्षा शुरू होने से दो दिन पहले तक है। पूरक परीक्षा आयोजित करने के लिए उपलब्ध समय कम है, इसलिए असफल उम्मीदवारों को एसएससी सार्वजनिक परीक्षा, मार्च-2025 की पुनर्गणना या पुनः सत्यापन के परिणाम की प्रतीक्षा किए बिना परीक्षा के लिए आवेदन करने के लिए कहा गया है। प्रधानाचार्यों को 17 मई तक परीक्षा शुल्क सरकारी परीक्षा निदेशालय को जमा कराने को कहा गया है।

केंद्र सरकार के फैसले के बाद विपक्षी दल ड्रामा कर रहे हैं : किशन रेड्डी

नई दिल्ली/हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नियमित जनगणना के हिस्से के रूप में जाति जनगणना कराने का फैसला किया है और कहा कि जाति जनगणना इतिहास में दर्ज हो जाएगी। मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के फैसले के बाद विपक्षी दल राजनीतिक ड्रामेबाजी के लिए दरवाजा खोल रहे हैं। उन्होंने कहा, पूर्व में कांग्रेस पार्टी के तत्वावधान में पिछड़ा वर्ग आरक्षण को लेकर साजिशें और षड्यंत्र रचे गए। सभी मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग में शामिल कर लिया गया। देश की आजादी के बाद से ही धर्म के नाम पर लोगों को बांटने और सांप्रदायिक झगड़े कराने वाली कांग्रेस पार्टी ने जातियों के नाम पर समाज को तोड़ने की साजिश भी की। एससी, एसटी और पिछड़ा वर्ग के प्रति पाखंडी प्रेम दिखाने वाली कांग्रेस सरकार अकेली नहीं है, इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां मौका मिलते ही उसने जहर उगला है। जब एससी रामनाथ कोविंद और एसटी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया गया, तो कांग्रेस पार्टी का उनका विरोध करने और अपने उम्मीदवार उतारने का इतिहास रहा है। मोदी सरकार द्वारा दशकों से लंबित मादिगा आरक्षण मुद्दे को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में पूरा ब्योरा पेश करने के बाद एससी वर्गीकरण का रास्ता साफ हुआ।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी का पिछड़े वर्ग के नाम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान करने का इतिहास रहा है। कांग्रेस पार्टी शुरू से ही पिछड़े वर्ग के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाती रही है। कांग्रेस ने कभी भी पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए काम नहीं किया। 2018 में राष्ट्रीय बीसी आयोग को वैधानिकता देने का श्रेय एनडीए सरकार को जाता है। 2019 में, इसने आर्थिक रूप से पिछड़े उच्च जातियों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण (ईडब्ल्यूएस) लागू किया। हम समाज के सभी वर्गों के लिए उचित न्याय सुनिश्चित करने के लिए 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे के साथ ईमानदारी से आगे बढ़ रहे हैं, उन्होंने कहा। रेड्डी ने दावा किया कि मोदी को महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने और उन्हें सशक्त बनाने और उन्हें आत्मसम्मान देने का श्रेय दिया जाता है और कहा कि मोदी सरकार को मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ 'ट्रिपल तलाक' जैसी बर्बर नीतियों को खत्म करने और मुस्लिम महिलाओं को अधिकार और शक्ति प्रदान करने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि समाज का कोई भी वर्ग यह महसूस न करे कि उनकी देखभाल नहीं की जा रही है। जाति जनगणना 1881 से 1931 तक की गई थी। लेकिन आज़ादी के बाद कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने फ़ैसला किया कि जाति जनगणना नहीं होनी चाहिए। इसके अनुसार, 1951 से लेकर आज तक जाति जनगणना नहीं हुई है। कांग्रेस पार्टी शुरू से ही जाति जनगणना के ख़िलाफ़ रही है। नेहरू और मौलाना आज़ाद जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने जाति जनगणना के प्रति खुले तौर पर अपनी असहमति जताई।

महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी की अध्यक्षता में जीएचएमसी स्थायी समिति की बैठक हुई

> स्थायी समिति ने 9 मदों और 2 तालिका मदों को मंजूरी दी

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मुख्यालय स्थित कमांड कंट्रोल रूम में गुरुवार को नगर महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी की अध्यक्षता में दूसरी स्थायी समिति की बैठक हुई। समिति ने जीएचएमसी में विभिन्न सड़कों के विस्तार के लिए निगम के माध्यम से सिफारिश को मंजूरी दी। महापौर ने कहा कि समिति की बैठक में सदस्यों ने 9 मदों और 2 टेबल मदों को मंजूरी दी।

इस अवसर पर महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि स्थायी समिति एक नीति निर्णय लेने वाली समिति है। जीएचएमसी को अपने राजस्व स्रोतों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अतिरिक्त एवं जोनल आयुक्तों ने कहा कि अपने-अपने विभागों से संबंधित सभी निविदाएं एवं अन्य निर्णय स्थायी समिति से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद ही लिए जाएं। यह सुझाव दिया गया कि बिना अनुमोदन के कोई भी निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए। स्थायी समिति के सदस्यों ने रेवंत रेड्डी सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया कि उसने जीएचएमसी को किसी भी अन्य सरकार की तुलना में अधिक धनराशि उपलब्ध कराई है। बैठक में जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, स्थायी समिति के सदस्य बोंथु श्रीदेवी, बानोथु सुजाता, सैयद मिन्हाजुद्दीन, अब्दुल वाहेब, परवीन सुल्ताना, डॉ. आयशा हुमेरा, मोहम्मद सलीम, बाटा जबीन, महालक्ष्मी रमन गौड़, मोहम्मद गौस उद्दीन, सी.एन. इस बैठक में रेड्डी, एम.डी. बाबा फसीउद्दीन, वी. जगदीश्वर गौड़ और बुरुगड्डा पुष्पा ने भाग लिया।

अतिरिक्त आयुक्त वेणुगोपाल रेड्डी, सत्यनारायण, वेणुगोपाल, पंकजा, गीता राधिका, रघु प्रसाद, चंद्रकांत रेड्डी, यदागिरी राव, सुभद्रा देवी, अलीवेलु मंगतायारु, नलिनी पद्मावती, जोनल कमिश्नर हेमंत केशव पाटिल, अनुराग जयंती, अपूर्व चौहान, हेमंत बोरकड़े, रविकिरण, वेंकन्ना, सीसीपी श्रीनिवास, सीईएस रत्नाकर, भास्कर रेड्डी, मुख्य अभियंता कोटेश्वर राव, मुख्य परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अब्दुल वकील एवं अन्य उपस्थित रहे।

बीआरएस नेताओं ने मई दिवस पर श्रमिकों को किया सलाम

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर मजदूर वर्ग के बलिदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी कड़ी मेहनत से राष्ट्र का निर्माण होता है और ऐसी संपत्ति बनती है जो अमूल्य है। एक बयान में, रामाराव ने पिछली बीआरएस सरकार की उन पहलों को याद किया, जिसमें सिंगरेनी खनिकों के लिए बोनस और नौकरी की सुरक्षा, आरटीसी कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि और स्वास्थ्य बीमा सहित श्रमिक वर्ग का समर्थन किया गया था। उन्होंने ऑटो चालकों और असंगठित क्षेत्र के लोगों के लिए स्थापित वित्तीय सहायता और कल्याण बोर्डों की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि हमने तेलंगाना को एक औद्योगिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, लाखों नौकरियां पैदा कीं और महिला श्रमिकों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें विशेष सुरक्षा प्रदान की। बीआरएस के श्रमिक समर्थक रुख की पुष्टि करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी श्रमिकों के अधिकारों के लिए लड़ना जारी रखेगी। उन्होंने श्रमिकों के सभी वर्गों के बीच एकता और समानता के लिए काम करने की कसम खाई।

वरिष्ठ बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने भी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें देश की रीढ़ बताया। उन्होंने उनके अथक प्रयासों और समर्पित भावना की सराहना की। बीआरएस एमएलसी के कविता ने मई दिवस को मेहनतकश लोगों की जीत का दिन बताया। उन्होंने कहा कि मैं उन मजदूरों और किसानों को सलाम करती हूं जिनके पसीने से वैश्विक प्रगति होती है।

चलती कार में आग लगने से ड्राइवर बाल-बाल बचा

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर में बुधवार रात एक कार में आग लगने से चालक चमत्कारिक रूप से बच गया। कार शहर से आरजीआई एयरपोर्ट जा रही थी, जब गाड़ी पीवीएनआर एक्सप्रेसवे पिलर नंबर 311 पर पहुंची तो ड्राइवर ने देखा कि इंजन से धुआं निकल रहा है। इससे पहले कि वह गाड़ी रोक पाता, इंजन से आग लग गई और ड्राइवर ने गाड़ी सड़क किनारे खड़ी कर दी और बाहर निकल गया। राजेंद्र नगर फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाई। आग लगने से कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

अज्ञात व्यक्ति ने बीएचईएल फ्लाईओवर से कूदकर की आत्महत्या

संगारेड्डी, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग 35 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति की गुरुवार तड़के नवनिर्मित बीएचईएल जंक्शन फ्लाईओवर से गिरने के बाद लगी चोटों के कारण मृत्यु हो गई। राहगीरों ने खून से लथपथ शव को देखा तो पुलिस को सूचना दी। रामचंद्रपुरम पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। शव को पटनचेरू के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह आत्महत्या थी या हत्या। जांच जारी है और पुलिस ने शव की पहचान के लिए लोगों से सहयोग मांगा है।

भू-भारती अधिनियम 5 मई से 28 मंडलों में लागू किया जाएगा : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की है कि राज्य सरकार 5 मई से 28 मंडलों में भू-भारती अधिनियम लागू करेगी, हैदराबाद को छोड़कर सभी ज़िलों में पायलट प्रोजेक्ट के लिए प्रति जिले एक मंडल का चयन किया जाएगा। गुरुवार को दिए गए एक बयान में, मंत्री ने कहा कि भू-भारती अधिनियम महत्वपूर्ण बदलाव लाने के लिए तैयार है और लोगों से असाधारण प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने उल्लेख किया कि हैदराबाद को छोड़कर 605 मंडलों में से 555 में 30 अप्रैल तक राजस्व बैठकें पूरी हो चुकी थीं। पोंगुलेटी ने कहा कि राज्य सरकार अब प्रस्तुत आवेदनों की गहन समीक्षा के बाद 2 जून तक इन पायलट प्रोजेक्ट मंडलों में भूमि संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए उपाय कर रही है। मंत्री ने क्रियान्वयन के महत्व पर जोर देते हुए कहा, कानून पारित करना पर्याप्त नहीं है, किसानों को सच्चा न्याय तभी मिलेगा जब कानून पूरी तरह लागू होगा। हमारी सरकार इस संबंध में सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अतिरिक्त ईओ सीएच वेंकैया चौधरी ने निरीक्षण किया

तिरुमला, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के अतिरिक्त ईओ सीएच वेंकैया चौधरी ने गुरुवार को श्रीवारी मंदिर के सामने नारियल बिक्री काउंटर, टीटीडी प्रकाशन बिक्री केंद्र और डॉलर बिक्री केंद्रों का निरीक्षण किया।

सबसे पहले अखिलंदम में नारियल बिक्री केंद्र का निरीक्षण किया गया और नारियल के आकार की जांच की गई। बाद में, अतिरिक्त ईओ ने टीटीडी प्रकाशन केंद्र, अगरबत्ती और पंचगव्य की बिक्री का भी निरीक्षण किया। इसी तरह, उन्होंने तिरुमाला मंदिर के सामने श्रीवारी डॉलर बिक्री काउंटर का निरीक्षण किया और डॉलर की बिक्री के बारे में जानकारी ली। वीजीओ श्री सुरेंद्र भी मौजूद थे।

रामानुजाचार्य अवतार महोत्सव शुरू

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला चिन्ना जीयर स्वामी ने बुधवार को अन्नमचार्य कलामंदिरम, तिरुपति में श्री रामानुजाचार्य के अवतार महोत्सव का उद्घाटन किया। अलवर दिव्य प्रबन्ध परियोजना द्वारा आयोजित यह समारोह 2 मई तक जारी रहेगा। अपने अनुग्रह भधनम में, श्री चिन्ना जीयर स्वामी ने कहा कि श्री रामानुजाचार्य ने एक सुधारक के रूप में भक्ति आंदोलन के माध्यम से समानता और भक्ति का संदेश फैलाया। अहोबिलम मठ के श्री सीतारामन का प्रवचन और श्रीमती द्वारा भक्ति संगीत। सरस्वती प्रसाद समूह ने आध्यात्मिक उत्साह जोड़ा। कार्यक्रम में अलवर दिव्य प्रबन्ध परियोजना के विशेष अधिकारी राजगोपाल राव, कार्यक्रम समन्वयक पुरुषोत्तम एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

समस्त राजपुरोहित समाज

हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान मे

श्री श्री 1008 श्री खेतेश्वर महाराज की 41 वीं पुण्यतिथि

: कार्यक्रम :

आज शुक्रवार दि. 02 मई 2025 - रात्रि 9.15 बजे से जागरण *

(शुभस्थल: कुमावत समाज भवन, बडंगपेट, हैदराबाद)

कल शनिवार दि. 03 मई 2025 - प्रातः 7.15 बजे से हवन-यज्ञ

प्रातः 9.15 बजे से गौ पूजन

प्रातः 10.15 बजे से महा-आरती

प्रातः 10.35 बजे रक्तदान शिविर * मध्यान् भोजन प्रसादी

(शुभस्थल: प्रजा भवन लाईब्रेरी के पास, न्यु बीएमसी ऑफिस, बडंगपेट, हैदराबाद)

: भजन गायकार :

आकाशवाणी कलाकार रामाकिशनजी सोनी एंड पार्टी जोधपुर

: निवेदन : समस्त समाज बंधुओ से निवेदन है शनिवार दि.03 मई 2025 को अपने प्रतिष्ठान बंद रखे एवं सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

: आयोजक :

समस्त राजपुरोहित परिवार, बडंगपेट, नादरगुल

Mobile. No: 9848302757, 9177777791, 9666743505, 9701468089, 9912014821, 8801111086, 9966099003, 9347571641, 9849359681, 9246886133, 9391075632, 9440520636, 9440043651, 9441851015, 9849359681, 9949869705, 9491137878, 9948608311, 9949304771, 9550033332, 9441345168

P.Solankey

हैदराबाद में अगले सप्ताह होगा ला टोमाटिना फेस्टिवल

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की एक कंपनी टोमा टेरा नामक टमाटर उत्सव का आयोजन कर रही है, जो स्पेन के प्रतिष्ठित ला टोमाटिना से प्रेरित है। 11 मई को एक्सपेरियम इको पार्क में आयोजित होने वाले इस टिकट वाले कार्यक्रम में रोमांच, संगीत और टमाटर से भरपूर मौज-मस्ती का अनूठा मिश्रण देखने को मिलेगा। टोमा टेरा की प्रेरणा स्पेन के बूनोल में हर साल आयोजित होने वाले मशहूर टमाटर फेंकने वाले त्यौहार ला टोमाटीना से ली गई है। हैदराबादी संस्करण में संगीत, नृत्य प्रदर्शन और क्यूरेटेड मनोरंजन क्षेत्रों के साथ एक अलग स्थानीय स्वाद जोड़ा गया है।

आयोजकों ने आश्वासन दिया है कि बहुप्रतीक्षित 'टमाटर युद्ध' के लिए पर्याप्त मात्रा में टमाटरों की व्यवस्था की जाएगी। इस कार्यक्रम में लाइव डीजे प्रदर्शन, खाद्य स्टॉल और डांस जोन भी होंगे, जिसका उद्देश्य उत्सव, कार्निवल जैसा माहौल बनाना है। शायद अतीत में इसी तरह के आयोजनों के कारण हुई आलोचना को ध्यान में रखते हुए, आयोजकों ने कहा है कि उत्सव के दौरान उत्पन्न होने वाले सभी टमाटर के कचरे को खाद में बदल दिया जाएगा, जिससे कार्यक्रम स्थल को पोषण मिलेगा। उल्लेखनीय है कि 2013 में, भारत में प्रस्तावित ला टोमाटीना-शैली के कार्यक्रम को व्यापक विरोध का सामना करना पड़ा था, जिसके खिलाफ नेटिज़ेंस ने एक ऑनलाइन याचिका शुरू की थी। ला टोमाटीना को भारत में मुख्यधारा की लोकप्रियता तब मिली जब इसे 2011 में बॉलीवुड फिल्म जिंदगी ना मिलेगी दोबारा में दिखाया गया। तब से, इसने मनोरंजन के अपरंपरागत रूपों की तलाश कर रहे कई भारतीयों की कल्पना पर कब्जा कर लिया है।

भारत चुनाव आयोग ने की तीन नई महत्वपूर्ण पहल

नई दिल्ली/हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के चुनाव आयोग ने मतदाता सूची की सटीकता में सुधार करने के उद्देश्य से नई पहल शुरू की है, जिससे नागरिकों के लिए मतदान प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक हो गई है।

ये उपाय भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार द्वारा इस वर्ष मार्च में चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान परिकल्पित पहलों के अनुरूप हैं। आयोग अब मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 9 और जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 (जैसा कि 2023 में संशोधित किया गया है) की धारा 3(5)(बी) के अनुरूप भारत के रजिस्ट्रार जनरल से इलेक्ट्रॉनिक रूप से मृत्यु पंजीकरण डेटा प्राप्त करेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को पंजीकृत मौतों के बारे में समय पर जानकारी मिले। इससे बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) फॉर्म 7 के तहत औपचारिक अनुरोध की प्रतीक्षा किए बिना, फील्ड विजिट के माध्यम से जानकारी को फिर से सत्यापित करने में सक्षम होंगे। मतदाता सूचना पर्ची (वीआईएस) को और अधिक मतदाता अनुकूल बनाने के लिए, आयोग ने इसके डिजाइन को संशोधित करने का भी निर्णय लिया है। मतदाता की क्रम संख्या और भाग संख्या अब अधिक प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी, फ़ॉन्ट आकार में वृद्धि के साथ, जिससे मतदाताओं के लिए अपने मतदान केंद्र की पहचान करना और मतदान अधिकारियों के लिए मतदाता सूची में उनके नाम को कुशलतापूर्वक ढूंढना आसान हो जाएगा। आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी बीएलओ, जिन्हें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13बी(2) के तहत ईआरओ द्वारा नियुक्त किया जाता है, को मानक फोटो पहचान पत्र जारी किए जाएं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मतदाता सत्यापन और पंजीकरण अभियान के दौरान नागरिक बीएलओ को पहचान सकें और उनके साथ आत्मविश्वास से बातचीत कर सकें। चुनाव संबंधी कर्तव्यों के निष्पादन में मतदाताओं और ईसीआई के बीच पहले इंटरफ़ेस के रूप में, यह महत्वपूर्ण है कि घर-घर जाकर दौरा करने के दौरान बीएलओ को जनता आसानी से पहचान सके।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.